@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 18 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 210 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त, 15 लोगों की मौत, 60 घायल

सिम्मी कौर बब्बर

कोलकाता, 17 जून। बिहार-बंगाल की सीमा के पास एक भीषण ट्रेन हादसा हुआ। रंगापाणी रेलवे स्टेशन पर सियालदाह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद कंचनजंगा एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज्यादा घायल हुए हैं। यह दुर्घटना न्यू जलपाईगुड़ी के पास हुआ। रेलवे की टीम जांच में जुट गई है। हादसे के बाद से ही रेल परिचालन ठप हो गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत अन्य नेताओं ने इस हादसे को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस घटना पर दुख जताया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हादसे का जायजा लेने दार्जिलिंग के लिए रवाना हो चुके हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस हादसे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रेल दुर्घटना में लोगों की मृत्यु की खबर अत्यंत व्यथित करने वाली है। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवार के साथ है। मैं घायलों के जल्द ठीक होने और बचाव कार्य की सफलता के लिए प्रार्थना करती हूं। पीएम मोदी ने इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। अधिकारियों से बात की और स्थिति का जायजा लिया। प्रभावितों की सहायता के लिए बचाव अभियान जारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी दुर्घटना स्थल पर जा रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने इस रेल दुर्घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में हुआ रेल हादसा बहुत दुःखद है।इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। अश्विनी वैष्णव ने इस रेल दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, एनएफआर जोन में दुर्भाग्यपूर्ण हादसा। बचाव कार्य जारी है। रेलवे, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ एकसाथ मिलकर काम कर रहे हैं। घायलों को अस्पताल में पहुंचाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, दार्जिलिंग जिले के फनसीदेवा इलाके में रेल दुर्घटना के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं। इस घटना को लेकर अन्य जानकारी का इंतजार है। कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। बचाव के लिए डीएम, एसपी, डॉक्टर, एंबुलेंस और आपदा टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया है। कार्रवाई शुरू हो गई है।

बिहार के राजद नेता भाई वीरेंद्र ने इस घटना के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, जिस देश में रेलवे का निजीकरण कर दिया गया, वहां दुर्घटनाएं तो होंगी ही। इससे पहले कांग्रेस और यूपीए सरकार के समय जब दुर्घटनाएं होती थी, तब मंत्री खुद इस्तीफा दे देते थे। अब ऐसी घटनाओं के बाद मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं। हमें इस सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। यह सरकार एक गैंग है, जो इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार है। त्रिपुरा के मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा, आज सुबह 8-50 बजे सियालदाह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कुछ लोगों को गंभीर चोट आई है। भारत सरकार, पीएम रेलवे मंत्री और हमारे सीएम भी हालात का जायजा ले रहे हैं। पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी के पास खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस में पीछे से एक मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। रंगापानी और निजबाड़ी के पास हुए हादसे में तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुईं। इस हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 लोग घायल हैं। वैष्णव ने कहा, अभी हमारा फोकस मरम्मत पर है। यह मुख्य लाइन है। बचाव अभियान पूरा कर लिया गया है। यह राजनीति करने का समय नहीं है। मैं घायलों से भी मिलूंगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास रंगापानी में ट्रेन दुर्घटना स्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। सड़क बड़े वाहनों के चलने के लिहाज से संकरी होने के कारण रेल मंत्री को दुर्घटना स्थल तक पहुंचने के लिये कुछ दूरी मोटरसाइकिल के पीछे बैठकर तय करनी पड़ी। ट्रेन हादसे पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा,मैं शाम करीब साढ़े पाजं बजे सिलीगुड़ी पहुंचूंगा और घायलों से मिलने अस्पताल जाऊंगा। हमारे सांसद और विधायक वहां हैं। थोड़ी देर में रेल मंत्री भी वहां पहुंचेंगे। दुख की इस घड़ी में हम लोगों के साथ हैं। ट्रेन हादसे को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, वे (रेल मंत्रालय) यात्रियों की सुविधाओं की परवाह नहीं करते हैं। वे रेलवे के अधिकारियों, इंजीनियरों, तकनीकी कर्मचारियों और श्रमिकों की परवाह नहीं करते हैं। वे भी परेशानी में हैं। उनकी पुरानी पेंशन वापस ली गई है। मैं पूरी तरह से रेलवे कर्मचारी और अधिकारियों के साथ हूं। वे अपनी ओर से भरसक प्रयास कर रहे हैं। लेकिन इस सरकार को सिर्फ चुनाव की परवाह है। जलपाईगुड़ी के पास हुए रेल हादसे में घायलों को उत्तर बंगाल के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पहली बार चुनाव मैदान में उतरेंगी प्रियंका गांधी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 जून। आखिरकार समय आ ही गया..राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी पहली बार चुनावी मैदान में बतौर प्रत्याशी ताल ठोकेंगीं। ये पहली बार होगा, जब अपने राजनीतिक जीवन में प्रियंका गांधी कोई चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस के थिंक टैंक ने तय कर दिया है कि राहुल गांधी वायनाड लोकसभा सीट छोड़ेंगे और प्रियंका गांधी यहां से चुनाव लड़ेंगी। प्रियंका गांधी का सियासी सफर कैसा रहा? निराशा से निकलकर किस तरह से उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में आशा की किरण जलाई? वर्ष 2019 से 2024 का सियासी घटनाक्रम कैसा रहा और कैसे प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के अंदरखाने %विश्वास% की अलख जलाई? आइए इस रिपोर्ट में जानते हैं। 2019 के आम चुनाव में प्रियंका गांधी को कांग्रेस ने महासचिव बनाया और पूर्वी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार गए थे। इसके बाद वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुए तो प्रियंका गांधी के हाथ एक बार फिर से निराशा आई, कांग्रेस महज दो

सीटों पर सिमट गई। ऐसा लगने लगा था कि प्रियंका उत्तर प्रदेश की राजनीति को अलविदा कह देंगी। %सब दिन न होत एक समाना%...समय बदला और 2024 में लोकसभा चुनाव का बिगुल बजा। दूसरे चरण में वायनाड में मतदान संपन्न हुआ तो कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली से अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार का जिम्मा अपने कंधों पर लिया। इस दौरान प्रियंका कांग्रेस की स्टार प्रचारक बनकर उभरीं। प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार भी जबरदस्त तरीके से किया। रायबरेली में ही पंडित जवाहर लाल नेहरू को याद किया तो प्रधानमंत्री मोदी के मंगलसूत्र वाले बयान पर भी निशाना साधा। जनता से पूछा कि क्या कांग्रेस ने 55 वर्षों में किसी का सोना या मंगलसूत्र छीना? नतीजा ये रहा कि अमेठी से केएल शर्मा तो रायबरेली से राहुल गांधी को जीत हासिल हुई, वो भी बड़े अंतर के साथ। रायबरेली में राहुल गांधी चुनाव जीते लेकिन बहुत हद तक इस जीत का श्रेय प्रियंका गांधी के प्रचार अभियान को भी जाता है। यह कहने में भी कोई गुरेज नहीं कि प्रियंका गांधी ने सुस्त पड़ती दिख रही कांग्रेस में ईंधन भरने का काम किया। अब प्रियंका गांधी के लोकसभा चुनाव लड़ने का समय भी आ चुका है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब आधे घंटे तक गुल रही बिजली

नई दिल्ली, 17 जून। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को अचानक से कुछ देर के लिए बिजली गुल हो जाने से हंगामा मच गया। बताया गया है कि एयरपोर्ट पर करीब 20 से 30 मिनट के लिए बिजली गुल हो गई, जिससे यहां बोर्डिंग से लेकर चेक-इन तक में समस्या पैदा हो गई। इससे यात्री परेशान हो गए। बिजली आपूर्ति बाधित होने से अंधेरा छा गया। साथ ही फ्लाइट ऑपरेशन सहित एयरपोर्ट का पूरा सिस्टम ठप्प हो गया। इतना ही नहीं यात्रियों का पानी सहित जरूरी चीजों की समस्याओं से भी जूझना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, अचानक बिजली जाने से एयरलाइंस चेक इन सिस्टम, सुरक्षा जांच के लिए इस्तेमाल होने वाले डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी), इमीग्रेशन ब्यूरो सिस्टम सहित एयरोब्रिज का ऑपरेशन ठप्प हो गया। कुछ मिनटों के बाद बिजली की आपूर्ति को बहाल कर दिया गया, लेकिन इन सिस्टम को दोबारा रिस्टार्ट होने में काफी समय लग गया। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने कहा कि एयरपोर्ट पर सामान लेने और डिजी यात्रा सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित हुई थीं। डायल ने कहा कि बिजली ग्रिड आपूर्तिकर्ता से वोल्टेज असंतुलन के कारण ऐसा हुआ। हालांकि, जरूरी सेवाओं को संचालित रखने के लिए सभी टर्मिनल को डीजल जनरेटर (डीजी) लोड पर कर दिया गया। हवाई अड्डा परिचालक कंपनी के प्रवक्ता ने बयान में कहा, "आज (सोमवार) दोपहर करीब दो बजे, दिल्ली हवाई अड्डे के मुख्य रिसीविंग सब-स्टेशन (एमआरएसएस) को ग्रिड पर वोल्टेज के असंतुलन का पता चला, जो कथित तौर पर 765 केवी लाइन के ट्रिप होने के कारण हुआ।"

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करें: राहुल गांधी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 17 जून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को फिर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग से ईवीएम और प्रक्रियाओं की पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने या उन्हें समाप्त करने की मांग की। विपक्ष के नेता की यह बाद उस आरोप के एक दिन बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि ईवीएम एक ऐसा ब्लैक बॉक्स है और किसी को भी उसकी जांच करने की अनुमति नहीं है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब लोकतांत्रिक संस्थानों पर कब्जा कर लिया जाता है तो एकमात्र सुरक्षा चुनावी प्रक्रिया में निहित होती है, जो जनता के लिए पारदर्शी होती है।

उन्होंने कहा कि ईवीएम अभी ब्लैक बॉक् है। चुनाव आयोग या तो मशीनों और प्रक्रियाओं की पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए या उन्हें समाप्त कर देना चाहिए। पार्टी के एक अन्य नेता गौरव गोगोई ने कहा कि इवीएम को अचूक मानने से पहले चुनाव आयोग को यह आंकड़ा देना चाहिए कि पूरे चुनाव के दौरान कितनी ईवीएम खराब पाई गईं। उन्होंने कहा, कितनी मशीनों ने गलत समय, तारीख वोट दर्ज किया है? कितने ईवीएम के घटकों (कंपोनेंट्स) काउंटिंग यूनिट, बैलेट यूनिट को बदला गया? मॉक मतदान के दौरान कितनी ईवीएम खराब पाई गईं? गोगोई ने एक्स पर यह भी कहा, चुनाव लड़ने के बाद मैं भरोसे से कह सकता हूं कि इन मशीनों ने गलत परिणाम दिखाए हैं। मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग आंकड़ों को सामने रखेगा, क्योंकि जनता को जानने का अधिकार है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि मुंबई की उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट पर शिवसेना के उम्मीदवार के एक रिश्तेदार को चार जून को मतगणना के दौरा ईवीएम से कनेक्टेड मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पाया गया था।

मणिपुर में सुरक्षा स्थिति को लेकर दिल्ली में समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 17 जून। देश में तीसरी बार सत्ता में काबिज केंद्र सरकार देश के कई राज्यों में सुरक्षा की स्थिति को लेकर काफी सख्त नजर आ रही है। जम्मू-कश्मीर के हालातों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक के बाद केंद्र सरकार मणिपुर में सुरक्षा के स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक की। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, इंटेलिजेंस ब्यूरो प्रमुख तपन डेका, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, सेना प्रमुख (नामित) लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, जीओसी थ्री कोर एचएस साही, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी, मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह और असम राइफल्स के डीजी प्रदीप चंद्रन नायर मौजूद रहे। 10 जून को मणिपुर के कांगपोकपी जिले में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया था। जिसमें एक जवान के घायल होने की सूचना मिली थी।

नीतीश कुमार की सरकार ला रही नया कानून

पटना, 17 जून। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भी एक ठोस निर्णय लिया है।उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे और परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता और प्रश्न पत्र लीक न हो इसको लेकर एक सख्त कानून बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा के सत्र में इससे संबंधित एक प्रस्ताव लाया जायेगा, जिसके बाद किसी भी प्रतियोगी परीक्षाओं में कोई भी अनियमितता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि उसके पारित होने के बाद किसी भी सूरत में प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा। बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र का लीक होना कोई नयी बात नहीं है। चाहे मामला बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा के तीसरे चरण ञ्जक्रश्व-3.0 का हो, बिहार पुलिस का हो या फिर ताजा मामला नीट की परीक्षा में धांधली का हो। कुल मिलाकर अभ्यर्थी इसका आरोपी आयोग को बनाते हैं। हालांकि जब धांधली और प्रश्नपत्र लीक का विरोध होता है तब राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों की बहुत किरकिरी होती है। ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भी एक ठोस निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा के सत्र में इससे संबंधित एक प्रस्ताव लाया जायेगा, जिसके बाद किसी भी प्रतियोगी परीक्षाओं में कोई भी अनियमितता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि उसके पारित होने के बाद किसी भी सूरत में प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा। नीट की परीक्षा में धांधली के विरोध में अभ्यर्थियों ने पटना की सड़कों पर जमकर बवाल मचाया था। लॉ एंड ऑर्डर की बात कहकर पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे उन अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज भी किये थे, जिसमें कई अभ्यर्थी घायल हो गये।

प्रतिमाओं के स्थानांतरण पर राजनीति करने की जरूरत नहीं: ओम बिरला

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 17 जून। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि विभिन्न हितधारकों से चर्चा के बाद ही संसद परिसर में स्थापित स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरुषों की प्रतिमाओं को प्रेरणा स्थल में स्थानांतरित किया गया है। प्रतिमाओं को अपने स्थानों से हटाने के बाद विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। बिरला ने कहा कि प्रतिमाओं का स्थानांतरण भूमि के उचित इस्तेमाल और सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उन्होंने कहा, किसी भी मूर्ति को हटाया नहीं गया है, बल्कि स्थानांतरित किया गया है। इस पर राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है। मैं समय-समय पर विभिन्न हितधारकों के साथ इन मुद्दों पर चर्चा करता रहा हूं। दरअसल, महात्मा गांधी और बीआर आंबेडकर की प्रतिमाएं पहले संसद परिसर में प्रमुख स्थानों पर स्थित थीं, जहां विपक्षी नेता सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र होते थे। लोगों का विचार था कि इन मूर्तियों के एक ही स्थान पर होने से उनके जीवन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी बेहतर तरीके से प्रसारित करने में मदद मिलेगी। बिरला ने कहा, चर्चा के दौरान लोगों का विचार था कि इन मूर्तियों के एक ही स्थान पर होने से उनके जीवन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी बेहतर तरीके से प्राप्त की जा सकेगी। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि संसद परिसर में स्थित

मूर्तियों को स्थानांतरित करने का निर्णय सत्तारूढ़ सरकार का एकतरफा फैसला है। इसका एकमात्र उद्देश्य महात्मा गांधी और बीआर आंबेडकर की प्रतिमाओं को वहां से हटाना है। अभी तक इन प्रतिमा स्थलों पर ही पारंपरिक तौर पर लोकतांत्रिक प्रदर्शन होते रहे हैं। विपक्षी पार्टी का यह हमला उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के 'प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन करने से पहले आया है। प्रेरणा स्थल में स्वतंत्रता सेनानियों और अन्य नेताओं की सभी मूर्तियां रखी जाएंगी। जिन्हें पहले संसद परिसर में विभिन्न स्थानों पर रखा गया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, लोकसभा की वेबसाइट के अनुसार, चित्र और प्रतिमाओं पर संसद की समिति की आखिरी बैठक 18 दिसंबर, 2018 को हुई थी। 17वीं लोकसभा (2019-2024) के दौरान इसका पुनर्गठन भी नहीं किया गया, जो पहली बार उपसभापति के सांविधानिक पद के बिना काम कर रही थी। लोकसभा सचिवालय ने कहा है कि 'प्रेरणा स्थल' का निर्माण इसलिए किया गया है, ताकि संसद भवन परिसर में आगंतुक एक ही स्थान पर इन प्रतिमाओं को आसानी से देख सकें और उन पर श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। उसने कहा, इन महान भारतीयों की जीवन गाथाओं और संदेशों को नई प्रौद्योगिकी के माध्यम से आगंतुकों तक पहुंचाने के लिए एक कार्य योजना बनाई गई है।

'नए आपराधिक कानूनों से सहमत नहीं थी संसद': मनीष तिवारी

नई दिल्ली, 17 जून। भारत में एक जुलाई 2024 से तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता,भारत सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होने जा रहे हैं। इसे लेकर विपक्ष ने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी का कहना है कि इन कानूनों से संसद पूर्ण रूप

से सहमत नहीं थी और रिकॉर्ड 146 विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित करने के बाद इन्हें पारित किया गया था। तिवारी ने कहा कि ये नए कानून संसद के सामूहिक ज्ञान को प्रदर्शित नहीं करते। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय कानून मंत्री सच को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि तीन कानूनों का कार्यान्वयन करना भारत की कानूनी प्रणाली को चोट पहुंचाने के समान होगा। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा 'कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सच्चाई को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित करने के बाद संसद में तीन नए आपराधिक कानून मनमाने ढंग से पारित किए गए। ये तीन कानून संसद के सिर्फ एक वर्ग की इच्छा को दर्शाते हैं। ये कानून संसद के सामूहिक ज्ञान को प्रतिबिंबित नहीं करते।' मनीष तिवारी ने कहा कि गृह मामलों की स्थायी संसदीय समिति के विद्वान सदस्यों द्वारा इन कानूनों पर असहमति व्यक्त की गई थी। इसके बाद भी उनके विचारों पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि एक जुलाई से इन कानूनों का कार्यान्वयन भारत की कानूनी व्यवस्था में बाधा डालने के समान होगा। कांग्रेस नेता ने तीनों कानूनों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि इन कानूनों में शामिल कुछ प्रावधान नागरिक स्वतंत्रता पर हमले की तरह हैं। बता दें कि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बीते रविवार को कहा था कि एक जुलाई 2024 से भारत में नए आपराधिक कानून लागू होंगे।

आरएसएस से मिलकर संविधान पर कर रही हमला: जयराम रमेश

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 17 जून। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने पाठ्यपुस्तकों में कुछ बदलाव किया है। इसके बाद से ही वे लगातार विवादों में घिरे हुए हैं। एनसीईआरटी की नई किताबें बाजार में आई हैं। इनमें कक्षा 12 की राजनीति विज्ञान की किताब में बाबरी मस्जिद का जिक्र नहीं है और इसे तीन गुंबद ढांचा बताया गया है। साथ ही अयोध्या के बारे में जो पहले चार पेज का पाठ था, अब उसे घटाकर दो पेज का कर दिया गया है और कई जानकारियां हटा दी गई हैं। यह अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आधारित है, जिससे राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हुआ। इसके बाद सोमवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि यह संस्थान 2014 से आरएसएस से संबद्ध संस्था के रूप में काम कर रही है और संविधान पर हमला कर रही है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने नीट 2024 में ग्रेस मार्क्स की गड़बड़ी के लिए एनसीईआरटी को दोषी ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल एनटीए की अपनी विफलताओं से ध्यान हटा रहा है। हालांकि यह सच है कि एनसीईआरटी अब एक पेशेवर संस्था नहीं रही। यह 2014 से आरएसएस से संबद्ध संस्था के रूप में काम कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसकी संशोधित कक्षा 11 की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक धर्मनिरपेक्षता के विचार की आलोचना करती है और साथ ही इस संबंध में राजनीतिक दलों की नीतियों की भी आलोचना करती है। कांग्रेस नेता ने कहा, एनसीईआरटी का उद्देश्य पाठ्यपुस्तकें तैयार करना है, न कि राजनीतिक पर्चे और प्रचार करना। एनसीईआरटी हमारे देश के संविधान पर हमला कर रही है, जिसकी प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता स्पष्ट रूप से भारतीय गणतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में मौजूद है। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों में स्पष्ट रूप से धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का एक अनिवार्य हिस्सा माना गया है। जयराम रमेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि एनसीईआरटी को खुद को याद दिलाने की जरूरत है कि यह राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद है, नागपुर या नरेंद्र शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण

परिषद नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसकी सभी पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता संदिग्ध है।, जो स्कूल में मुझे आकार देने वाली पुस्तकों से बहुत अलग हैं। टीएमसी नेता साकेत गोखले ने भी एनसीईआरटी पर निशाना साधते हुए कहा, बेशर्म एनडीए 1.0 सरकार छात्रों से असुविधाजनक तथ्य छिपा रही है। उन्होंने कहा, यह तर्क दिया जा रहा है कि बच्चों को विश्व युद्ध जैसी अन्य हिंसक निराशाजनक चीजों के बारे में क्यों पढ़ाया जाए? क्या भाजपा और पीएम मोदी को अपराधियों और दंगाइयों के रूप में अपने इतिहास पर शर्म आती है? उन्होंने पूछा, छात्रों से सच्चाई क्यों छिपाई जाए? एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि पाठ्यपुस्तकों में बदलाव वार्षिक संशोधन का हिस्सा हैं और इस पर शोर-शराबा नहीं होना चाहिए। संख्या पर लगाए जा रहे स्कूली पाठ्यक्रमों के भगवाकरण के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गुजरात दंगों और बाबरी मस्जिद विध्वंस के संदर्भों को स्कूली पाठ्यपुस्तकों में संशोधित किया गया है। क्योंकि दंगों के बारे में पढ़ाने से बच्चों में हिंसक और उदास नागरिक पैदा हो सकते हैं। पाठ्यपुस्तकों में बदलाव वार्षिक संशोधन का हिस्सा हैं और इस पर शोर-शराबा नहीं होना चाहिए।

वियतनाम में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत

एजेंसी

हनोई। वियतनाम के दक्षिणी प्रांत एन गियांग में बिजली के झटके से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय पुलिस ने सोमवार सुबह इसकी पुष्टि की। पीड़ितों की पहचान चाऊ फु जिले में रहने वाला 51 वर्षीय व्यक्ति, उसकी 45 वर्षीय पत्नी और सात वर्षीय पुत्री के तौर पर हुयी। वियतनाम समाचार एजेंसी ने बताया कि अपराह्न में पीड़ितों के घर के बगल में रहने वाले एक रिश्तेदार ने उन्हें मृत पाया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

मध्य ईरान में खदान ढहने से 02 लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के मध्य प्रांत मरकाज़ी में एक खदान के ढहने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग फंसे हुए हैं।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना की रिपोर्ट के मुताबिक शाज़ंद काउंटी में स्थित खदान स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न करीब 10ः00 बजे ढह गई। हादसे के समय दो टिप ट्रक और दो उत्खनन मशीनों के चालक खदान के अंदर थे।

मध्य चीन में रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत

झेंग्झौ। मध्य चीन के हेनान प्रांत में तड़के एक रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत की मौत हो गयी। स्थानीय जांच दल ने बताया कि आठ लोग वाहन के इंसुलेटेड डिब्बे में थे, जो नियमों के खिलाफ था। टीम ने एक बयान में कहा कि जब वाहन येक्सियन काउंटी के होंगझुआंगयांग टाउनशिप में शनिवार रात करीब 10 बजे एक गैस स्टेशन पर पहुंचा तो वे बेहोश पाए गए और रविवार तड़के तीन बजे चिकित्सा उपचार विफल होने के बाद उनकी मौत की पुष्टि हुई। वाहन चालक और संबंधित जिम्मेदार कर्मियों को हिरासत में लिया गया है, और मामले के कारणों की जांच की जा रही है।

सऊदी अरब में हज के दौरान जॉर्डन के 14 हजयात्रियों की मौत

अम्मान। जॉर्डन ने पुष्टि की कि सऊदी अरब में हज की रस्म अदा करते समय उसके 14 नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य लापता हो गए। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सुफियान कुदाह ने एक बयान में कहा कि जॉर्डन पक्ष अपने परिवारों के अनुरोध पर मृतकों को दफनाने या घर लौटने पर संबंधित सऊदी अधिकारियों के साथ संपर्क कर रहा है। बयान के अनुसार सऊदी अधिकारी 17 लापता तीर्थयात्रियों की तलाश भी जारी रख रहे हैं, हालांकि, उन्होंने त्रासदी के कारण का खुलासा नहीं किया है। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने एक दिन पहले बताया था कि हज यात्रा के दौरान छह जॉर्डन वासियों की लू लगने से मौत हो गई थी।

पेरू में भूकंप के झटके

लीमा। पेरू के निकट तट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए है। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने कहा सुबह नौ बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.9 मापी गयी। भूकंप का केंद्र 15.81 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 74.30 डिग्री पश्चिम देशांतर पर 10 किमी की गहराई पर था।

फिजी द्वीप क्षेत्र में भूकंप के झटके

सुवा। फिजी द्वीप क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने कहा कि 13:48 ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.2 मापी गयी। भूकंप का केंद्र 20.18 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 177.56 डिग्री पश्चिम देशांतर पर 501.5 किमी की गहराई पर निर्धारित था।

पाकिस्तान में विस्फोट में दो की मौत, चार घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) के विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने 'शिन्हुआ' को बताया कि यह घटना प्रांत के कुर्रम जिले में हुई जहां नागरिकों को ले जा रहा एक वाहन सड़क किनारे लगाए गए उपकरण की चपेट में आ गया। घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है। विस्फोट में वाहन पूरी तरह नष्ट हो गया और पुलिस ने जांच के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी। अभी तक किसी समूह या व्यक्ति ने हमले के जिम्मेदारी नहीं ली है।

गाजा में इजरायल के हवाई हमले में नौ की मौत

एजेंसी

गाजा। ईद-उल-अज़्हा के एक दिन पहले मध्य गाजा में अल-बुरीज शरणार्थी शिविर पर इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमले में कम से कम नौ फिलिस्तीनी मारे गए।

फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि हवाई हमले में दो आवासीय घरों को निशाना बनाया गया, जिसमें छह बच्चों सहित नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रविवार तक गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या 37,337 हो गई है, जबकि 85,299 लोग घायल हुए हैं। उधर, इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एद्राई ने कहा कि दक्षिणी गाजा पट्टी में लड़ाई जारी है, जिसमें गाजा के सबसे दक्षिणी शहर राफा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि

जिस सड़क से माल गुजरता है, वह केवल मानवीय सहायता के लिए दिन के उजाले के दौरान खुली रहेगी। उल्लेखनीय है कि 07 अक्टूबर, 2023 को हमास ने इजरायल की सीमा में घुसकर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट दागकर हमला किया था, जिसके कारण 12 सौ से अधिक लोग मारे गए थे। इस दौरान हमला से लड़ाकों ने 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया। इसके बाद से इजरायल जवाबी कार्रवाई में गाजा में हमले कर रहा है।

दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपींस के जहाज के बीच टक्कर, ड्रैगन ने पूरा आरोप मनीला पर मढ़ा

एजेंसी

बीजिंग । चीन दक्षिण चीन सागर को पूरी तरह से हड़पने के लिए लगातार दूसरे देशों से टकराता रहता है। पिछले कुछ महीनों से चीन और फिलीपींस के तटरक्षक बलों के बीच होने वाली झड़पें खबरों में रही हैं। हालांकि, इस बीच दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास एक चीनी जहाज और एक फिलीपींस के आपूर्ति जहाज के बीच टक्कर होने की जानकारी सामने आई है।

थॉमस सोल के पास हादसा

चीन के तटरक्षक बल ने बताया कि दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास सोमवार को एक चीनी जहाज और एक फिलीपीन आपूर्ति जहाज टकरा गया। तटरक्षक बल ने आगे बताया कि फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने द्वितीय थॉमस शोल के निकट पानी में प्रवेश किया, जो स्प्रैटली द्वीप समूह में एक जलमग्न चट्टान है।

चेतावनियों को किया नजरअंदाज

चीनी तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीचैट पर कहा कि चीन बार-बार चेतावनी दे रहा था, लेकिन फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने गंभीर चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया।

वहीं, एक चीनी जहाज के पास गैर-पेशेवर तरीके से खतरनाक तरीके से पहुंचा, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हो गई। आगे कहा कि इस पूरे मामले का जिम्मेदार फिलीपींस है।

मनीला की सफाई

हालांकि, फिलीपींस की राजधानी मनीला का कहना है कि यह समुद्री तट, जो उसके तट से 200 समुद्री मील (370 किलोमीटर) से भी कम दूरी पर स्थित है, उसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेष आर्थिक क्षेत्र में आता है और वह अक्सर 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के फैसले का हवाला देता है, जिसने ऐतिहासिक आधार पर दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों को अमान्य कर दिया था। शोल के पास हाल के महीनों में कई घटनाएं हुई हैं, जहां फिलीपींस ने बीआरपी सिएरा माद्रे जहाज पर एक चौकी बना रखी है।

दक्षिण चीन सागर को लेकर क्या विवाद है?

दक्षिण चीन सागर दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक है। यह समुद्री मार्ग से व्यापार एवं परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। दक्षिण चीन सागर या साउथ चाइन सी पर दावे को लेकर चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रूनेई दारुसलाम, फिलीपींस, ताइवान, स्कार्बोराफ रीफ जैसे विभिन्न देशों के बीच विवाद है। ये देश इस क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहते हैं। मूल विवाद की जड़ दक्षिण चीन सागर में स्थित स्पार्टली और पार्सल द्वीप हैं, क्योंकि ये दोनों द्वीप कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार से परिपूर्ण हैं।

निखिल गुप्ता ने सुपारी देकर खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू की हत्या की रची साजिश, आरोपी को अमेरिका किया गया प्रत्यर्पित

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में एक सिख अलगाववादी की सुपारी देकर हत्या कराने की साजिश में शामिल होने के आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया। मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई है। गुप्ता (52) को अमेरिकी नागरिक एवं सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोपों में अमेरिका की सरकार के अनुरोध पर पिछले साल चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। चेक संवैधानिक अदालत ने पिछले माह गुप्ता की प्रत्यर्पण के खिलाफ दी गई याचिका खारिज कर दी थी।

अमेरिकी संघीय अभियोजकों का आरोप है कि गुप्ता एक अज्ञात भारतीय सरकारी अधिकारी के निर्देशों के अनुसार काम कर रहे थे। भारत ने इस मामले में अपनी संलिप्तता से इंकार किया है और आरोपों की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। गुप्ता फिलहाल ब्रूकलिन में मेट्रोपॉलिटन डिटेन्शन सेंटर में बंद हैं। उन्हें सोमवार को न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में पेश किया जा सकता है। 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने सबसे पहले गुप्ता के प्रत्यर्पण की खबर जारी की।

अखबार की खबर के अनुसार, ''गुप्ता, जिसे चेक गणराज्य में

हिरासत में लिया गया था, को सप्ताहांत में न्यूयॉर्क लाया गया। मामले के जानकार लोगों ने नाम जाहिर नहीं करने के अनुरोध पर यह जानकारी दी है। आम तौर पर प्रत्यर्पित व्यक्ति को देश में आने के एक दिन के अंदर ही अदालत में पेश किया जाता है।'' संघीय अभियोजकों का आरोप है कि गुप्ता ने पन्नू की हत्या के लिए एक व्यक्ति को सुपारी दी थी और 15,000 डॉलर की अग्रिम राशि का भुगतान किया था। उनका आरोप है कि भारत सरकार का एक अधिकारी भी इसमें शामिल था। अधिकारी का नाम नहीं लिया गया।

गुप्ता ने अपने वकील के माध्यम से अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया और कहा है कि उन पर अनुचित आरोप लगाए गए हैं। वाशिंगटन पोस्ट की खबर में कहा गया, ÷गुप्ता की वकील रोहिणी मूसा ने भारतीय उच्चतम न्यायालय को दी गई याचिका में कहा है कि उनके मुवक्किल पर अनुचित तरीके से मुकदमा चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जो याचिकाकर्ता को कथित पीड़ित की हत्या की कथित बड़ी साजिश से जोड़ता हो।

अखबार की खबर के अनुसार, उन्होंने (मूसा ने) कहा कि भारत और अमेरिका अपनी विदेश नीति के लिए एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। गुप्ता का प्रर्त्यपण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन वार्षिक ''क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी'' (आईसीईटी) संवाद के लिए नयी दिल्ली की यात्रा पर आने वाले हैं। सुलिवन अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के साथ इस संवाद में हिस्सा लेंगे। पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। अप्रैल 2024 में वाशिंगटन पोस्ट की खबर में कहा गया था कि पन्नू की हत्या की साजिश के पीछे 'रिसर्च एंड एनालिसिस विंग' (रॉ) के अधिकारी विक्रम यादव का हाथ है। अखबार में यह दावा भी किया गया कि रॉ के प्रमुख सामंत गोयल ने अभियान को मंजूरी दी थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने खबर को खारिज कर दिया और पन्नू की हत्या की साजिश में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता के दावे को गलत बताया है। भारत ने कहा है कि पन्नू की कथित हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका द्वारा साझा किए गए प्रमाण की उच्च स्तरीय जांच की जा रही है।

पार्क में गोलीबारी में दो बच्चों समेत आठ लोग घायल

एजेंसी

रोचेस्टर हिल्स। अमेरिका में मिशिगन के डेट्रॉयट शहर में बच्चों के एक पार्क में गोलीबारी की घटना में दो बच्चों समेत आठ लोग घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गर्मी से राहत पाने के लिए अनेक परिवार पार्क में आए थे।

ओकलैंड काउंटी के शेरिफ माइक बाउचर्ड ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद संदिग्ध अपराधी पास के एक घर में छिप गया था, पुलिस

ने घर को चारों तरफ से घेर लिया है। शेरिफ ने बताया कि घटनास्थल से एक बंदूक और तीन खाली मैगजीन बरामद की गई हैं। पुलिस ने घटनास्थल पर लोगों की आवाजाही रोकने के लिए घेराबंदी की है।

अधिकारियों ने सोशल मीडिया मंच पर अपने संदेश में कहा कि अब भी खतरा बना हुआ है और उन्होंने लोगों से इस क्षेत्र से दूर रहने को कहा। अधिकारियों ने घायलों के बारे में और घटना के संबंध में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी।

कैलिफोर्निया: विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत

एजेंसी

लॉस एंजेल्स। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। विमान कल चीनो हवाई अड्डे के पास स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:35 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय केएबीसी टेलीविजन स्टेशन ने बताया कि जब आपातकालीन दल घटनास्थल पर पहुंचे तो विमान रनवे

से दूर छतिग्रस्त पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार हादसे में मारे गये लोग यैंक्स एयर म्यूजियम में फादर्स डे के एक कार्यक्रम में से लौट रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, लॉस एंजिल्स से लगभग 55 किलोमीटर पूर्व में सैन बर्नार्डिनो काउंटी की पश्चिमी छोर पर चिनो शहर के पास कल लॉकहीड एल12 नाम का एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस हादसे में विमान में सवार दो लोग मारे गये। दुर्घटना के कारणों की जांच चल रही है ।

रूसी सुरक्षा बलों ने हिरासत केंद्र से दो बंधक कर्मियों को छुड़ाया, इस्लामी आतंकी समूह से जुड़े आरोपित ढेर

एजेंसी

मॉस्को। रूसी सुरक्षा बलों ने दक्षिणी रूस में एक हिरासत केंद्र पर धावा बोला कर दो कर्मचारियों को बंधक बनाने वाले इस्लामी आतंकवादी समूहों से जुड़े आरोपितों को मार गिराया। घटनास्थल पर मौजूद पत्रकारों ने गोलीबारी की आवाजें सुनीं जबकि सोशल मीडिया पर फुटेज में जेल में कई एम्बुलेंस आती दिखाई दीं।

रूस की संघीय कारागार सेवा ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि रोस्तोव-ऑन-डॉन में सुनवाई से पहले हिरासत केंद्र में रखे गये लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उसने कहा कि बंधक बनाने वाले कुछ लोग मारे गए हैं। हालांकि कोई और जानकारी नहीं दी गयी।

आरटी सहित कई स्थानीय समाचार चैनलों ने खबर दी कि कम से कम कुछ कैदी मारे गये हैं। इससे पहले सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने कानून प्रवर्तन से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया कि रोस्तोव क्षेत्र के हिरासत केंद्र नंबर एक में बंधक बनाने वाले छह लोग थे और उनके पास चाकू और अन्य हथियार थे। इनमें इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े होने के आरोपित भी शामिल हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों में कम से कम दो बंधकों को इस्लामिक स्टेट के झंडे जैसा दिखने वाला पट्टा सर पर बांधे दिखाया गया है। अन्य तस्वीरों में उनको चाकू चलाते हुए दिखाया गया है। आरटी की खबर के अनुसार, बंधक बनाने वालों में से तीन को आतंकवाद के मामलों में पहले ही सजा सुनाई गयी थी।

पीएम मोदी-मेलोनी की वार्ता से नई ऊंचाई की ओर बढ़ी भारत-इटली की रणनीतिक साझेदारी, जी-7 समिट से इतर तस्वीर भी खींची

एजेंसी

बारी (इटली)। जी7 मीटिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की और भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित वैश्विक मंचों तथा बहुपक्षीय प्रस्तावों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। इस दौरान टेक्नोलॉजी समेत तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री मेलोनी से साइबर सिक्योरिटी के मुद्दे पर भी बात की। जी7 के दौरान पीएम मोदी ने ये भी कहा कि भारत द्ध के लिए नीति बनाने वाले देशों में शामिल है।

पीएम मोदी की दक्षिणी इटली के अपुलिया की एक दिवसीय यात्रा के अंत में शुक्रवार को दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई। इस दौरान मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए इटली की प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बारे में जारी विज्ञप्ति में कहा कि नेताओं ने खुले एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की

प्रतिबद्धता जताई तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे पर भी चर्चा की। क्षेत्र में चीन की आक्रामक गतिविधियों के बीच विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेता मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की खातिर तैयार रूपरेखा के तहत क्रियान्वित की जाने वाली संयुक्त गतिविधियों के लिए तत्पर हैं।'' इसने कहा कि उन्होंने महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित वैश्विक मंचों और बहुपक्षीय प्रस्तावों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना के तहत सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना की गई है ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके। आईएमईसी को समान विचारधारा वाले देशों द्वारा चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) के समक्ष रणनीतिक प्रभाव हासिल करने की पहल के रूप में भी देखा जा रहा है। बीआरआई एक विशाल संपर्क परियोजना है जो चीन को दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य एशिया, रूस और यूरोप से जोड़ती है। पिछले वर्ष दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान आईएमईसी को अंतिम रूप दिया गया था। इसने कहा, ''दोनों नेताओं ने नियमित राजनीतिक संवाद पर संतोष व्यक्त किया और भारत-इटली सामरिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। बढ़ते व्यापार और आर्थिक सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा, विनिर्माण, अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, कृत्रिम मेधा और महत्वपूर्ण खनिजों में वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करने का आह्वान किया।'' विज्ञप्ति में कहा गया, ''इस संदर्भ में, उन्होंने औद्योगिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन का स्वागत किया। यह अधिकार पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क पर सहयोग के लिए रूपरेखा प्रदान करता है।'' विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की तथा रक्षा-औद्योगिक सहयोग को और बढ़ाने की आशा व्यक्त की। नेताओं ने इस वर्ष के अंत में इतालवी विमानवाहक पोत आईटीएस कैवूर और प्रशिक्षण पोत आईटीएस वेस्पुची की भारत यात्रा का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इतालवी अभियान में भारतीय सेना के योगदान को मान्यता देने के लिए इटली सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि भारत इटली के मोंटोन में यशवंत घाडगे स्मारक का उन्नयन करेगा।

नेपाल में चीनी नागरिक से छह किलोग्राम सोना और 50 लाख रुपये बरामद, गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में चीन के नागरिक सोने की तस्करी से बाज नहीं आ रहे। नेपाल पुलिस की केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने काठमांडू के कपन

इलाके में सुबह छापा मारकर चीन के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। इसके पास से छह किलोग्राम सोना और 50 लाख रुपये नकद बरामद किया गया है। सीआईबी प्रवक्ता हवीन्द्र बोगटी ने इसकी पुष्टि करते हुए फिलहाल चीन के इस नागरिक की पहचान बताने से इनकार कर दिया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

हवाई यात्रा के दौरान हिंसक व्यवहार के लिए अमेरिकी महिला पर कार्रवाई, एफएए ने लगाया 81950 डॉलर का जुर्माना

एजेंसी

वाशिंगटन। 2021 में अमेरिका के टेक्सास से चार्लोट तक हवाई सफर करने के दौरान अपने सहयात्रियों को लात मारने और थूकने की आरोपी महिला पर अब मुकदमा भी दर्ज किया गया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने महिला पर अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया है। हालांकि आरोपी महिला हीथर वेल्स जुर्माने की राशि चुकाने में असमर्थ रही।

डक्ट टेप से बांधी गई थी आरोपी महिला

दरअसल सैन एंटोनियो की रहने वाली हीथर वेल्स 7 जुलाई 2021 को अमेरिकन एयरलाइंस से टेक्सास से चार्लोट के लिए प्रथम श्रेणी के टिकट पर यात्रा कर रही थी। इस दौरान उसने व्हिस्की का ऑर्डर दिया और उसके बाद उसने हिंसक व्यवहार करना शुरू कर दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी महिला ने सह यात्रियों और फ्लाइट क्रू को लात मारी और उनपर थूका और फ्लाइट का मुख्य दरवाजा खोलने की कोशिश की। जिसके बाद उसे जैसे-तैसे डक्ट टेप से उसकी सीट पर बांधा गया था।

महिला ने यात्रियों के साथ किया अभद्र व्यवहार

मामले में दर्ज शिकायत में बताया गया कि महिला ने कई लोगों के साथ अभद्र व्यवहार किए और केबिन के सामने का दरवाजा खोलने की कोशिश की। वहीं महिला ने फ्लाइट अटेंडेंट को भी धक्का दिया और जब दो केबिन क्रू और एक यात्री ने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने एक अटेंडेंट के सिर पर हमला भी किया। और जब महिला को डक्ट टेप से उसकी सीट पर बांधा गया तभी भी उसका हिंसक व्यवहार जारी रहा और उसने अपने सामने की सीट को भी तोड़ दिया। आखिरकार महिला को बेहोश करके चार्लोट में उतार दिया गया।

किस मामले में कितना लगाया गया जुर्माना?

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला पर केबिन क्रू और फ्लाइट अटेंडेंट पर हमला करने और खतरा पैदा करने के लिए 45 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया। वहीं उड़ान के दौरान केबिन का दरवाजा खोलने का प्रयास के आरोप में 27 हजार 950 डॉलर और चालक दल के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए 9 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

इस्राइली सेना के हर दिन 11 घंटे युद्धविराम पर रार; आग बबूला हुए पीएम नेतन्याहू, कहा- यह अस्वीकार्य

एजेंसी

तेलअवीव। हमास और इस्राइल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी गाजा में जंग रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच खबर सामने आ रही है कि इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी सेना से नाराज हो गए हैं। दरअसल, सेना ने हाल ही में फैसला लिया था कि फलस्तीनी क्षेत्र में सहायता पहुंचाने के लिए गाजा की मुख्य सड़कों में से एक पर लड़ाई में प्रतिदिन रणनीतिक विराम लगाया जाएगा। इस कदम को लेकर ही पीएम नेतन्याहू भड़क गए और सेना की आलोचना की।

सेना ने यह उठाया कदम

सेना ने केरेम शालोम क्रॉसिंग से सलाह अल-दीन रोड और फिर उत्तर की ओर के क्षेत्र में हर दिन सुबह पांच बजे से शाम को चार बजे तक कोई भी हमला नहीं करने का एलान किया था।

आगबूबला हुए पीएम

एक अधिकारी ने बताया कि जब प्रधनामंत्री को इस बात का पता चला कि हर दिन 11 घंटे का युद्ध पर विराम रहेगा तो वह आग बबूला हो गए। उन्होंने तुरंत सेना के सचिव से बात की और स्पष्ट किया कि यह कदम वह स्वीकार्य नहीं करेंगे।

वहीं, सेना ने स्पष्टीकरण दिया कि राफा में सामान्य अभियान जारी रहेंगे, जहां शनिवार को आठ सैनिक मारे गए थे।हालांकि, नेतन्याहू की प्रतिक्रिया ने गाजा में सहायता के मुद्दे पर राजनीतिक तनाव को रेखांकित किया, जहां अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने बढ़ते मानवीय संकट की चेतावनी दी है।

नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन में राष्ट्रवादी धार्मिक दलों में से एक का नेतृत्व करने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने एक रणनीतिक विराम के विचार की निंदा करते हुए कहा कि जिसने भी फैसला किया वह मूर्ख था। फैसला करने वाले को नौकरी से निकाला जाना चाहिए।

केजरीवाल सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल-खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने दिल्ली सरकार को हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल बताते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से इस्तीफा देने की मांग की है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि केजरीवाल सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह से फेल हो चुकी है। दिल्ली में पानी की विकराल समस्या ने दिल्ली सरकार की पोल खोल कर रख दी है। इस सरकार की कोई दिलचस्पी किसी भी समस्या का हल निकालने के बारे में नहीं है बल्कि अपने फेल होने का ठीकरा अनर्गल आरोप जड़ कर अपनी विफलता को ढकने में है।

मुर्मु ने देशवासियों को ईद-उल-जुहा की शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों को ईद-उल-जुहा के अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती मुर्मु ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, ईद-उल-जुहा के अवसर पर मैं सभी देशवासियों और विदेश में बसे हुए भारतीयों विशेष रूप से हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। त्याग और बलिदान का प्रतीक ईद-उल-जुहा का पवित्र त्योहार हमें निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित करता है। आइए इस अवसर पर हम सब राष्ट्र के विकास और कल्याण के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लें।

धनखड़ ने दी ईद की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को ईद-उल-जुहा की शुभकामनाएं दी। श्री धनखड़ ने ईद की पूर्व संध्या पर यहां जारी एक संदेश में कहा कि ईद का यह पवित्र त्योहार हमें एकता, दया और बंधुत्व जैसे मूल्यों की प्रेरणा देता है। साथ ही यह पर्व समाज में लोगों द्वारा मिल जुलकर हर्षोल्लास और सद्भाव की भावना को व्यक्त करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर भी है।

युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर गांव में 34 साल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के वक्त युवक स्कूटी से घर जा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने वहां पहुंचकर उसे जग प्रवेश अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कुछ महीने पहले मृतक के भाई की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। जाम की जानकारी मिलते ही डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर जाम हटवाया। मृतक की पहचान विक्की के रूप में की गई है, जो कि उस्मानपुर गांव का रहने वाला है और वह दूध का कारोबार करता था। डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे उस्मानपुर गांव के शांति मोहल्ले में डॉक्टर पुलिया के पास एक युवक को गोली मारे जाने की सूचना मिली थी।

गजेन्द्र शेखावत के फिर मंत्रिमंडल में शामिल होने पर तेरापंथ समाज ने दी बधाई

नई दिल्ली। केन्द्रीय पर्यटन और संस्कृति मत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंत्रिपरिषद में पुनःकेबिनेट मंत्री बनाये जाने पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी समाज की ओर से बधाई दी गई हैं। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा दिल्ली के अध्यक्ष सुखराज सेठिया,उपाध्यक्ष बाबूलाल दुगड और रणजीत भंसाली, जनसम्पर्क प्रभारी डॉ.धनपत लुनिया एवं अणुव्रत विश्व भारती की संगठन मंत्री डॉ. कुसुम लुनिया ने उनके अकबर रोड स्थित निवास पर जैन तेरापंथ समाज और अणुव्रत परिवार की ओर से हार्दिक बधाइयां और शुभ मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर उन्हें अणुविभा का महत्वपूर्ण प्रकाशन और अणुव्रत पत्रिका भी भेंट की गई। केंद्रीय मंत्री ने अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण जी को सादर नमन करते हुए अणुव्रत संसदीय मंच से जुड़ने का मनतव्य भी जताया। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने प्रतिनिधिमण्डल का बधाई के लिए आभार जताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित देश बनाने के लिए उनकी पूरी टीम बहुत शिद्दत के साथ पहले दिन से ही काम में जुट गई है।

कश्मीर में आतंकवाद छद्म लड़ाई तक सीमित, जड़ से मिटायेगी सरकार: अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में है तथा आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से अब छद्म लड़ाई तक सिमट गया है लेकिन सरकार इसे जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित हैं। श्री शाह ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों के मद्देनजर यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केन्द्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति तथा आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। गृह मंत्री ने एजेंसियों को जम्मू में 'एरिया डॉमिनेशन प्लान' और 'ज़ीरो टेरर प्लान' के माध्यम से कश्मीर घाटी में हासिल की गई सफलताओं को दोहराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार नये तरीकों से आतंकियों पर कार्रवाई कर मिसाल बनाने के लिए कटिबद्ध है। गृह मंत्री ने सभी एजेंसियों को मिशन मोड में काम करने और समन्वित तरीके से त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने पर बल दिया। श्री शाह ने कहा, जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के

खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में है। हाल ही में हुई घटनाएं बताती हैं कि आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से सिमट कर छद्म लड़ाई तक सीमित होने के लिए मजबूर हो गया है लेकिन हम इसको भी जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित हैं। गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय पर जोर देते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और उनकी सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान देने पर ज़ोर दिया। गृह मंत्री ने स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने, सुरंगों का पता लगाने और ड्रोन का मुकाबला करने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को केन्द्र सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराते हुए गृह मंत्री ने कहा, जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद के सफाये के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। श्री शाह ने कहा कि केन्द्र सरकार के प्रयासों से कश्मीर घाटी में आतंकी घटनाओं में महत्वपूर्ण कमी के साथ-साथ बड़े पैमाने पर सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का आना वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार को दिखाता है। यहां नार्थ ब्लॉक में दो चरणों में करीब चार-पांच घंटे से भी अधिक समय तक चली बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, सेना प्रमुख नामित जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, केन्द्रीय पुलिस बलों के महानिदेशक, जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, जम्मू कश्मीर प्रशासन तथा केन्द्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

श्री शाह को उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा जम्मू कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की विस्तार से जानकारी दी गयी। सेना और पुलिस की ओर से भी आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में बताया गया। बैठक में आगामी अमरनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुरक्षा तथा उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं से संबंधित तैयारियों का भी जायजा लिया गया।

यूक्रेन संघर्ष के हल के लिए 'ईमानदार' कोशिश हो: भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने स्विट्जरलैंड में यूक्रेन मुद्दे पर आयोजित दो दिवसीय वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन में इस संकट के समाधान के लिए संवाद एवं कूटनीति की बात दोहराई और दोनों पक्षों के बीच ईमानदाराना एवं व्यावहारिक प्रयास किये जाने पर बल दिया।

विदेश मंत्रालय ने यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि बर्गेनस्टॉक में 15-16 जून को स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित यूक्रेन में शांति पर शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) पवन कपूर ने किया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन और समापन पूर्ण सत्र में भाग लिया। पर भारत ने इस शिखर सम्मेलन से निकली किसी भी विज्ञप्ति/दस्तावेज़ से स्वयं को संबद्ध नहीं किया। विज्ञप्ति में कहा गया कि शिखर सम्मेलन में, भारत की भागीदारी, यूक्रेन के शांति फॉर्मूला पर आधारित पिछली एनएसए/राजनीतिक निदेशक-स्तरीय बैठकों में भारत की भागीदारी, बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी एवं शांतिपूर्ण समाधान के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप थी। भारत ने यह भी कहा

कि हमारा मानना ??है कि इस तरह के समाधान के लिए संघर्ष के दोनों पक्षों के बीच ईमानदार और व्यावहारिक जुड़ाव की आवश्यकता होती है। इस संबंध में, भारत शीघ्र और स्थायी शांति लाने के लिए सभी ईमानदार प्रयासों में योगदान देने के लिए सभी हितधारकों के साथ-साथ दोनों पक्षों के साथ ज़ुड़ा रहेगा।

धनखड़ ने किया प्रेरणा स्थल का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद भवन परिसर में नवनिर्मित प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर लोकसभा के निवर्तमान अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, अश्विनी वैष्णव, अर्जुन मेघवाल और एल. मुरूगन उपस्थित रहे।

उद्घाटन के बाद श्री धनखड ने कहा कि यह स्थल बहुत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा किसभी महान नेताओं को एक साथ देखना सुखद अनुभूति है।श्री बिरला ने कहा कि प्रेरणा स्थल भविष्य की पीढियों को प्रेरणा देगा।

विकसित किया गया है कि संसद भवन परिसर में आगन्तुक सरलता से

महान नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं एक स्थान पर

बारे में विस्तृत जानकारी देने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया है। सभी नेताओं ने महान नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को

दिल्ली जल संकट आप सरकार की देन: बांसुरी

नई दिल्ली। भीषण गर्मी और राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे जल संकट के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने पानी की कमी को लेकर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ 14 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली के सभी सात नवनिर्वाचित संसद सदस्य इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुये। नयी दिल्ली से लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज ने दिल्ली जल बोर्ड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया, यह कोई प्राकृतिक समस्या नहीं है, इसे आम आदमी पार्टी ने पैदा किया है। दिल्ली में पर्याप्त पानी है और हरियाणा सहमति से ज्यादा पानी दे रहा है। उन्होंने दावा किया,÷केवल 10 वर्षों में आप ने दिल्ली जल बोर्ड को 2013 में 600 करोड़ रुपये के मुनाफे वाली इकाई से 2024 में 73,000 करोड़ रुपये के घाटे में पहुंचा दिया है। पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि द्वारका के निवासी पानी की कमी के बारे में शिकायत कर रहे हैं क्योंकि निजी टैंकरों के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं, और उन्हें सरकारी टैंकरों का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। आप सरकार पर निशाना साधते हुए सुश्री सहरावत ने कहा,दिल्ली सरकार पानी की कमी के लिए अन्य राज्य सरकारों को दोषी ठहरा रही है, जबकि समस्या उनके विभाग के भीतर है। उन्होंने कहा, मैं मंत्री आतिशी से मानवीय आधार पर नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार में मंत्री होने के नाते अनुरोध करती हूं कि उन्हें अपने विभाग का ध्यान रखना चाहिए।

संसद भवन परिसर में मूर्तियों की जगह बदलना सरकार की मनमानी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने संसद भवन परिसर में प्रमुख नेताओं की प्रतिमाओं को उनके मूल स्थान से हटाकर दूसरी जगह स्थापित करने को संसदीय नियमों और परंपराओं का उल्लंघन करार देते हुए कहा है कि इस मामले में सरकार ने किसी से विचार विमर्श किए बिना मनमानी की है। श्री खडगे ने कहा संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर समेत कई महान नेताओं की मूर्तियों को प्रमुख स्थानों से हटाकर बिना किसी परामर्श के मनमाने ढंग से कोने में स्थापित कर दिया गया है और यह हमारे लोकतंत्र की मूल भावना का उल्लंघन है। पूरे संसद भवन में लगभग 50 ऐसी मूर्तियाँ हैं। संसद भवन परिसर में प्रत्येक मूर्ति का स्थान विशेष महत्व रखता है।

उन्होंने कहा पुराने संसद भवन के ठीक सामने स्थित ध्यान मुद्रा में महात्मा गांधी की प्रतिमा भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए अत्यधिक महत्व रखती है। सदस्यों ने अपने भीतर महात्मा की भावना को आत्मसात करते हुए उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह वह स्थान है जहां सदस्य अक्सर अपनी उपस्थिति से शक्ति प्राप्त करते हुए शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन करते थे। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा भी एक सुविधाजनक स्थान पर रखी गई थी। बाबा साहब की यह मूर्ति सांसदों की पीढ़ियों को संविधान में निहित मूल्यों और सिद्धांतों को दृढ़ता से बनाए रखने का संदेश देती है। संयोग से 60 के दशक के मध्य में अपने छात्र जीवन के दौरान मैं संसद भवन परिसर में बाबासाहेब की प्रतिमा स्थापित करने की मांग में सबसे आगे था। गहन विचार विमर्श के बाद और सबके प्रयास से बाबासाहेब की प्रतिमा सही और सबकी सुविधा वाली जगह पर स्थापित की गई थी। इससे बाबा साहब को श्रद्धांजलि देने वाले लोगों की आवाजाही में भी सुविधा हुई। श्री खडगे ने कहा यह सब अब मनमाने और एकतरफ़ा तरीके से उठाया गया कदम है।संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय नेताओं और सांसदों के चित्रों और मूर्तियों को स्थापित करने के लिए एक समिति है जिसे संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय नेताओं और सांसदों के चित्रों और मूर्तियों की स्थापना पर समिति कहा जाता है लेकिन 2019 से समिति का पुनर्गठन नहीं किया गया है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

Name Change
I, hitherto known as KANAK LATA alias RENU DEVI W/O BAIDYANATH BEHERA R/O H. NO 130, G/F, GALI NO-5, BLOCK-C, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 have changed my name and shall hereafter be known as RENU DEVI.

Name Change
I, No-17005866X Rank-NK Name-PREM KUMAR S/o RAM SAGAR SINGH R/o WARD NO-05, VPO-AMNI, TEH+DIST-KHAGARIA, BIHAR-851214, have changed my minor daughter's name from AKIRTI SINGH to KRITI SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 17/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SHOBHA W/O ISHAAN UPPAL R/O C-36,VISHAL ENCLAVE RAJOURI GARDEN,TAGORE GARDEN WEST DELHI - 110027 have changed my name to SHOBHA SAPRA for all future purpose.

Name Change
I, kewal Kishore, kawal Kishor, Kewal Kishore Alag S/o Tilak Raj R/o 3B/117, Vishnu Garden,Tilak Nagar,New Delhi-110018 have changed my name to Kewal Kishore Alagh for all future purposes

PUBLIC NOTICE
Bobby khari S/o Dharamvir khari R/o 4492 jai mata market gali no 11 tri nagar is no longer associated with his family members regardless of any conduct done by him, family is not liable for anything.

Name Change
I, hitherto known as GUNJAN alias GUNJAN AGGARWAL alias GUNJAN SHUKLA D/O PREM PRAKASH SHUKLA W/O AAYUSH AGGARWAL R/O 137, RASHI APTS, PLOT-3, SECTOR-7, DWARKA, DWARKA SECTOR-6, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075 have changed my name and shall hereafter be known as GUNJAN AGGARWAL.

Name Change
I, No-22052203A Rank-SEP Name-RAVAL PRAKASH BHAI RAMESH BHAI S/o RAVAL RAMESH BHAI CHHAGAN BHAI R/o VILL-MESAR, TEH-SARSWATI, DIST-PATAN, GUJARAT-384265, have changed my minor son's name from VIYAN BHAI to RAVAL VIYAN BHAI PRAKASH BHAI for all future purposes vide Affidavit dated 17/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, ANURAG SHARMA son of Satyadev Sharma resident of HOUSE N0-386, RAJIV NAGAR, NEAR DLF AREA, SECTOR-33, Amarnagar S.O, Faridabad, Haryana 121003 have changed my name from ANURAG to ANURAG SHARMA for all future purpose.

Lost & Found
I, Pradeep Godara S/o Shri Chatar Singh R/o Flat No. 105, The Palms, South City 1, Gurgaon, Haryana have lost my Original Document i.e Allotment Letter, Builder Buyer Agreement Unitech. Information Report LR No. 1821657/2024. Finder contact above address.

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
Mr. Sushil Gardia s/o Karna Kar Gardia is absolute owner of 1st Floor (L-Type) without roof rights Built Upon Plot No. 17-A area measuring 30 sqyds part of Khasra No. 105/14/1 situated at Village Palam Colony Known as Raja Puri, C-Block, Uttam Nagar, New Delhi-110059 and Lost Original Registration Particulars Page of Sale deed vide Document No. 5468, Volume No. 10472, Pages 25 to 32, Book No. 1, dated 03/10/2020 and FIR for has been Done vide FIR No. 1822278/2024, dated 17/06/2024 if anybody found above mentioned deed kindly contact on-8882910441 within 7 Days
(Advocate Suparna)
Lexicure Law Firm Advocates
305, 3rd Floor Aggarwal building
pocket 3 Sector 12 Dwarka
New Delhi 110075.

Name Change
I, ANGREGO Mother of No. NO-3202700Y Rank-HAV Name-JOGINDER R/o VPO-CHIDANA, TEH-GOHANA, DIST-SONIPAT, HARYANA-131306 have changed my name from ANGREGO to ANGREJO for all future purposes vide Affidavit Dated 17/06/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री सूबे सिंह पुत्र श्री होचंद सिंह ग्राम खेड़ा चौगानपुर, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित खसरा संख्या 36 मील में से 106 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय भूखंड के मालिक हैं। सदुण द्वारा, बिक्री विलेख दिनांक 01.11.2019, दस्तावेज़ संख्या 21194, खंड संख्या 14220, पृष्ठ संख्या 1-26, दिनांक 01.11.2019, एसआरओ-दादरी। आज तक और अपना मूल विक्रय विलेख दिनांक 09.02.2007, दस्तावेज़ संख्या 2525, खंड संख्या 498, पृष्ठ संख्या 267-274, दिनांक 09.02.2007, एसआरओ-दादरी, खो गया है/गुम हो गया है। इसे श्रीमती कला देवी पत्नी श्री शोभा राम के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड शाखा द्वारा वित्तपोषित किया गया है। गुड़गांव, हरियाणा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

महानिदेशालय पुनर्वास
रक्षा मंत्रालय

जॉब फेयर : हिंडन (गाजियाबाद)

21 जून 2024 – प्रातः 07:00 बजे से
(पंजीकरण प्रातः 10:00 बजे तक)
स्थान : स्टेशन सभागार, वायु सेना स्टेशन,
हिंडन (गाजियाबाद) यूपी

आवश्यक दस्तावेज :

ESM I कार्ड और फोटोग्राफ के साथ नवीनतम सीवी/बायो डेटा की पांच प्रतियां

ESM नौकरी चाहने वालों के लिए लाभ
शीर्ष **PSU**/कॉर्पोरेटों (नियोक्ताओं) के भर्तीकर्ताओं के साथ बातचीत करें
परेशानी मुक्त भर्ती प्रक्रिया
एकाधिक नौकरी के अवसरों तक निःशुल्क पहुंच

नियोक्ताओं के लिए लाभ
वयोवृद्ध प्रतिभा पूल तक निःशुल्क पहुंच
ऑनलाइन पंजीकरण करें और www.dgrindia.gov.in पर अपनी कंपनी का स्टॉल बुक करें
पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवंटन

अधिक प्रश्नों और सहायता के लिए, कृपया संपर्क करें:

संयुक्त निदेशक (एसई एवं सीआई)
पुनर्वास महानिदेशालय
वेस्ट ब्लॉक IV, आरके पुरम, नई दिल्ली-110066
फ़ोन: 011-20862542
ई-मेल: seopadgr@desw.gov.in
वेब: http://www.dgrindia.gov.in

डीआरजेड(सी), लखनऊ
फ़ोन : 0522-2482833
ई-मेल: drzclkw@desw.gov.in
संपर्क : हिंडन (गाजियाबाद) यूपी
वारंट अधिकारी एसके सिंह: 9311720898
जूनियर वारंट अधिकारी यूसी मोहंता: 7030595754

CBC 10401/11/0002/2425

सिरसा में नशे की ओवरडोज़ से युवक की मौत

एजेंसी

सिरसा। उपमंडल डबवाली के गांव लोहगढ़ में नशे की ओवरडोज से एक 25 वर्षीय युवक की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस को सूचना देकर युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। ग्रामीणों का दावा है कि यहां पहले भी नशे के कारण कई युवकों की मौत हो चुकी है। जानकारी के अनुसार युवक अजय काफी लंबे समय से नशे की लत में पड़ा हुआ था, शनिवार को नशे की ओवरडोज से वह गांव के बीच स्थित खंडहर मस्जिद में बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद इसकी सूचना परिजनों को दी गई और वह उसे घर ले आए। परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि इस बारे में पुलिस को कई बार सूचित किया जा चुका है लेकिन आजतक कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

पीडब्ल्यूडी के जेई और वर्क सुपरवाइजर ने गैंगमेट पर फेंका गर्म तारकोल

कैथल। कैथल थाना शहर पुलिस ने लोक निर्माण विभाग के गैंगमेट पर विभाग के जेई और वर्क सुपरवाइजर द्वारा मारपीट करने तथा गरम तारकोल फेंक दिया। पैर जलाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। इस संबंध में पवन पाल सिंह निवासी रामनगर भूना ने थाना शहर पुलिस को शिकायत दी। उसने बताया कि वह विभाग में गैंगमेट के पद पर कार्यरत है। सीवन गेट कैथल से परशुराम चौक तक लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क बनाने का कार्य किया जा रहा है। 15 जून को जब वह परशुराम चौक पुलिस नाके पर अन्य कर्मचारी सड़क बना रहे थे तो वहां पर विभाग का कनिष्ठ अभियंता रामनिवास और वर्क सुपरवाइजर शमशेर सिंह भी थे। उसने कहा कि सड़क निर्माण सामान की क्वालिटी सही नहीं है। इतना सुनते ही रामनिवास जेई तथा वर्क सुपरवाइजर ने उसके साथ मारपीट की। यही नहीं शमशेर सुपरवाइजर ने साइड में रखा गर्म तारकोल उसके पांव पर फेंक दिया। जिस कारण उसके दोनों पांव जल गए। उसे कैथल के निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। मामले के जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल बलजोर सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वन विभाग ने पानीपत में पकड़ा आदमखोर तेंदुआ

चंडीगढ़। वन विभाग की टीमों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद पानीपत में यमुना नदी से सटे भैंसवाल गांव के पास रविवार दोपहर को आदमखोर तेंदुआ पकड़ लिया।वन्य प्राणि विभाग की टीम ने तेंदुए को रोहतक स्थित चिड़ियाघर में पहुंचा दिया है। जहां इसकी डाक्टरी जांच के बाद ही अगला निर्णय लिया जाएगा। बताया गया कि तेंदुए ने 9 जून को हरियाणा के गांव नवादा के सामने यूपी क्षेत्र के खेतों में एक बच्ची को मार डाला था। पानीपत क्षेत्र में करीब तीन दिन पहले तेंदुआ होने की सूचना मिली थी। पिछले तीन दिन से वन एवं वन्य प्राणि विभाग की टीमें इसे तलाश रही थी। जंगलों में ड्रोन की मदद से उसे लगातार ढूंढने की कोशिश की गई, लेकिन वह ड्रोन में तेंदुआ की लोकेशन कैद नहीं हो सकी। तेंदुआ स्थानीय ग्रामीणों के कैमरों में कैद हो गया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर यह तेंदुआ ड्रेन नंबर दो की सीवरेज के भीतर घुस गया। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ड्रेन को दोनों ओर से बंद कर दिया। टीम ने ट्रेंकुलाइजर गन से तीन इंजेक्शन तेंदुए को मारे, जिससे तेंदुआ बेहोश हो गया। उसके बेहोश होने पर दो कर्मचारी सीवरेज के अंदर गए और उसे बाहर निकाला।

सोनीपत के समाजसेवी नरेंद्र भूटानी को शान-ए-सोनीपत सम्मान

सोनीपत। सोनीपत की सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के समूह, सोनीपत समाज पंचायत ने एक सम्मान समारोह में प्रमुख समाजसेवी नरेंद्र भूटानी को शान-ए-सोनीपत के खिताब से नवाजा। समाज पंचायत के संयोजक संजय सिंगला और सह संयोजक अशोक खत्री ने बताया कि सभी समाजसेवियों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। नरेंद्र भूटानी ने 113 बार रक्तदान किया। हरियाणा के महामहिम राज्यपाल द्वारा शतकवीर रक्तदाता के रूप में सम्मानित हैं। दृष्टि सेवा समिति के माध्यम से 2500 से अधिक नेत्रदान और 12 देहदान करवाए हैं। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने बुजुर्गों को घर जाकर वैक्सीन लगवाई, खाना बांटा और पीड़ितों का अंतिम संस्कार किया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से उन्होंने लावारिस अस्थियों को हरिद्वार में विसर्जित किया और कई मेडिकल कैंप और रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। इस अवसर पर नरेंद्र भूटानी ने एक पौधा लगाया और सोनीपत समाज पंचायत के सदस्य सतीश बाल्याण ने भूटानी के वजन के बराबर कॉपियां दान कीं, जो जरूरतमंद बच्चों को वितरित की जाएंगी।

हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर लगवाने का झांसा दे ठगे सवा दो लाख

जींद। उचाना थाना पुलिस ने हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर लगवाने का झांसा दे सवा लाख हडपने पर एक महिला सहित पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। गांव उचाना कलां निवासी सोमबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव गामडा हिसार निवासी राहुल से वर्ष 2014 से जान पहचान रही है। परिवारिक तौर पर भी एक दूसरे के घर आना जाना रहा है। राहुल ने बताया कि उसकी एचएसएससी में काफी जान पहचान है। वह उसे हरियाणा में सब इंस्पेक्टर की नौकरी लगवा देगा।

मुख्यमंत्री का ऐलान- पंचकूला में 15 जुलाई से शुरू होगी सेब मंडी

- **प्रदेश में खुलेंगी सात नई अटल किसान मजदूर कैंटीन**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने घोषणा की है कि पिंजौर में फल और सब्जी मंडी 15 जुलाई को चालू हो जाएगी। सेब बेचने के लिए मंडी में सभी बुनियादी सुविधाएं 15 जुलाई से पहले उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे विक्रेताओं को अधिक जगह मिलेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह चंडीगढ़ में हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) के अधिकारियों के साथ एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्यभर में कृषि बाजारों को चलाने की दक्षता और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कृषि कार्य के दौरान लाभार्थी पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री किसान एवं खेतिहार मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत आयु पात्रता 65 वर्ष से बढ़ाकर 75 वर्ष करने की घोषणा की है। बिजली गिरने से होने वाली मृत्यु, पशु-संबंधी दुर्घटनाओं और ट्यूबवेलों से जहरीली गैसों के रिसाव

को शामिल कर योजना का विस्तार किया जाएगा। विभाग ने पिछले 7 वर्षों में योजना के तहत लाभार्थियों को 134 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। बैठक के दौरान 'विवादों का समाधान' योजना को नए संशोधनों के साथ 30 सितंबर 2024 तक बढ़ाने पर भी निर्णय लिया गया। पुराने मामलों में किस्त भुगतान के लिए 20 दिन की छूट अवधि दी जाएगी, यदि इस अवधि के भीतर भुगतान किया जाता है तो ऐसे आवंटियों को दंड से छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान बताया कि 7 नई अटल किसान मजदूर कैंटीन खोली जाएंगी, पहले से चल रही 40 कैंटीनों को मिला कर 47 कैंटीन हो जाएगी। इसके अलावा 30 जून तक सडकों की मरम्मत की जाए। इस परियोजना के तहत 384 सड़कों की मरम्मत पर 240 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी तरह से 702 किलोमीटर तक लंबी 284 सड़कों पर 353 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

ग्रामीणों ने मिट्टी से भरे ओवरलोड डंफरों को फाटक पर रोका

एजेंसी

जींद। सफीदों उपमंडल के गांव बहादुरगढ़ की रेलवे फाटक के पास सुबह ग्रामीणों ने गांव में से होकर गुजर रहे ओवरलोड मिट्टी के डंफरो को अवरोधक डाल कर रोक लिया। ग्रामीणों ने ओवरलोड़ डंफरों के द्वारा गांव की गलियों व लिंक सड़कों को बुरी तरह से तोडने् तथा अवैध खनन के आरोप लगाए। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर डायल 112 को दी गई। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया।

ग्रामीणों का कहना था कि उनके गांव के खेतों से पिछले काफी समय से अवैध खनन का कार्य चल रहा है। इस कार्य के लिए बड़े-बड़े डंफरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये डंफर ओवरलोड होकर चलते हैं और इनके ऊपर कोई तिरपाल वगैरह भी ढका हुआ नहीं होता। जिसके कारण पूरे गांव में चारो ओर मिट्टी फैल गई है और धूल के गुबार उड़ रहे हैं। ओवरलोड़ डंफरों के कारण गांव की तमाम गलियां क्षतिग्रस्त हो गई है। गांव में अनेक स्थानों पर पानी सप्लाई की लाईनें टूट गई है और घरों की दीवारों में दरारें आ गई हैं। इसके अलावा हाल ही में नई बनी मलार-बहादुरगढ़ तथा सिल्लाखेड़ी-रोझला

सड़कों को भी इन ओवरलोड़ डंफरों ने तोड़ दिया है।

ग्रामीणों का कहना था कि खेतों से दो से तीन फूट मिट्टी उठाने की इजाजत है लेकिन सभी नियमों को ताक पर रखकर पांच से छह मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है। जब वे इन डंफर चालकों को आराम से चलाने व मिट्टी के ऊपर तिरपाल वगैरह लगाने की बात कहते हैं तो वे उन्हे भद्दी-भद्दी गालियां देते हैं। इन डंफरों के कारण उनका व उनके परिवारों विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं व बच्चों का जीना दूभर हो गया है। गांव की इस समस्या की ओर शासन व प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। ग्रामीणों ने साफ किया कि वे अब उनके जीवन को संकट में झोंकने वाले इन ओवरलोड़ डंफरों को गांव में नहीं चलने देंगे। अगर खेतों से मिट्टी उठाई भी जानी है तो उन्हे हल्के वाहनों के द्वारा उठाया जाए। अगर यह सिलसिला यूं ही जारी रहा तो गांव की बची गलियां व सड़के पूरी तरह से तहस-नहस हो जाएंगी। ग्रामीणों ने इस मामले में प्रशासन से दखल देने की गुहार लगाई।

हरियाणा में युवाओं को वन-मित्र के पद पर भर्ती होने का अवसर, मिलेगा मानदेय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने बताया कि जल्द ही वन-मित्र स्कीम के तहत वन-मित्रों की भर्ती की जाएगी जिनको पौधों की देखभाल करने के लिए मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन विभाग द्वारा वन-क्षेत्र में पहले से लगे हुए तथा हर वर्ष पौधरोपण अभियान के तहत लगाए जाने वाले पौधों की ड्रोन से नियमित मैपिंग करवाए। वन भूमि पर आग लगने पर बुझाने में देरी होने पर फोरेस्ट-गॉर्ड से लेकर उच्चाधिकारी तक की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में वन एवं वन्य जीव विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 'प्राण वायु देवता स्कीम' के ब्रॉशर का विमोचन किया। बैठक में पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव राज्यमंत्री संजय सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन-क्षेत्र से अवैध कटाई को कतई सहन नहीं किया जाएगा। अगर इसमें किसी कर्मचारी की सहभागिता पाई गई तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रति वर्ष वन विभाग द्वारा बरसात के मौसम में चलाए जाने वाले वृक्षारोपण अभियान की विस्तार से समीक्षा की और कहा कि इन पौधों की जियो -टैगिंग की जाए तथा ड्रोन की मदद से पांच साल तक उनकी ग्रोथ पर नजर रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने जंगलों में होने वाली आगजनी की घटनाओं का नोटिस लेते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं से जीव जंतु तो मरते ही हैं,करोड़ों रूपये की लकड़ी का नुकसान होता है और प्रदूषण भी फैलता है। अगर आगजनी की घटना होने पर आग बुझाने में अनावश्यक देरी हुई तो वन विभाग के फारेस्ट गॉर्ड से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारी नपेंगे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कलेसर, सुल्तानपुर जैसे नेशनल पार्क और अन्य गहरे जंगलों में नहरों या ट्यूबवेलों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाए ताकि ज्यादा गर्मी में वन्य जीवों के लिए यह पानी पीने के काम आ सके और इससे आगजनी की घटना होने पर आग बुझाने में सहयोग मिल सकेगा। इस वर्ष 2024 -25 में 150 करोड़ रुपये का बजट पौधरोपण के लिए आवंटित किया गया है जबकि हर्बल पार्क के लिए 10 करोड़ खर्च किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के 3819 स्वस्थ पेड़ों की पहचान करके प्राण वायु देवता स्कीम के तहत 2750 रुपये प्रति वर्ष पेंशन देने की योजना लागू की गई है।

सीबीआई की चार्जशीट में दावा, राठी हत्याकांड के तार ब्रिटेन से जुड़े

एजेंसी

झज्जर। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष बहादुरगढ़ के पूर्व विधायक नफे सिंह राठी और उनके समर्थक जयकिशन दलाल हत्याकांड में सीबीआई द्वारा पंचकूला सीबीआई कोर्ट में दाखिल की गई पहली चार्जशीट में कई अहम खुलासे किए हैं, लेकिन हत्याकांड का मोटिव क्या रहा, इसको लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। इसके बाद हत्या की इस वारदात का रहस्य और गहरा गया है।

इस हत्याकांड की परतें सुलझाने को लेकर सीबीआई ने एक अहम खुलासा जरूर किया है। वह यह है कि ब्रिटेन बेस्ड गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू ने सिग्नल एप के जरिये 18 फरवरी को सचिन नाम के शख्स से संपर्क साधा और कहा, अमित गुलिया ने तेरा नंबर दिया था। भाई एक दुश्मन मारना है, 307 करनी है बहादुरगढ़ में चले जाइए।सीबीआई द्वारा बहादुरगढ़ में नफे सिंह हत्याकांड की जांच फिलहाल जारी है। पंचकूला सीबीआई कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में ब्रिटेन के एक गैंगस्टर का नाम शामिल किया गया है। सबसे प्रमुख बात यह सामने आई है कि हत्यारों ने नफे सिंह की हत्या से पहले उनकी गाड़ी की लोकेशन जानने के लिए एक जीपीएस सिस्टम भी लगाया था। यह जीपीएस ट्रैकर दिल्ली के द्वारका स्थित एक म्यूजिक कार शॉप से खरीदा गाय था। मगर खरीदने वाला कौन था, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है। बताया गया है कि अभी तकजांच में सामने आया है कि चार शूटरों और ब्रिटेन में रहने वाले गैंगस्टर नंदू ने सिग्नल एप के जरिए बातचीत की थी। नफे सिंह राठी हत्याकांड के बाद नंदू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल करके इसकी जिम्मेदारी ली थी। बताया गया है कि मर्डर से पहले सचिन ने इस काम में मदद के लिए आशीष उर्फ बाबा को चुना। 23 फरवरी को वे नांगलोई से बहादुरगढ़ मेट्रो स्टेशन गए। जहां सचिन ने नंदू के निर्देशानुसार सेल्फी ली और उसे भेज दी। इसके बाद 25 फरवरी को नफे सिंह राठी की हत्या हो गई। पुलिस ने इस मामले में गोवा के होटल से दो शूटरों आशीष और सौरव को गिरफ्तार किया था। जबकि अतुल प्रधान निवासी नजफगढ़ और नकुल सांगवान निवासी नारनौल अभी फरार चल रहे हैं। शूटरों को कार उपलब्ध कराने के आरोप में पुलिस ने बिजवासन निवासी धर्मेंद्र को गिरफ्तार किया था। सभी जेल में हैं। पुलिस ने घटना को लेकर दिल्ली की मंडोली जेल में बंद अमित गुलिया से भी प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पूछताछ की थी।

बीपीएल कॉलोनियां घरेलू बिजली लाइन से जुड़ेंगी

एजेंसी

नारनौल। दक्षिण हरियाणा विद्युत निगम ने नांगल चौधरी हलके की 19 बीपीएल कॉलोनियों को घरेलु बिजली सप्लाई से जोड़ने का निर्णय लिया है। यह जानकारी सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने दी।

अभय सिंह यादव ने बताया कि नांगल चौधरी हलके की अधिकांश बीपीएल कालोनियाँ घरेलू सप्लाई से जुड़ी हुई नहीं है। जिसके परिणामस्वरूप वहां रहने वाले लोगों को विशेषकर गर्मी के मौसम में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह मामला न केवल विधानसभा में उठाया अपितु एक से अधिक बार विद्युत निगम के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव से भी व्यक्तिगत रूप से मिलकर इस विषय में चर्चा की।

तदोपरांत सरकार के स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि इन सभी कॉलोनियों को घरेलू सप्लाई से जोड़ा जाए। इन 19 कॉलोनियों के अतिरिक्त और भी यदि कोई कालोनी बची हुई पाई गई तो उनको भी घरेलू बिजली से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य सभी कॉलोनियों को सड़क, बिजली और पानी तीनों मूलभूत सुविधाएँ प्रदान करने का है जो अतिशीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग से संबंधित दो मामलों का विशेष रूप से उन्होंने विधानसभा में उल्लेख किया था। पहले मामले पर तो कार्रवाई शुरू हो गई है दूसरा मामला घरों के ऊपर से गुज़रने वाले ख़तरनाक बिजली की लाइनों से सम्बंधित है, इसके बारे में भी सरकार के स्तर पर प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस पर भी शीघ्र ही दक्षिण हरियाणा विद्युत निगम कार्रवाई प्रारंभ करेगा जिसमें रिहायशी इमारतों के ऊपर से गुज़रने वाली छोटी तथा मध्यम श्रेणी की बिजली की लाइनों को हटाया जाएगा।

विधायक का साला बनकर नौकरी के नाम पर ठगे 15 लाख रुपए मुकदमा दर्ज

पलवल। जिले कि होड़ल विधानसभा के भाजपा विधायक जगदीश नायर का साला बनकर नौकरी लगाने के नाम पर 15 लाख रुपए की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। विधायक से शिकायत करने पर आरोपी ने 7 लाख तो वापस दे दिए, लेकिन ? लाख रुपए 4 वर्ष बीतने के बाद भी नहीं दिए। मिली जानकारी अनुसार पीड़ित की शिकायत पर होडल थाना पुलिस ने जांच के बादआरोपी के खिलाफ थोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरूकर दी है। वहीं विधायक का कहना है कि मेरा आरोपी से कोई लेना देना नहीं है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए लड़कियों की हरियाणा जूनियर रग्बी फुटबॉल टीम घोषित

एजेंसी

हिसार। हरियाणा राज्य रग्बी फुटबॉल संघ द्वारा एसबीएस स्पोर्ट्स एकेडमी, बहादुरगढ़ में रग्बी सेवन जूनियर लड़कियों के शिविर के अंतिम दिन पुणे में होने वाली राष्ट्रीय जूनियर रग्बी सेवन प्रतियोगिता के लिए राज्य की टीम की घोषणा की गई। यह प्रतियोगिता 19 और 20 जून को होनी है। टीम के साथ महिला कोच एवं महिला मैनेजर होंगे। कैंप के लिए खिलाड़ियों का चयन हरियाणा राज्य रग्बी फुटबॉल संघ की चयन समिति ने 9वीं हरियाणा राज्य जूनियर रग्बी सेवन प्रतियोगिता के दौरान किया था।

मुख्यमंत्री 19 जून को जींद से प्रदेश के करीब एक लाख पंजीकृत श्रमिकों को देंगे योजनाओं की सौगात

एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित डा. हरिचंद मिढ्ढा सभागार में 19 जून को सुबह दस बजे पंजीकृत श्रमिकों के सम्मान में श्रमिक जागरूकता एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह समारोह में बतौर मुख्यअतिथि शिरकत करेंगे तथा श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। स्थानीय विधायक डा. कृष्ण लाल मिड्ढा विशेष रूप से मौजदू रहेंगे। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह भवन एवं अन्य सन्निर्माग कर्मकार कल्याण बोर्ड के प्रदेशभर के करीब एक लाख पंजीकृत श्रमिकों को उनकी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके खातें में जारी करेंगे। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री अपने संबोधन के माध्यम से प्रदेशभर के श्रमिकों को अपना शुभ संदेश भी देंगे। यह जानकारी श्रम विभाग के आयुक्त मनीराम शर्मा ने दी। उन्होंने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय परिसर के डा. हरिचंद मिड्ढा सभागार में व्यवस्थाओं के निरीक्षण के दौरान दी। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह सम्मान समारोह श्रम विभाग के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। बताया कि जींद में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में प्रदेशभर से 200 से 250 पंजीकृत श्रमिकों को शामिल किया जाएगा। कुछ श्रमिकों को मुख्यमंत्री स्वयं

अपने हाथों से योजनाओं का लाभ प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम का प्रदेश के अन्य जिलों में भी सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें श्रमिकों की बेटियों की शादी में कन्यादान राशि, छात्रवृति योजना, ई-श्रमकार योजना, साइकिल, स्कूटी व सिलाई मशीन आदि मुहैया करवाना मुख्य रूप से शामिल हैं। हर पात्र पंजीकृत श्रमिक को उनका हक मिले, इसके लिए सभी योजनाओं को उनके आधार कार्ड से जोड़ा गया है। उन्होंने श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि केवल आमंत्रित पंजीकृत श्रमिकों को ही कार्यक्रम में प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा पहचान पत्र के बिना कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने बैठक में मौजूद ईएसआई के चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि समारोह के दौरान प्राथमिक उपचार हेतू एक डिस्पेंसरी स्थापित करवाई ताकि जरूरत पडने् पर कोई भी व्यक्ति उपचार ले सके।

पीने के पानी की पाइपलाइन से निश्चित तौर पर दूर होगी पेयजल की समस्या : जगदीश नायर

एजेंसी

पलवल। विधानसभा होडल के लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसलिए जो भी लोगों के हित के कार्य हैं, उन्हें पूरा किया जा रहा है। यह बात होडल के विधायक जगदीश नायर ने शिलान्यास करते हुए कही। विधायक ने विधानसभा होडल के गांव पेंगलतू में एक करोड़ 45 लाख रुपए की लागत से नई पाइपलाइन बिछाने का शिलान्यास किया।विधायक जगदीश नायर ने कहा कि गांव पेंगलतू के निवासियों की यह बहुत पुरानी मांग थी। गांव में पीने के पानी की परेशानी को दूर करने के लिए नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों को पीने के पानी की समस्या से न जूझना पड़े। इसीलिए उन्होंने आज गांव पेंगलतू में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से बिछाई जाने वाली पेयजल की पाइपलाइन का शिलान्यास किया है। यह कार्य आगामी 6 महीने में पूरा हो जाएगा, जिससे सभी ग्रामवासियों को पीने का मीठा पानी उपलब्ध होगा। विधायक ने कहा कि यह पाइपलाइन 2473 मीटर 6 इंच तथा 2203 मीटर 4 इंची डाली जाएगी, जिससे ग्रामवासियों को पीने के पानी की समस्या नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पाइपलाइन के कार्य पूर्ण होने के उपरांत सडक् को भी पूरी तरह ठीक करवाया जाएगा। प्रायः देखने में आया है कि पाइपलाइन डाल दी जाती है। उसके बाद गांव की सडक् टूटी पड़ी रहती हैं। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि पाइपलाइन डालने के साथ ही साथ सडक् भी बनवा दी जाए, जिससे ग्रामवासियों को आने-जाने में किसी प्रकार की कोई परेशानी न होने पाए।

विपक्षी दलों ने भाजपा के विरुद्ध षड़यंत्र रचकर खूब झूठ फैलाया : रणबीर गंगवा

एजेंसी

हिसार। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने कहा है कि लोकसभा चुनावों में समस्त विपक्षी दलों ने भाजपा के विरुद्ध षड्यंत्र रच कर खूब झूठ फैलाया, लेकिन फिर भी भाजपा गठबंधन की सरकार पूरे बहुमत से बनी। नलवा विधानसभा क्षेत्र से भी भाजपा को लगभग 53 हजार वोट मिले, जो गत विधानसभा चुनावों से 5 हजार अधिक है। रणबीर गंगवा भाजपा कार्यालय में नलवा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में 20 जून को हिसार में होने वाली मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रैली की तैयारियों, लोकसभा चुनावों के परिणामों की समीक्षा तथा आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि वंचितों की उन्नति और नौकरियों में पारदर्शिता प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद तथा जातिवाद से ऊपर उठकर सबका साथ-सबका विकास और हरियाणा एक-हरियाणवी एक की नीति के साथ सरकार गरीबों के कल्याण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।इसी का परिणाम है कि सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े वंचित वर्गों

के लोगों के जीवन में सामाजिक और आर्थिक सुधार स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार की कुशल सोच के चलते प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आगामी विधानसभा चुनाव में जनता सरकार के कल्याणकारी कार्यों पर मोहर लगाएगी और भाजपा के प्रत्याशियों को भारी मतों से जीत दिलाएगी। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता की नीति के चलते युवाओं का विश्वास सरकार के प्रति बहाल हुआ है और उन्हें आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी पार्टी कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाएं और यह भी सुनिश्चित करें कि सरकार ने जो वर्तमान में योजनाएं और कार्यक्रम चलाएं हैं, उनका लाभ सभी तक पहुंचे। इस अवसर पर चेयरमैन ईश्वर मालवाल, अजय गावड़, डिप्टी मेयर जयवीर गुर्जर, भाजपा नेता घोलू गुर्जर, पिंकी शर्मा पार्षद, सियाराम सरपंच, मंडल अध्यक्ष भूप सिंह, अनवेश यादव, बलजीत फोगाट, ओमप्रकाश प्रसाद, दलवीर धीरनवास, रविंद्र रॉकी, नरेंद्र रोहिल, अनूप धनखड़, रीटा शर्मा, ओमपति, दर्शना रानी सहित हलके के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस की सरकार आते ही जींद जिले से पिछड़ेपन का दाग हटा देगें : सतपाल ब्रह्मचारी

एजेंसी

जींद। सोनीपत संसदीय क्षेत्र से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि तीन माह बाद ज्यों ही हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी त्यों ही जींद जिले के पीछे पिछड़ेपन का जो दाग लगा हुआ है, उसे हटाने पर काम शुरू हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से आग्रह किया गया है कि जींद को पूर्ण तौर से विकसित करने के लिए यहां ज्यादा से ज्यादा औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएं। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार के दौर में जो जिप्सम जैसी औद्योगिक इकाइयां इस क्षेत्र से पलायन हुई है उनकी भरपाई के लिए कांग्रेस सरकार में नए-नए उद्योग लगाए जाएंगे ताकि इस क्षेत्र में उन्नित का मार्ग खुल सके। सांसद ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा औच्छे हथकंडे अपनाने के बाद भी केंद्र में बहुमत नहीं ले पाई। क्योंकि जनभावना भाजपा के विरोध में थी। हरियाणा में यदि भाजपा दाम-दमन का चक्रव्यूह नहीं रचती तो निश्चित तौर पर दसों की दसों सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी जीत दर्ज करते। हरियाणा में जिस तरह कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़ा है, उसके नतीजन यह तय हो गया है कि तीन माह बाद प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। ब्रह्मचारी ने कहा कि जनता ने जो साथ दिया, उसका आभार जताने के लिए नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर धन्यवाद कार्यक्रम आयोजित कर रहे है। 22 जून को जींद में पूर्व मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम के सिलसिले में आ रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद ने संविधान बदलने की बात की थी, जिसके नतीजन पब्लिक ने कड़ा रिएक्शन दिया।

Name Change

It is for general information that I, SHASHI KANT S/o MAHIPAL, R/o House No. 86, Darauli(3), PO: Dahina, Distt. Rewari, Haryana-123411, declare that name of mine has been wrongly written as SHASHIKANT in my minor son's namely HARSHAL aged 17 years in his CBSE 10th class and 12th Marksheets cum Certificates. The actual name of mine is SHASHI KANT.

आरबीआई को मिला 2024 का सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधक का पुरस्कार

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को लंदन (यूके) के प्रमुख प्रकाशन 'सेंट्रल बैंकिंग' ने 2024 के लिए सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया है। आरबीआई को सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधक का यह पुरस्कार अपनी जोखिम संस्कृति और जागरुकता में सुधार के लिए दिया गया है। आरबीआई की ओर से यह पुरस्कार कार्यकारी निदेशक मनोरंजन मिश्रा ने प्राप्त किया है।

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 पर सम्मेलन 19 जून को

नई दिल्ली। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) वित्त वर्ष 2022-23 पर डेटा उपयोगकर्ता सम्मेलन का आयोजन 19 जून, 2024 को राजधानी नई दिल्ली में किया जाएगा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष डॉ बिबेक देबराय इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि होंगे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि इस सम्मेलन में विभिन्न प्रमुख अवधारणाओं, परिभाषाओं, सर्वे के प्रमुख परिणामों, इकाई स्तर के डेटा, गुणकों का उपयोग और एचसीईएस की डेटा गुणवत्ता का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। इसके पश्चात प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के तहत राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) वर्ष 1950 में अपनी स्थापना के बाद से नियमित रूप से घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) का आयोजन कर रहा है।

खाद्य तेल और दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिश्रित रुझान रहा वहीं, अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा सप्ताहांत पर 48 रिंगिट बढ़कर 3991 रिंगिट प्रति टन हो गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.18 सेंट की गिरावट के साथ 43.77 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

भारत का घरेल एसी बाजार 2028-29 तक 50,000 करोड़ रुपये का होगाः वोल्टास

नई दिल्ली। भारत में घरेलू एयर कंडीशनर (रूम एसी) का बाजार वित्त वर्ष 2028-29 तक 12 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़कर 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। टाटा समूह की कंपनी वोल्टास ने अपनी हालिया वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही है। एसी की अग्रणी कंपनी वोल्टास ने कहा कि घरेलू और अग्रणी विदेशी कंपनियों की उपस्थिति के कारण भारतीय घरेलू एसी बाजार में प्रतिस्पर्धा 'तेज' हो गई है। बढ़ती गर्मी, बढ़ती खर्च योग्य आमदनी तथा उपभोक्ता वित्त तक आसान पहुंच के साथ बेहतर जीवनशैली की चाह जैसे कारकों से घरेलू एसी खंड की वृद्धि को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

वोल्टास ने कहा, ''भारतीय घरेलू एसी बाजार के 2028-29 तक 12 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़कर 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है।'' वोल्टास ने 2023-24 में 20 लाख से अधिक एसी बेचे। कंपनी के अनुसार, यह किसी भी ब्रांड द्वारा एक वर्ष में बेची गई एसी की अबतक की सबसे अधिक संख्या थी। कंपनी ने कहा, ÷वोल्टास ने एक जनवरी, 2024 से 20 अप्रैल, 2024 तक मात्र 110 दिन की अवधि में 10 लाख एसी बेचे हैं।

इस सत्र में कई कंपनियों की एसी बिक्री अप्रैल और मई में दोगुना से अधिक हो गई है। भीषण गर्मी के दौरान पारा 45 डिग्री के आसपास पहुंचने के बीच बिक्री में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला है। घरेलू एसी के अलावा, वाणिज्यिक एयर कंडीशनिंग (सीएसी) में भी प्रतिस्पर्धा बढ़ने जा रही है। अब अग्रणी विदेशी कंपनियों ने इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। इससे पहले, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं उपकरण विनिर्माता संघ ने कहा था कि इस साल उसे घरेलू एसी की रिकॉर्ड बिक्री की उम्मीद है, जिससे 2024 में वार्षिक बिक्री लगभग 1.4 करोड़ इकाई हो जाएगी।

सीबीआईसी ने भारतीय सीमा शुल्क के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों से लोगों को सतर्क किया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने जनता से भारतीय सीमा शुल्क विभाग के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों से सतर्क रहने को कहा है।

सीबीआईसी ने इसके लिए जागरुकता अभियान भी चलाया है। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि समाचार पोर्टल और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से विभिन्न घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें फर्जी व्यक्तियों ने सीमा शुल्क अधिकारी बनकर देशभर में जनता से उनकी गाढ़ी कमाई ठगी गई है। सीबीआईसी ने जनता से भारतीय सीमा शुल्क विभाग के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों से सतर्क रहने को कहा है। ये धोखाधड़ी मुख्य रूप से फोन कॉल या एसएमएस जैसे डिजिटल माध्यमों

का उपयोग करके की जाती है। इसको अंजाम देने वालों का मकसद तुरंत दंडात्मक कार्रवाई के 'कथित' डर दिखाकर पैसा ऐंठने पर केंद्रित होती है। सीबीआईसी ने जन जागरुकता के माध्यम से इस तरह की धोखाधड़ी का मुकाबला करने के लिए जागरुकता अभियान चलाया है, जिसमें समाचार पत्रों में विज्ञापन, आम जनता के लिए एसएमएस, ई-मेल और सोशल मीडिया अभियान के अलावा सीबीआईसी के क्षेत्रीय कार्यालयों में जागरुकता अभियान शामिल है।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.31 अरब डॉलर बढ़कर 655.82 अरब डॉलर पर

एजेंसी
मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 07 जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.31 अरब डॉलर बढ़कर 655.82 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.84 अरब डॉलर बढ़कर के 651.5 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 07 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.8 अरब डॉलर की जबरदस्त बढ़त के साथ 576.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 48.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.98 अरब डॉलर

हो गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 4.3 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि एक करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4.34 अरब डॉलर हो गया।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य एवं आईआईपी आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

एजेंसी
मुंबई। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मझौली और छोटी कंपनियों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह मजबूती पर रहे घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह वैश्विक आर्थिक परिदृश्य एवं भारत और चीन के जारी होने वाले औद्योगिक उत्पादन आंकड़ों पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 299.42 अंक अर्थात 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ सप्ताहांत पर ऊंचाई के नये शिखर 76992.77 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 175.45 अंक यानी 0.8 प्रतिशत चढ़कर 23465.60 अंक के नये रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में हुई दमदार लिवाली ने बाजार को सम्भाले रखा। मिडकैप 1947.32 अंक अर्थात 4.4 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 46058.76 अंक हो गया। इसी तरह स्मॉलकैप 2468.44 अंक यानी 5.06 प्रतिशत की छलांग लगाकर 51199.99 अंक के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।

विश्लेषकों के अनुसार, बीते सप्ताह घरेलू बाजार में मामूली बढ़त रही। हालांकि नए संकेतों के अभाव के कारण इसमें अस्थायी गिरावट आई। फिर भी, विकास-आधारित शेयरों के प्रति धारणा फिर से बेहतर होने की बदौलत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

इस बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिज़र्व की एफओएमसी बैठक का परिणाम सकारात्मक रहा। बाजार की उम्मीदें कैलेंडर वर्ष 2024 में ब्याज दर में दो बार की कटौती से बदलकर केवल एक रह गई हैं। हालांकि, अमेरिकी मुद्रास्फीति की स्थिरता से कुछ राहत मिली। साथ ही घरेलू खुदरा महंगाई में धीरे-धीरे गिरावट का संकेत देता है।

वहीं, सामान्य मानसून की उम्मीद को देखते हुए मुद्रास्फीति लक्ष्य की ओर अंतिम कदम अभी भी

कठिन बना हुआ है लेकिन निवेशकों को उम्मीद है कि रिजर्व बैंक ब्याज दरों को आसान बनाने के करीब है। पिछले सप्ताह आईटी क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन के बाद दिग्गज शेयरों और एफएमसीजी में बिकवाली का दबाव रहा। हालांकि इस सप्ताह अन्य सभी क्षेत्रों ने सकारात्मक प्रदर्शन बनाए रखा, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी व्यय घोषणाओं के आधार पर रियल एस्टेट ने बेहतर प्रदर्शन किया।

वित्तीय निवेश सलाह देने वाली कंपनी जीओजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बताया कि अगले सप्ताह में भारत और चीन से औद्योगिक उत्पादन तथा यूरोजोन की महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले है। अगले सप्ताह इन आंकड़ों पर बाजार की नजर रहेगी।

बीते सप्ताह घरेलू बाजार में दो तीन बढ़त जबकि दो दिन गिरावट रही। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आईटी और टेक समेत छह समूहों में हुई बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 203.28 अंक की गिरावट के साथ 76,490.08 अंक और निफ्टी 30.95 अंक फिसलकर 23,259.20 अंक पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर रिलायंस, एक्सिस बैंक, आईसीआईआई बैंक और इंफ़ोसिस समेत चौदह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से मंगलवार को सेंसेक्स 33.49 अंक फिसलकर 76,456.59 अंक रह गया। वहीं, निफ्टी 5.65 अंक मामूली बढ़त के साथ 23,264.85 अंक पर रहा।

अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आने से पहले विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, इंडस्ट्रियल्स, यूटिलिटीज, कैपिटल गुड्स और पावर समेत अठारह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 149.98 अंक उछलकर 76,606.57 अंक और निफ्टी 58.10 अंक चढ़कर 23,322.95 अंक पर बंद हुआ।

विश्व बाजार के नकारात्मक रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रियल्टी, इंडस्ट्रियल्स और आईटी समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत गुरुवार को सेंसेक्स 204.33 अंक उछलकर एक बार फिर 76,810.90 अंक और निफ्टी 75.95 अंक चढ़कर 23,398.90 अंक पर पहुंच गया।

विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर इंडस्ट्रियल्स, दूरसंचार, ऑटो, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत अठारह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को सेंसेक्स 181.87 अंक उछलकर 76,992.77 अंक और निफ्टी 66.70 अंक चढ़कर 23,465.60 अंक पर बंद हुआ।

म्यूचुअल फंड उद्योग ने चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-मई में 81 लाख नए निवेशक खाते जोड़े

एजेंसी
नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग ने चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2024-25) के पहले दो महीनों (अप्रैल-मई) में 81 लाख से अधिक निवेशक खाते जोड़े हैं। इसका मुख्य कारण लगातार विपणन प्रयास, सेलिब्रिटी से प्रचार और वितरण नेटवर्क का समर्पित कार्य है। स्टॉक ट्रेडिंग मंच ट्रेडजिनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) त्रिवेश डी ने कहा कि इसके अलावा सावधि जमाओं (एफडी) के बारे में बदलती धारणाएं तथा आय के स्तर में वृद्धि और वित्तीय बाजारों तक पहुंच ने भी नए निवेशकों की संख्या में वृद्धि में योगदान दिया है। सावधि जमा योजनाएं अब म्यूचुअल फंड की तुलना में प्रतिस्पर्धी प्रतिफल नहीं देती हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही म्यूचुअल फंड के लिए संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं, जिसे शेयर बाजार में चल रही तेजी, ठोस जोखिम प्रबंधन प्रथाओं, निरंतर

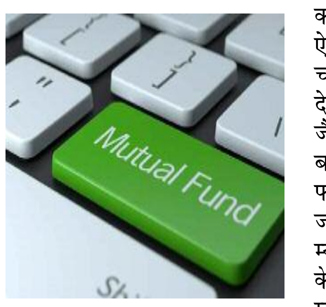

निवेशक शिक्षा और लगातार विपणन प्रयासों से समर्थन मिल रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा, उद्योग में अच्छी वृद्धि जारी रहेगी क्योंकि बचतकर्ता अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए धन सृजन हेतु वैकल्पिक रास्ते तलाश रहे हैं।

पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड के सीबीओ अभिषेक तिवारी ने पीटीआई-से कहा, ''जैसे-जैसे भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, निवेशक ऐसे परिसंपत्ति वर्गों में पैसा बचाना चाहेंगे, जिनमें मुद्रास्फीति को मात देने और संपत्ति बनाने की क्षमता है। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ेगी, यह उद्योग स्तर पर उच्च फोलियो आधार में तब्दील हो जाएगा।'' एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, उद्योग के म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या मई के अंत में 18.6 करोड़ थी, जो मार्च के अंत में दर्ज 17.78 करोड़ से 4.6 प्रतिशत या 81 लाख अधिक है। फोलियो व्यक्तिगत निवेशक खातों को दी जाने वाली संख्या होती है। एक निवेशक के कई फोलियो हो सकते हैं।

एसबीआई अपनी अनुषंगी कंपनियों का कारोबार बढ़ाने के बाद उनका मौद्रीकरण करेगा: खारा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा है कि बैंक एसबीआई जनरल इंश्योरेंस और एसबीआई पेमेंट जैसी अनुषंगी कंपनियों का मौद्रीकरण करने से पहले उनके कारोबार को और बढ़ाएगा। इन अनुषंगी कंपनियों का परिचालन बढ़ने से मूल्यांकन बढ़ेगा और एसबीआई को बेहतर प्रतिफल मिल सकेगा। उन्होंने पीटीआई-को एक साक्षात्कार में बताया कि जहां तक अनुषंगी कंपनियों की बात है, तो उनका मौद्रीकरण पूंजी बाजार के जरिये होगा।

उन्होंने कहा, ''इस रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए पात्र अनुषंगी कंपनियों में निश्चित रूप से एसबीआई जनरल है और कुछ हद तक एसबीआई पेमेंट सर्विसेज भी हो सकती हैं। लेकिन, फिलहाल हमारे पास ऐसी कोई योजना नहीं है।'' खारा ने कहा, ''शायद, हम उन्हें थोड़ा और बढ़ाना चाहेंगे। उसके बाद

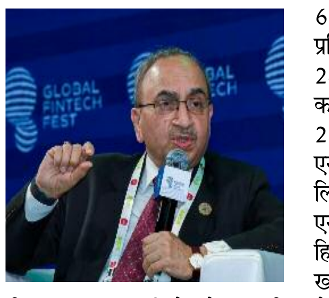

ही हम इन कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी का मौद्रीकरण करने के लिए पूंजी बाजार में जाने की सोचेंगे। लेकिन, चालू वित्त वर्ष में ऐसा नहीं होगा।'' बैंक ने एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 489.67 करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूंजी डाली थी। कंपनी ने कर्मचारियों को ईएसओपी भी आवंटित किया है, जिसके चलते बैंक की हिस्सेदारी 69.95 प्रतिशत से घटकर 69.11 प्रतिशत हो गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का शुद्ध लाभ 30.4 प्रतिशत बढ़कर 240 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में 74 प्रतिशत हिस्सेदारी एसबीआई के पास है। बाकी हिस्सा हिताची पेमेंट सर्विसेज के पास है। खारा ने यह भी कहा कि कॉरपोरेट क्षेत्र से ऋण की मांग बढ़ रही है और 5,000 अरब रुपये के ऋण मंजूरी के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के विपरीत, कॉरपोरेट ने अब कार्यशील पूंजी जरूरतों और क्षमता विस्तार के लिए ऋण की तलाश शुरू कर दी है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने चार सौर परियोजनाओं के लिए 4,780 हेक्टेयर भूमि आवंटन को दी मंजूरी

एजेंसी
जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चार सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए 4,780 हेक्टेयर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भर बनाना है। प्रस्ताव के अनुसार, राजस्थान सोलर पार्क डेवलपमेंट कंपनी को बीकानेर जिले में 2,450 मेगावाट के तीन सौर पार्क स्थापित करने के लिए 4,780 हेक्टेयर भूमि तथा एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को फलौदी जिले में 500 मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित करने के लिए लगभग 910 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है।

बयान के अनुसार, बीकानेर जिले में 1000-1000 मेगावाट के दो तथा 450 मेगावाट का एक सौर पार्क स्थापित किया जाएगा। पहले सौर पार्क के लिए पूगल तहसील के सुरसर गांव में करीब 1881 हेक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति दी गई है। इसमें कहा गया कि इसी तरह 2,000 हैक्टेयर जमीन 1,000 मेगावाट के दूसरे सौर पार्क के लिए आवंटित की जाएगी, जिसमें से 1,194 हेक्टेयर जमीन सुरसर में और लगभग 807 हेक्टेयर जमीन भानावतावाला में है। बयान के अनुसार, बीकानेर में 450 मेगावाट का तीसरा सौर पार्क स्थापित करने के लिए सरदारपुरा गांव में 900 हेक्टेयर भूमि आवंटित करने को मंजूरी दे दी गई है। इन सौर पार्कों को केंद्र सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की सोलर पार्क योजना के तहत राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा तीन चरणों में विकसित किया जाएगा।

विनिर्माण इकाइयों में जरूरी चीनी तकनीशियनों को वीजा देने के लिए एसओपी अंतिम चरण में: अधिकारी

एजेंसी
नई दिल्ली। विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए जिन चीनी पेशेवरों की जरूरत है, उनके लिए वीजा मंजूरी को सुव्यवस्थित बनाने की एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अंतिम चरण में है। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इसी तरह की सुविधा दी गई थी। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ घरेलू विनिर्माण कंपनियों ने चीनी तकनीशियनों के लिए वीजा मिलने में देरी का मुद्दा उठाया था। इन तकनीशियनों की भारत में श्रमिकों को प्रशिक्षण देने के अलावा कुछ मशीनों की स्थापना या मरम्मत जैसे कार्यों के लिए जरूरत होती है। अधिकारी ने कहा, ''अधिकांश पीएलआई वीजा का ध्यान रखा गया है। सामान्य विनिर्माण गतिविधियों के लिए भी हम एक बेहतर सुव्यवस्थित एसओपी बनाने की कोशिश कर रहे हैं... जो गृह मंत्रालय के पास है। यह अंतिम चरण में है।'' अधिकारी ने कहा कि एसओपी को लागू करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल से किसी मंजूरी की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह ऐसे चीनी पेशेवरों या तकनीशियनों के वीजा आवेदनों को सुविधाजनक बनाने की एक आंतरिक प्रक्रिया है, जिनकी विशेषज्ञता की घरेलू विनिर्माण इकाइयों को जरूरत है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर, इन विशेषज्ञों को तीन से छह महीने के लिए वीजा की आवश्यकता होती है। इस कदम की सराहना करते हुए एक उद्योग अधिकारी ने कहा कि एसओपी से बहुत मदद मिलेगी, क्योंकि इन विनिर्माण इकाइयों को चीनी पेशेवरों से कुछ विशेषज्ञता की जरूरत होती है। प्रमुख फुटवियर निर्माता और चेन्नई स्थित फरीदा समूह के चेयरमैन रफीक अहमद ने कहा, ''एसओपी एक बहुत अच्छा निर्णय होगा। चीनी तकनीशियन वियतनाम और कंबोडिया जैसे देशों में फुटवियर क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

अडाणी सिर्फ डेवलपर, धारावी की जमीन महाराष्ट्र सरकार के विभागों को हस्तांतरित होगी : सूत्र

एजेंसी
मुंबई। करोड़ों रुपये की धारावी झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास परियोजना में अडाणी समूह को भूमि का हस्तांतरण शामिल नहीं है। सूत्रों ने इस बारे में स्थिति साफ करते हुए कहा है कि परियोजना में भूमि का हस्तांतरण महाराष्ट्र सरकार के विभागों को किया जाना है और अहमदाबाद का समूह सिर्फ एक परियोजना डेवलपर के रूप में मकान बनाएगा जो उन्हीं विभागों को सौंपे जाएंगे। बाद में इन घरों का आवंटन एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी के निवासियों को किया जाएगा। सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस मामले में भूमि हड़पने का आरोप लगाया है। इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जमीन के टुकड़े सिर्फ राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास परियोजना/स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (डीआरपी/एसआरए) को हस्तांतरित किए जाने हैं।

अडाणी समूह ने खुली अंतरराष्ट्रीय बोली में धारावी स्लम पुनर्विकास परियोजना हासिल की थी। समूह अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्राइवेट लि. (डीआरपीपीएल) के माध्यम से आवास और वाणिज्यिक स्थान बनाएगा और उन्हें फिर से डीआरपी/एसआरए को सौंप देगा। परियोजना पर गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश करते हुए सूत्रों ने कहा कि निविदा के अनुसार, भूमि सरकार द्वारा तय दरों पर डीआरपी/एसआरए को आवंटित की जाएगी। इस मामले में जहां डीआरपीपीएल को विकास अधिकार मिला हैं, राज्य समर्थन समझौता, निविदा दस्तावेज का हिस्सा है। यह स्पष्ट रूप से कहता है कि राज्य

सरकार अपने स्वयं के डीआरपी/एसआरए विभाग को भूमि देकर परियोजना का समर्थन करेगी।

रेलवे भूमि के आवंटन के मुद्दे पर, जहां धारावी के निवासियों के पहले सेट की पुनर्वास इकाइयां बनाई जानी हैं, सूत्रों ने कहा कि इसे निविदा से पहले ही डीआरपी को आवंटित किया गया था, जिसके लिए डीआरपीपीएल ने प्रचलित दरों पर 170 प्रतिशत के भारी प्रीमियम का भुगतान किया है। इन आरोपों को कि धारावीवासियों को धारावी से बाहर निकाल दिया जाएगा और बेघर कर दिया जाएगा, को पूरी तरह से काल्पनिक और जनता के बीच चिंता पैदा करने के लिए एक कल्पना करार देते हुए सूत्रों ने कहा कि सरकार के 2022 के आदेश में यह शर्त रखी गई है कि धारावी के प्रत्येक निवासी (पात्र या अपात्र) को एक घर दिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि डीआरपी/एसआरए योजना के तहत किसी भी धारावीवासी को विस्थापित नहीं किया जाएगा। एक जनवरी, 2000 को या उससे पहले मौजूद मकानों के धारक यथास्थान पुनर्वास के पात्र होंगे। एक जनवरी, 2000 से एक जनवरी, 2011 के बीच मौजूद लोगों को धारावी के बाहर मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कहीं भी पीएमएवाई के तहत सिर्फ 2.5 लाख रुपये में या किराये के माध्यम से घर आवंटित किए जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि धारावी पुनर्विकास निविदा बेहद प्रगतिशील है। यह पूरी तरह से स्थानीय लोगों के अनुकूल है और इसमें मुफ्त और बेहद रियायती आवास, स्टाम्प शुल्क और संपत्ति कर की छूट, 10 वर्ष का निःशुल्क रखरखाव और आवासीय परिसर में 10 प्रतिशत वाणिज्यिक क्षेत्र शामिल है। निविदा में काम पूरा करने के लिए सख्त समयसीमा तय की गई है और किसी भी उल्लंघन पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

कुर्ला मदर डेयरी की जमीन के आवंटन के आरोप पर सूत्रों ने कहा कि यह जमीन डीआरपी को दी जा रही है, न कि अडाणी या डीआरपीपीएल को। महाराष्ट्र भूमि राजस्व (सरकारी भूमि का निपटान) नियम, 1971 के तहत पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया है। सूत्रों ने कहा कि चुनावी लाभ के लिए परियोजना को लेकर एक फर्जी कहानी फैलाई जा रही है, जो अगर सफल हो जाती है, तो धारावी के लोगों को खराब परिस्थितियों में रहना पड़ेगा और बुनियादी सुविधाओं तक उनकी पहुंच कम होगी।

धारावी पुनर्विकास परियोजना अपनी तरह की पहली पहल है, जो इलाके को विश्वस्तरीय शहर में बदलने की कोशिश करती है। सूत्रों ने कहा कि परियोजना मानव केंद्रित नजरिये से धारावी के 10 लाख से अधिक निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यहां टिकाऊ परिवहन प्रणालियों और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ ही युवाओं के कौशल विकास पर भी खास जोर दिया जा रहा है।

मीठी रसीली Litchi है आपकी त्वचा के लिए वरदान, फायदे जान आप भी रह जाएंगे हैरान

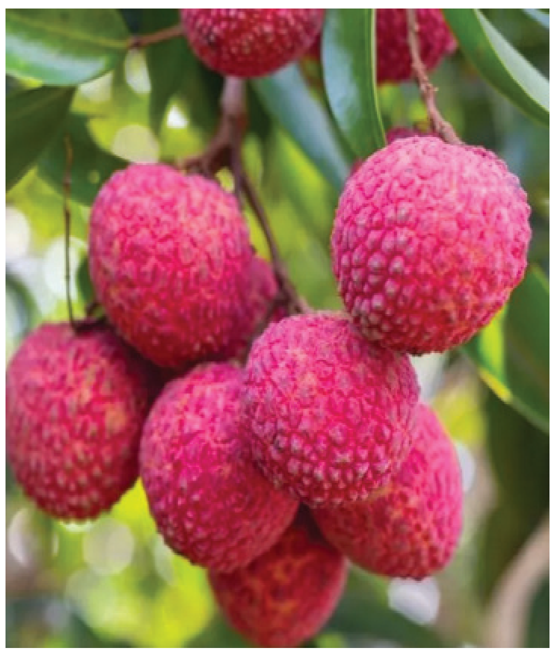

गर्मियों में आने वाले फलों में लीची भी शामिल है जिसे खाना लोग खूब पसंद करते हैं। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इससे आपकी त्वचा से जुड़ी कई परेशानियों से भी बचाव मिलता है। जी हां लीची खाना आपकी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। आइए जानें लीची खाने से आपकी त्वचा को क्या-क्या फायदे (Litchi Benefits for Skin) मिल सकते हैं।

चीनी चेरी के नाम से मशहूर लीची गर्मियों में मिलने वाला काफी हेल्दी फ्रूट है। लीची (ltchi Benefits) सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके सेवन से स्किन की से जुड़ी समस्याएं दूर करने में खासतौर से मदद मिल सकती है। इसके नियमित सेवन से स्किन हेल्थ को बढ़ावा मिलता है। लीची जूस में विटामिन,फाइटोन्यूट्रिएंट्स, एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण पाए जाते हैं। ये स्किन हेल्थ के लिए कई तरह से लाभदायक होते हैं। ये स्किन को हाइड्रेटेड रखने के साथ-साथ ग्लोइंग बनाए रखने में भी सहायक होती है। तो आइए जानते हैं रस से भरी लीची से स्किन को मिलने वाले फायदों के बारे में।

त्वचा को हाइड्रेटेड बनाए रखता है

अनेक तरह के पोषक तत्वों से भरपूर लीची जूस का सेवन करने से त्वचा अंदर से हाइड्रेटेड बनी रहती है, जिससे गर्मी की वजह से होने वाली स्किन ड्राईनेस, रेडनेस, खुजली आदि समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

कील मुहांसे दूर करता है

एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनॉयड्स से भरपूर लीची जूस त्वचा की कमियों को दूर करता हैं। ये त्वचा पर जमा होने वाले एक्स्ट्रा ऑयल को कम कर, स्किन पोर्स साफ रखता है। जिससे त्वचा में होने वाली कील-मुहांसे वाली समस्याओं से मुक्ति मिलेगी और स्किन ग्लोइंग के साथ-साथ तरोताजा भी बनी रहती है।

स्किन हेल्थ बेहतर होती है

विटामिन सी से भरपूर लीची जूस, त्वचा में नमी को बढ़ावा देता है, जो कि स्किन को चिकनी बनावट और एक समान टोन प्रदान करता है। यह समय से पहले दिखने वाले उम्र के लक्षणों जैसे कि महीन रेखाओं, झुर्रियों और सुस्ती की समस्या से छुटकारा दिलाता है।

सूर्य के हानिकारक यूवीए किरणों से बचाए

लीची जूस में पाया जाने वाला विटामिन ई और ओलिगोनल्स स्किन को सूर्य के हानिकारक यूवीए किरणों के डैमेज से बचाता है।

सूजन को कम करता है

पॉलीफेनोल्स से भरपूर लीची जूस में सूजन को कम करने वाला गुण पाया जाता है, जो कि स्किन में सूजन से संबंधित रोग, चकत्ते, खुजली आदि को कम करता है।

संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

विटामिन बी, पोटैशियम और कॉपर जैसे कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर लीची जूस से चयापचय में सुधार, इम्यून सिस्टम को मजबूती और हार्ट हेल्थ को बढ़ावा मिलता है। इतना ही नहीं, लीची जूस ऑक्सीडेटिव तनाव को भी दूर करता है, जिससे त्वचा और बालों सहित समग्र स्वास्थ्य को भी बढ़ावा मिलता है।

संविधान बदलने का मुद्दा भाजपा पर पड़ा भारी

संविधान बचाने का मुद्दा इतना असरदार था कि दलित समाज की दो बड़ी जातियां-कोरी और धोबी को इंडिया गठबंधन द्वारा एक भी टिकट नहीं दिए जाने के बावजूद बड़े पैमाने पर इन जातियों ने सपा और कांग्रेस को वोट दिया। यही कारण है कि यूपी में 75 सीटें जीतने का सपना देखने वाली भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। 70 फ़ीसदी से अधिक दलित वोट भाजपा के विरोध में गया।

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई। हालांकि एनडीए को मिली 293 सीटों पर जीत के साथ नरेंद्र मोदी सरकार बनाने में कामयाब रहे। ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मोदी के अहंकार की हार है। इससे मोदी का गुरुर टूटा है। लेकिन भारत जैसे सामंती समाज में क्या अहंकार को इतना निकृष्ट माना जा सकता है? भाजपा के पास पूंजी, प्रबंध और प्रचार तंत्र की व्यापक मौजूदगी के बावजूद नरेन्द्र मोदी की हार का असली कारण क्या है? यह भी सच है कि राम मंदिर राजनीतिक मुद्दा नहीं बनने के बावजूद जनवरी-फरवरी में विपक्ष बहुत उत्साहित नहीं था। विपक्ष ना तो एकजुट था और ना ही उसके पास संसाधन थे।कांग्रेस का बैंक खाता सील कर दिया गया था। चुनाव के पहले से लेकर चुनाव के दरमियान भी विपक्षी नेताओं पर ईडी और इनकम टैक्स की छापेमारी होती रही। अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन जैसे दो मुख्यमंत्री जेल भेज दिए गए। सैकड़ों विपक्षी नेताओं को ईडी के डर और प्रलोभन के जरिए भाजपा में शामिल कराया जाता रहा। यानि विपक्ष को निहत्था बनाकर नरेंद्र मोदी 400 सीटें जीतने के इरादे से चुनावी मैदान में दाखिल हुए। इसी उत्साह या अहंकार में नरेंद्र मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया। 400 सीटें क्यों जीतना है? इस पर भाजपा के अनेक नेताओं और प्रत्याशियों ने बेबाक बयान दिए। उनका कहना था कि संविधान बदलने के लिए इतना बड़ा बहुमत चाहिए। संविधान बदलने का मतलब है कि हिंदू राष्ट्र बनाना और मनुस्मृति के आधार पर नया संविधान लिखा जाना।

भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण यही नारा बना। संविधान बदलने की बात पर सबसे ज्यादा प्रतिक्रिया दलित समाज में हुई। इसका असर आदिवासी और पिछड़े समाज में भी हुआ। लेकिन दलितों के लिए यह सिर्फ अधिकारों का नहीं बल्कि भावुकता का भी मुद्दा बना। उनके लिए संविधान सिर्फ एक कानून की किताब नहीं, केवल अधिकारों की गारंटी नहीं बल्कि बाबा साहब अंबेडकर के शब्दों और सपनों का संग्रह भी है। यह भी गौरतलब है कि पिछले एक दशक से जिन राज्यों में दलित समाज के बीच बहुजन नायकों की जयंतियां मनाई जा रही हैं, संविधान की प्रस्तावना दोहराई जा रही है, वहां इस बार भाजपा को शिकस्त झेलनी पड़ी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश है। देश के सबसे बड़े सूबे की 80 लोकसभा सीटों में 17 सीटें अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित हैं। यूपी में दलित आबादी 21.5 फीसदी है। इसमें आधी आबादी करीब 11 फीसदी केवल जाटव समाज है।जाटव समाज बीएसपी का मूल समर्थक रहा है। लेकिन इस चुनाव में मायावती एक भी सीट नहीं जीत सकीं। उनका वोट प्रतिशत भी 1995 की स्थिति में पहुंच गया। इस बार बसपा को केवल 9.43 फीसदी वोट मिले। बसपा किसी सीट पर दूसरे स्थान पर भी नहीं आ सकी। इसका बड़ा कारण मायावती द्वारा भतीजे आकाश आनंद को बीच चुनाव में नेशनल कोऑर्डिनेटर और उत्तराधिकारी पदों से हटाया जाना रहा। जाटव समाज का पढ़ा-लिखा और जागरूक तबका संविधान बदलने की मुनादी करने वाली भाजपा को हराने के लिए बसपा को छोड़कर इंडिया एलाइंस की ओर चला गया। हालांकि इसकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है।लेकिन इस बार बड़ा प्रभाव गैर जाटव वोट में दिखाई दिया। यह समाज भाजपा से निकलकर बड़े पैमाने पर इंडिया गठबंधन के साथ गया। इसकी मूल वजह संविधान बदलने का नारा बना। गैर-जाटव जातियों में कोरी, पासी और धोबी; ये तीन जातियां विशेष रूप से इंडिया गठबंधन के साथ आई। इसके अतिरिक्त वाल्मीकि, सोनकर, धानुक, मुसहर और खरवार आदि जातियों का एक हिस्सा भाजपा से निकलकर इंडिया गठबंधन के साथ गया। यही कारण है कि 2019 में सुरक्षित 17 सीटों में से 14 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार बड़ा झटका लगा। इस चुनाव में विपक्ष को 9 सुरक्षित सीटों पर जीत मिली है। इनमें 7 पर सपा, 1 पर कांग्रेस और नगीना सीट पर आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद चुनाव जीते। जाहिर तौर पर सामान्य सीटों पर भी दलित वोट के निकलने से भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ।संविधान बचाने के इस चुनाव को सबसे ज्यादा राहुल गांधी ने प्रभावित किया। 1989 से कांग्रेस पार्टी यूपी की सत्ता से बाहर है। 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ी सफलता मिली थी। इस चुनाव में कांग्रेस ने यूपी में 18.2 फ़ीसदी वोट हासिल करके 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि 2014 में वह केवल अमेठी और रायबरेली सीट पर ही जीत सकी। 2019 में राहुल गांधी भी अमेठी हार गए। केवल सोनिया गांधी ही अपनी सीट बचा सकीं। लेकिन 2024 के चुनाव में राहुल गांधी ने अपने हाथ में संविधान लेकर जब कहा कि नरेंद्र मोदी और भाजपा बाबा साहब का संविधान बदलना चाहते हैं तो दलित समाज उनके साथ खड़ा हो गया। सामाजिक न्याय, आरक्षण बढ़ाने और जातिगत जनगणना के मुद्दों ने राहुल गांधी को विशेषकर अति पिछड़ों में लोकप्रिय बनाया। मुस्लिम समाज तो भारत जोड़ो यात्रा से ही कांग्रेस की ओर मुड़ने लगा था। इन तमाम मुद्दों ने राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय बना दिया। चुनाव बाद हुए सर्वेक्षण में यूपी के 36 फ़ीसदी लोगों ने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की बात कही जबकि केवल 32 फ़ीसदी लोग ही नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री देखना चाहते थे। रोजगार के सवाल से लेकर सामाजिक सुरक्षा और संविधान बचाने की इस लड़ाई में राहुल गांधी सबसे विश्वसनीय चेहरा बनकर उभरे। दलित, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यकों में आज राहुल गांधी सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं।राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी को यूपी की जनता ने बहुत पसंद किया। यही कारण है कि जहां कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं, वहीं सपा ने 37 सीटों पर जीत हासिल की। 2004 में मुलायम सिंह यादव ने 36 सीटों पर जीत हासिल की थी। अखिलेश यादव ने इस बार अपने पिता का रिकॉर्ड तोड़ा। सपा के प्रति दलितों की नाराजगी इस बार नहीं दिखाई दी। इसके दो कारण हैं। अखिलेश यादव ने पहली बार चुनाव में बाबा साहब अंबेडकर का नाम लिया और संविधान बचाने के मुद्दे को उठाया। इसके अतिरिक्त उन्होंने जाटव और पासी समाज को अपेक्षा से अधिक प्रतिनिधित्व दिया। मेरठ और अयोध्या सामान्य सीटों पर उन्होंने दलित प्रत्याशी मैदान में उतारे।

अयोध्या से अवधेश प्रसाद पासी ने पड़े बहुमत से जीत हासिल की। इस बार अयोध्या में नया नारा दिया गया- %ना मथुरा ना काशी, अयोध्या में अवधेश पासी !संविधान बचाने का मुद्दा इतना असरदार था कि दलित समाज की दो बड़ी जातियां-कोरी और धोबी को इंडिया गठबंधन द्वारा एक भी टिकट नहीं दिए जाने के बावजूद बड़े पैमाने पर इन जातियों ने सपा और कांग्रेस को वोट दिया। यही कारण है कि यूपी में 75 सीटें जीतने का सपना देखने वाली भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। 70 फ़ीसदी से अधिक दलित वोट भाजपा के विरोध में गया। यह भी गौरतलब है कि दलित उत्पीड़न के मुद्दों पर बहुत मुखर रहे चंद्रशेखर आजाद को नगीना सीट पर जीत मिली। एक तरफ मायावती की राजनीति का अवसान दिख रहा है तो चंद्रशेखर आजाद की जीत को दलित राजनीति के नए विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। मायावती का जाटव वोट आने वाले समय में जाटव समाज से आने वाले चंद्रशेखर आजाद के साथ शिफ्ट हो सकता है। जबकि गैर जाटव दलित वोट अपने लिए बेहतर विकल्प की तलाश में है। पिछले सालों में गैर जाटव दलित वोट बसपा को छोड़कर भाजपा की ओर चला गया था। यह पहला चुनाव है जब गैर जाटव वोट कांग्रेस और राहुल गांधी से प्रभावित नजर आ रहा है। अगर कांग्रेस ने गैर जाटव जातियों को उत्तर प्रदेश में सम्मान और उचित प्रतिनिधित्व दिया तो कांग्रेस का यह आधार वोट बन सकता है

संपादकीय

बराबरी का प्रश्न

निस्संदेह, दुनिया भर में लैंगिक समानता और महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक दिये जाने के लिये विभिन्न मंचों से लगातार आवाज उठती रही है। वहीं दुनिया के कई संगठन चुनिंदा आंकड़ों के जरिये पूरी दुनिया में लैंगिक स्थिति मापने का दावा भी करते रहे हैं। यह भी तथ्य है कि सदियों तक औपनिवेशिक शासन के अधीन रहने वाले विकासशील देश विकसित देशों की महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति का मुकाबला नहीं कर सकते। फिर दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले एक देश की तुलना छोटे देश आइसलैंड से कदापि नहीं की जा सकती। इसके बावजूद विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़े नीति-नियंताओं को आत्ममंथन का मौका जरूर देते हैं। समाज के लिये भी यह विचारणीय प्रश्न है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है। निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर संकट वास्तविक है। जो हमारी विकास योजनाओं और नीतियों के व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता बता रही है।

हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है। हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। हालांकि, किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। लेकिन विश्व आर्थिक मंच के आंकड़े हमें आत्ममंथन का अवसर जरूर उपलब्ध कराते हैं। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं। हमें यह सोचना होगा कि पिछले बार जहां हम विश्व आर्थिक मंच की सूची में 127वें स्थान पर थे, तो इस बार दो स्थान फिसलकर 129वें स्थान पर कैसे पहुंच गए। वहीं महिला/पुरुष राष्ट्राध्यक्षों की समानता के मामले में हम आज दसवें स्थान पर हैं। ऐसा नहीं है कि समाज की पुरुषवादी सोच में बदलाव नहीं आया। लेकिन बदलाव की गति धीमी है। निस्संदेह, आजादी के मुकाबले स्थितियां बहुत बदली हैं, लेकिन ये प्रगति संतोषजनक नहीं है। दरअसल, समाज में पुरुष वर्चस्व की मानसिकता को बदलने की जरूरत है।

G-7 देशों को साधकर चीनी चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है भारत

दुनिया की सात सबसे बड़ी और विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में चीन के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के संकल्प प्रस्ताव को जो मंजूरी दी गई है, उसके वैश्विक मायने स्पष्ट हैं। इन संकल्पों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। हालांकि रूस, चीन और अरब देशों के ईरान-तुर्किये समर्थित एक धड़े की तिकड़ी के सामने वो कितने टिकेंगे, यह तेजी से बदलता हुआ वक्त बताएगा। खासकर भारत और उसके पीछे लामबंद तीसरी दुनिया के देश यदि तटस्थ हो गए, तब क्या होगा, यह समझना भी जरूरी है। वैसे तो जी-7 शिखर सम्मेलन में इस प्रस्ताव पर भी सहमति जताई गई कि उन चीनी कम्पनियों के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद की है। खास तौर पर चीन के उन वित्तीय संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए हथियार हासिल करने में मदद की है। सम्भवतया भारत भी उनमें से एक हो सकता है, क्योंकि उसका रूसी प्रेम जगजाहिर है।वहीं, शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन जी-7 में शामिल मेजबान इटली के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और कनाडा ने चीन के खिलाफ जिन दो संकल्पों को मंजूरी दी, वो भी निकट भविष्य में अपना असर जरूर दिखाएंगे। क्योंकि इनमें उन संस्थाओं के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का वादा किया गया है, जिन्होंने धोखाधड़ी से तेल की ढुलाई करके रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद की है। स्वाभाविक है कि भारत भी उनमें से एक हो सकता है, क्योंकि उसने रूस से बड़े पैमाने पर सस्ते कच्चे तेल की खरीददारी की और उसे यूरोपीय बाजारों तक पहुंचाकर भारी मुनाफा कमाया।

वहीं, जी-7 के नेताओं ने एक साझा वक्तव्य में कहा कि वे यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद करने वाली तीसरे देशों की संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच से प्रतिबंधित करेंगे। इसमें भी शक की सुई भारत और उसके समर्थक तीसरी दुनिया के देशों की ओर घूम सकती है। लेकिन भारत पर निशाना साधने से पश्चिमी देशों का खेल गड़बड़ा सकता है, इसलिए उन्होंने रणनीतिक रूप से चीन पर निशाना साधा है, जो रूस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद वैश्विक रणनीतिक पार्टनर बन चुका है।

यही वजह है कि जी-7 देशों ने चीन के अनुचित व्यापारिक व्यवहार के खिलाफ भी कार्रवाई का संकल्प लिया है। खासतौर पर चीन के साथ व्यापार घाटे को कम करने पर जोर देने की बात कही है। इसके अलावा, चीन को निर्यात नियंत्रण के जरिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करने

इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में काम आने वाले अहम खनिजों पर एकतरफा निर्यात प्रतिबंधों को अनुचित करार दिया।

वहीं, जी-7 ने चीन की कुटिल चालों से अपने व्यवसायों की रक्षा करने और चीन के साथ व्यापार में संतुलन लाने के लिए कार्रवाई करने की बात की है। इसके अलावा, अपने मसौदा बयान में कहा है कि हम दक्षिण चीन सागर में चीन के सैन्य बल और समुद्री मिलिशिया के खतरनाक इस्तेमाल और देशों की गहरे समुद्रों में नौवहन की स्वतंत्रता में बार-बार बाधा डालने, बलपूर्वक एवं धमकाने वाली गतिविधियों का विरोध करना जारी रखेंगे। इसके अलावा, जी-7 देश तबतक यूक्रेन के पीछे खड़े रहेंगे जबतक जरूरत होगी। यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए समूह पूरी मदद देता रहेगा।अब गौर करने वाली बात यह है कि जी-7 देश जहां रूस समर्थक चीन को ललकार रहे हैं, वहीं रूस के भरोसेमंद मित्र भारत को पुचकार रहे हैं। तभी तो दुनिया के सबसे शक्तिशाली सात देशों के संगठन जी-7 का सदस्य न होने के बावजूद इसकी शिखर बैठकों में पिछले कई सालों से भारत को महत्व दिया जा रहा है, जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में भारत की बढ़ती धमक को ही दर्शाता है।

गोया, इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा के तौर पर जी-7 देशों के सम्मेलन में शिरकत करने के लिए इटली पहुंचे हैं, जिसके अपने खास मायने हैं, जो स्पष्ट हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब यूक्रेन युद्ध अपने तीसरे वर्ष में पहुंच गया है, इजरायल-हमास युद्ध भी खत्म होता नहीं दिख रहा है और यूरोपीय देशों के चुनावों में राजनीति का चेहरा बदलता दिख रहा है, दुनिया की सर्वाधिक उन्नत अर्थव्यवस्थाएं मिलकर आगे की रणनीतियों पर विचार कर रही हैं, तब अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया-प्रशांत के बारह विकासशील देशों को भी इस चर्चा में शामिल करने का अर्थ स्पष्ट है कि उनका कोई भी सार्थक मकसद इनके सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता है।

ऐसा इसलिए कि भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे देश जी-7 के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये तीनों ही देश जी-7 के प्रबल प्रतिद्वंद्वी रूस और चीन के साथ ब्रिक्स समूह का भी हिस्सा हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र जिस तेजी से अपनी प्रासंगिकता खो रहा है, और चतुरसुजान देशों द्वारा उसे खोने दिया जा रहा है, उसे देखते हुए वैश्विक व्यवस्था में जी-7 जैसे क्षेत्रीय संगठनों का महत्व बढ़ा है।

हालांकि, यह भी एक तल्ख सच्चाई है कि जी-7 भी अब उतना मजबूत नहीं दिखता है, जितना पहले दिखता था। क्योंकि 1980 के दशक में जी-7 देशों का जीडीपी वैश्विक जीडीपी का करीब 60 फीसदी था, जो अब घटकर 40 फीसदी रह गया है। वहीं, पिछले एक दशक में भारत को देखने का दुनिया का नजरिया बदला है, तो जिसकी साफ वजहें भी हैं। ऐसे समय में जब ज्यादा देशों की अर्थव्यवस्थाएं स्थिर बनी हुई हैं, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष व विश्व बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक मान रही हैं। इसके अतिरिक्त, भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ब्रिटेन के बराबर है,

तो फ्रांस, इटली और कनाडा जैसे देशों से कहीं ज्यादा है। लेकिन भारत को मिलने वाले महत्व की एक बड़ी वजह यह भी है कि भारत जहां दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, तो जी-7 भी लोकतांत्रिक देशों का समूह है। लिहाजा, यह भारत की कूटनीतिक कामयाबी ही है कि आज अमेरिका, रूस और यूक्रेन, तीनों भारत से नजदीकी सम्बंध चाहते हैं। वैश्विक आयोजनों में भारत की बढ़ती भागीदारी, वैश्विक चुनौतियों को हल करने में भारत के महती प्रयासों की बढ़ती मान्यता को ही दर्शाती है। इसलिए भारत को अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों पर चलते हुए वैश्विक संघर्ष को संतुलित करने की दिशा में अपना अहम योगदान देना चाहिए। चीनी कुटिल चालों का यही सुलझा हुआ जवाब भी होगा।

कई प्रकार से अटैक करता है माइग्रेन

चारू (बदला हुआ नाम) को अक्सर सुबह उठते ही सिरदर्द होने लगता था। सिरदर्द की उत्तेजना इतनी अधिक होती थी कि उसे किसी तरह से आराम नहीं मिलता था। कभी-कभी तो वह अपना सिर दीवार में मारने लगती थी। तो, हारकर उसने डाक्टर को दिखाया तब पता चला कि वह सिरदर्द की ऐसी समस्या से ग्रस्त है जो कि जीवन भर उसका साथ नहीं छोड़ेगी। असल में, वह माइग्रेन की चपेट में आ चुकी थी। दर्द हमारे जीवन का एक अभिन्न भाग है। हर कोई कभी न कभी, कहीं न कहीं तो किसी न किसी प्रकार के दर्द से अवश्य ही जूझता है। कमर दर्द, दांत दर्द, पैर दर्द, गर्दन दर्द तो ऐसे आम दर्द हैं, जिनकी शिकायत रोजाना सुनने को मिल सकती है। ऐसा ही एक आम तौर पर उभरने वाला दर्द है-सिरदर्द। हम अक्सर ही सिरदर्द से परेशान हो जाते हैं। वैसे तो सिरदर्द को सामान्य ही समझा जाता है, लेकिन हर केस में अक्सर होने वाला सिरदर्द आम नहीं होता है। माइग्रेन साधारतणः सिर व गर्दन में हल्के दर्द के साथ शुरू होता है और बढ़ते-बढ़ते सिर के एक हिस्से में पहुंच जाता है। यह सामान्यतः कुछ घंटों में दूर हो जाता है और इस के लक्षणों में जी मचलना, उल्टी होना, रोशनी को देखकर घबराहट होना, शोर या किसी भी प्रकार की खुशबू से चिढ़न होना, गर्दन या कंधे में दर्द या उन्हें मोड़ने में दर्द होना, दृष्टि संबंधी समस्याएं, पेट में गड़बड़ी, उबासी लेने में दबाव, मुंह का सूखना व कपकपी उठना आदि शामिल हैं। ऐसे कारक जिनसे माइग्रेन सिरदर्द उत्पन्न होने के खतरे अधिक रहते हैं- चाकलेट, शराब, चीज, नट्स का सेवन, दुर्गंध, हार्मोनल बदलाव, शोर-शराबा, तेज रोशनी, भावनात्मक तनाव, मौसम में बदलाव, सोने के तरीकों में बदलाव, व्यायाम, धूम्रपान, आहार को मिस करना। माइग्रेन के भी कई प्रकार होते है। विभिन्न प्रकार के माइग्रेन-

साधारण माइग्रेन-

यह ऐसा सिरदर्द होता है जो कि बिना किसी आहट के शुरु होता है। इस सिरदर्द के शुरु होने से पहले इसके कोई लक्षण नहीं उभरते हैं जैसा कि अन्य प्रकार के माइग्रेन में होता है।

क्लासिक माइग्रेन-

इसमें सिरदर्द शुरु होने से पहले कई अन्य लक्षण उभरने लगते हैं जैसे धुंधली दृष्टि, ठीक से सुनाई न देना, देखते समय अजीब-अजीब सी आकृतियों का दिखाई देना आदि। सिरदर्द शुरु होने से तकरीबन आधा घंटा पहले ये लक्षण उभर सकते हैं।

रीबाउंड सिरदर्द

जब भी पीडित के शरीर पर दवाइयों के डोज का असर न हो और सिरदर्द बरकरार रहे तो डोज बढ़ाकर ली जाती है। इससे कुछ समय तक तो उन दवाइयों का असर दिखता है, लेकिन आगे चलकर दवाइयों को बढ़ाया डोज का भी कोई प्रभाव नहीं होता है। तो, सिरदर्द बार-बार उभरने लगता है व माइग्रेन के लक्षण और भयानक होने लगते हैं। एक सप्ताह में यह दर्द दो से तीन बार तक हो सकता है।

ओक्युलर माइग्रेन-

इस माइग्रेन के दौरान आंखों की रक्तवाहिनियां प्रभावित होती हैं न कि सिर की कोई रक्तवाहिनी। इससे पीडित को देखने में समस्या होती है। आंखों में अजीब सा प्रकाश दिखने लगता है। ये समस्या 15 से 20 मिनट तक रहती है फिर सब सामान्य हो जाता है लेकिन बहुत से लोगों को इसके बाद

हल्के सिरदर्द की शिकायत होती है।

आफ थामोलजिक सिरदर्द-

इसका संबंध भी आंखों की मध्य नसों से ही होता है। इसमें सिरदर्द भी होता है और पीडित को उल्टी भी होती है। जैसे-जैसे सिरदर्द बढ़ता है वैसे-वैसे आंखों की कुछ नसें पैरालिटिक हो जाती हैं। ऐसे में, आंखों की पलकें लटक जाती हैं। कई सप्ताहों तक वे ऐसे ही लटकी हुई प्रतीत होती हैं।

सिरदर्द रहित माइग्रेन-

इस प्रकार में पीडित को सिरदर्द तो नहीं होता, बल्कि अन्य लक्षण थोड़ी देर के लिए परेशान कर सकते हैं। ये उन लोगों को होता है, जिनका इतिहास माइग्रेन से ग्रस्त रहा हो।

बेसिलियर आर्टरी-

इसमें मस्तिष्क की धमनी में दर्द की वजह से सिरदर्द उत्पन्न हो सकता है। इससे बोलने व देखने में तकलीफ हो सकती है। बड़ों से ज्यादा बच्चे इससे प्रभावित होते हैं।

कैरोटीडिनिया-

इसमें चेहरे का आधा भाग प्रभावित होता है जैसे जॉलाइन व गर्दन का भाग। यह दर्द तीव्र व भयानक भी हो सकता है या फिर कम व हल्का भी हो सकता है। कैराटिड रक्तवाहिनी में सूजन भी हो सकती है। यह बुजुर्ग लोगों में अधिक पाया जाता है। इसका असर कई घंटों तक रह सकता है और यह सप्ताह में एक से ज्यादा बार तक हो सकता है। माइग्रेन के उचित उपचार के लिए कुछ परीक्षणों की आवश्यकता होती है, जिसमें रक्त की जांच, ब्रेन स्कैनिंग (सी टी या एम आर आई तथा स्पाइनल टेप) शामिल हैं।

मरीजों के लिए याद रखने योग्य बातें-

डॉ. अमिताभ गुप्ता का कहना है कि समय पर सोना व जगना चाहिए। नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। बहुत ज्यादा देर तक भूखे नहीं रखना चाहिए। तनाव को नियमित व्यायाम के द्वारा निर्यत्रित करना चाहिए। बहुत तेज व चुभने वाली रोशनी से बचना चाहिए। उन चीजों को पहचान कर उनसे बचना चाहिए, जिनसे ये समस्या होने की संभावना हो। आप के डाक्टर को माइग्रेन के इलाज प्रणाली से पूरी तरह परिचित होना चाहिए। दवाओं के बुरे प्रभावों को ध्यान में रखकर दवाएं दी जानी चाहिए। पहले दवाओं को कम मात्रा में शुरू करके धीरे-धीरे इसकी मात्रा को बढ़ाया जाना चाहिए। इससे दवाओं के बुरे प्रभाव को कम किया जा सकता है। हालांकि कोई भी सिरदर्द बेवजह उत्पन्न नहीं होता है और यह भी जरूरी नहीं कि हर बार उसका कारण साधारण ही हो। ऐसे में, केवल दर्दनाशक दवा का सेवन कर सिरदर्द के प्रहार को उस क्षण के लिए तो खत्म किया जा सकता है, लेकिन उससे होने वाले लंबे समय के परिणामों को तो रोका नहीं जा सकता, जो कि शरीर की गतिविधियों पर गलत ही प्रभाव डालते हैं जैसे उच्च व निम्न रक्तचाप हृदय व फेफेड़ों में परेशानी, मस्तिष्क विकार, नींद की कमी, नपुंसकता, पौष्टिक अल्सर, गैस विकास, गुर्दे व लीवर खराब होना इत्यादि। तो, अगली बार जब भी आप सिरदर्द को दूर करने के लिए किसी भी दर्दनाशक दवा का सेवन करें तो उससे पहले इन दुष्प्रभावों के बारे में जरूर सोचें और डाक्टरी सलाह लेने में न हिचकें। माइग्रेन लिंगभेद का प्रमाण देते हुए औरतों पर अधिक प्रहार करता है, क्यों कि डाक्टरों के पास आने वाले माइग्रेन के मरीजों में औरतों की संख्या अधिक है। किंतु दुर्भाग्यवश माइग्रेन से पीडित चार में से एक औरत ही इसका उपचार कराती है। अन्य औरतों को जब माइग्रेन अटैक पड़ता है तो वे दर्दनाशक को अपना साथी समझ उसका सेवन करती रहती हैं और जानकारी के अभाव में अधिकतर औरतें इस दर्द के साथ केवल दर्दनाशक दवाइयों का सेवन करते हुए जी रही हैं।

चुटकी भर काले जीरे से ऐसे कम करिए अपना वजन

पतला होना यानि की मोटे शरीर से स्लिम-ट्रिम होना कौन नहीं चाहता और इसके लिए लोग खासी मशक्त भी करते हैं। सुबह-सुबह उठकर जिम जाना कई किलोमीटर तक भाग-भागकर पसीना बहाना तब जाकर कहीं इस मोटापे से छुटकारा मिलने के आसार नजर आते हैं। और उसके बाद वही उबला हुआ बेस्वाद खाना। कभी आपने सोचा तो जरूर होगा कि क्या किसी हाजमे को ठीक करने वाले चूरन की तरह इस मोटी चर्बी वाले शरीर के लिए भी कोई चूरन बना होता तो क्या बात होती। खैर अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है, क्योंकि अभी भी एक ऐसी चीज है जिसे चुटकी भर खाने के बाद आपको किसी भी जिम में पसीना बहाने की जरूरत नहीं महसूस होगी। खासकर लड़कियों को जिनके लिए अपने पूरे दिन का शेड्यूल मैनेज करना बहुत ही मुश्किल होता है।

यकीन मानिए इसे खाने के बाद आपको किसी भी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होगा। यह हर करह से फायदेमंद है। दरअसल हम बात कर रहे है खाने में इस्तेमाल होने वाले काले जीरे की, जिसे अक्सर पेट दर्द में भी हम खा लिया करते है। रसोई घर में ज्यादातर इसका इस्तेमाल होता है और यह आसानी से आपको हर में मिल जाएगा।

इसके बाद भी कोई बड़ा बदलाव नहीं हासिल होता उन्हें, लेकिन अब जीरा वजन कम करने में आपकी मदद करेगा। खाने के स्वाद को बढ़ाने वाला जीरा, खासतौर से दाल में डालने वाला जीरा हर किसी को पसंद है। कुछ लोग चावल पकाते समय भी जीरे का प्रयोग करते हैं, क्योंकि इसके खुशबू भी काफी अच्छी लगती है जो पकवान की सुगंध को बढ़ा देती है।

वजन कम करने के साथ साथ यह बहुत सारी अन्य बीमारियों से भी बचाता है, जैसे कोलेस्ट्रॉल कम करता है, हार्ट अटैक से बचाता है, स्मरण शक्ति बढ़ाता है, खून की कमी को ठीक करता है, पाचन तंत्र ठीक कर गैस और ऐंठन ठीक करता है।

दो बड़े चम्मच जीरा एक गिलास पानी मे भिगो कर रात भर के लिए रख दें। सुबह इसे उबाल लें और गर्म-गर्म चाय की तरह पियें। बचा हुआ जीरा भी चबा लें। इसके रोजाना सेवन से शरीर के किसी भी कोने से अनावश्यक चर्बी शरीर से बाहर निकल जाती है।

लेकिन ऐसी भी होता है कि कई लोगों को इसका टेस्ट पसंद नहीं आता वो इसे सादा खाना पसंद नहीं करते तो आप एक काम कर सकते हैं कि जब भी कुछ पकायें तो जीरा पाऊडर उसमे मिला लिजिए। इसका इस्तेमाल खाने में रोजाना करें तो ज्यादा बेहतर है।

इसके अलावा, आप 5 ग्राम दही में एक चम्मच जीरा पाउडर मिलाकर यदि इसका रोजाना सेवन करें, एक हफ्ते के अंदर-अंदर आपको फर्क महसूस होने लग जाएगा। 3 ग्राम जीरा पाउडर को पानी में मिलाएं इसमें कुछ बूंदें शहद की डालें फिर इसे पी जाएं। वेजिटेबल यानि सब्जियों के उपयोग से सूप बनाएं, इसमें एक चम्मच जीरा डालें। या फिर ब्राउन राइस बनाएं इसमें जीर डालें यह सिर्फ इसका स्वाद ही नहीं बढ़ाएगा बल्कि आपका वजन भी कम करेगा।

अदरक और नींबू दोनों जीरे की वजन कम करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। इसके लिए गाजर और थोड़ी सब्जियों को उबाल लें इसमें अदरक को कद्दूकस यानि कि बिल्कुल बारीक कर लें, साथ ही ऊपर से जीरा और नींबू का रस डालें और इसे रात में खाएं।

जीरे में मौजूद पोषक तत्व और एंटीऑक्सीकडेंट आपकी पाचन शक्ति को बढ़ाता है, जिससे पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है। यह चर्बी ही तो मोटापे को दावत देती है। जिसे जीरा आसानी से खत्म कर देता है। इसके अलावा जीरा खाने को पचाने में मदद करता है जिससे गैस कम बनती है। जीरा गैस को बनने से रोकता है जिससे पेट और आंतों में अच्छे से खाना पच जाता है।

गर्भावस्था के दौरान कुछ ब्यूटी टिप्स से बरतें सावधानी

खूबसूरत दिखने की चाहत और हाइजीन से जुड़ी आवश्यकताएं, महिलाओं को हर महीने पार्लर का चक्कर जरूर लगवाती हैं। ऐसे में कई बार गर्भावस्था के दौरान पार्लर में कौन से चीजें कराएं और कौन सी नहीं, महिलाओं के लिए अक्सर चिंता का विषय रहता है। ऐसे में जानिए, ऐसे ब्यूटी ट्रीटमेंट के बारे में, जिन्हें गर्भावस्था के शुरुआती महीनों के दौरान करवाना जच्चा और बच्चा, दोनों की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

खास किस्म के उत्पाद

फेशियल के लिए तमाम तरह की क्रीम, स्क्रब, क्लींजर आदि का इस्तेमाल सामान्य तौर पर त्वचा की सफाई के लिए जरूरी है लेकिन कई बार गर्भावस्था के दौरान इनके इस्तेमाल से समस्याएं हो सकती हैं। इन ब्यूटी ट्रीटमेंट के कारण त्वचा पर रैशेज, इचिंग जैसी कोई भी समस्या हो सकती है जिसके उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाएं गर्भावस्था के दौरान नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसके अलावा, स्पा, फेशियल और बॉडी मसाज भी गर्भावस्था के दौरान रक्त संचार को प्रभावित करते हैं जिससे गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है।

गर्म तापमान वाली प्रक्रियाएं

गर्भावस्था के दौरान गर्म तापमान वाली चीजों से दूरी बरतना जरूरी है। ऐसे में इस दौरान जो महिलाएं पार्लर में सौना बाथ, स्टीम बाथ, हॉट टब्स जैसे स्पा लेती हैं, वे गर्भावस्था के दौरान इनसे बचें। यहां तक कि गर्म वैक्सिंग की प्रक्रिया भी गर्भावस्था के शुरुआती महीनों में नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में गर्म वैक्स के बजाय औप कोल्ड वैक्स या हेयर रिमूवर क्रीम आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म तापमान के संपर्क में आने से शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है जिससे गर्भपात का रिस्क बढ़ जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि गर्भावस्था के दौरान इलेक्ट्रोलाइटिस और लेजर ट्रीटमेंट का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

पेडिक्योर और मसाज

गर्भावस्था के दौरान पेडिक्योर और मसाज आदि भी महिलाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। पैर की एड़ी में ऐसे कई प्वाइंट्स हैं जिन पर मसाज करने से यूट्रस में सिकुड़न हो सकती है। बॉडी पॉलिश कॉस्मेटिक्स भी महिलाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान पेडिक्योर, मैनीक्योर व बॉडी मसाज से बचना ही समझदारी है।

मानसून इंफेक्शन से बचने के लिए क्या करें?

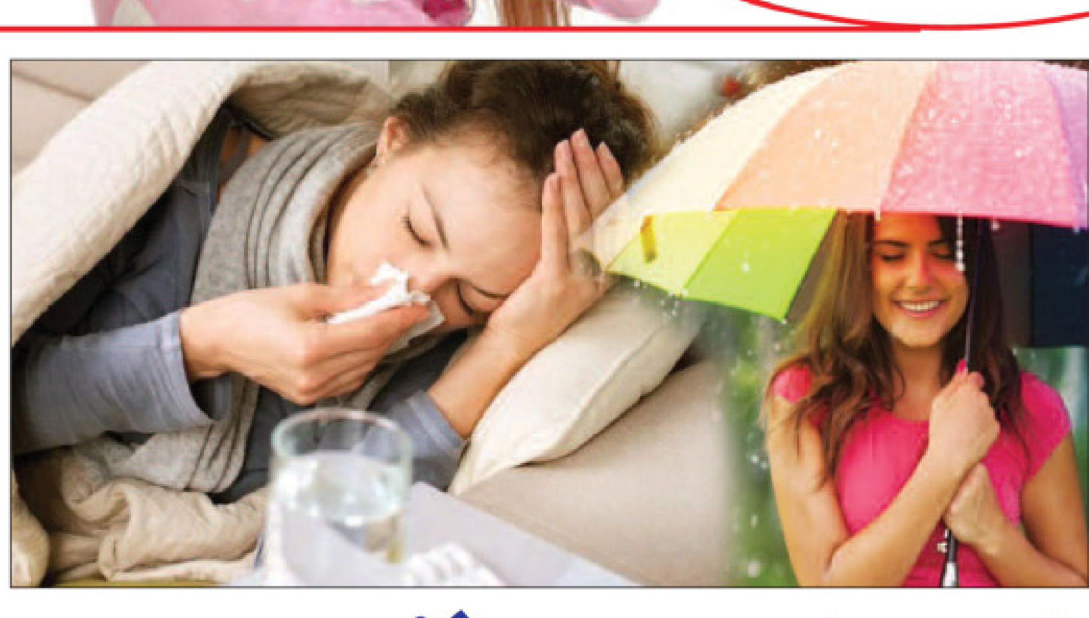

गर्मी से परेशान हर किसी का मन बारिश की फुहार पड़ते ही खुश हो जाता है। बच्चों और महिलाओं को तो बारिश में भीगने में भी बहुत मजा आता है। लेकिन इस खुशनुमा मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही बरतने, साफ-सफाई का ध्यान न रखने पर, बीमारियों की चपेट में आने की संभावना रहती है, कई तरह के इंफेक्शन भी होते हैं। लेकिन इनसे बचाव भी संभव है, बस आपको थोड़ा सजग रहने की जरूरत है।

इंफेक्शन से बचने के लिए क्या करें?

बारिश में रिंगवॉर्म यानी दाद-खाज की प्रॉब्लम बड़े-छोटे सभी को होती है। पसीना ज्यादा आने, मॉयश्चर रहने, गीले कपड़े पहनने, कपड़ों में साबुन के पार्ट रहने से ऐसा हो सकता है। इनमें रिंग की तरह रैशेज होते हैं, जो अंदर से साफ होते हैं और बाहर की तरफ फैलते जाते हैं, इनमें खुजली होती है। यह एक व्यक्ति से दूसरे में फैल सकते हैं। महिलाओं में वैजाइनल फंगल इंफेक्शन भी बरसात के मौसम में बहुत ज्यादा होता है। इससे वैजाइना एरिया में ईचिंग रहती है और इंटरकोर्स में दिक्कत आती है। जहां तक हो सके फंगल इंफेक्शन से प्रभावित त्वचा को स्वच्छ और सूखा रखें। डॉक्टर की सलाह पर एंटी फंगल क्रीम लगाएं और दवा लें।

एथलीट्स फुट इन्फेक्शन से कैसे बचें?

बारिश के मौसम में बहुत ज्यादा बैली पहनने वाली महिलाओं के पैरों में यह इंफेक्शन हो सकता है। उनके पैरों की अंगुलियों के बीच की स्किन गलने लगती है। ध्यान न देने पर यह इंफेक्शन नाखून तक फैल जाता है और पैरों की स्किन सफेद पड़ जाती है। पैरों की नियमित सफाई करें। जितना हो सके पैरों को हवा लगाएं, पावडर डालें। खुले सैंडल या आरामदायक फुटवियर पहनें, जिससे पैरों को हवा मिलती रहे और वे सूखे रहें। डॉक्टर के परामर्श से दवाई लें।

बालों में फंगल इंफेक्शन से कैसे बचें?

बारिश में भीगने, गीले होने, पसीने से तर-बतर होने या मॉयश्चर अधिक होने के कारण इस मौसम में बाल भी अछूते नहीं रहते हैं। उनमें भी फंगल इंफेक्शन हो जाता है। बालों में फंगल इंफेक्शन हर उम्र की महिला या व्यक्ति को हो सकता है। जिससे बालों में डेंड्रफ हो जाती है, बालों की जड़ें कमजोर पड़ जाती हैं और बाल झड़ने की समस्या भी आ जाती है। जहां तक संभव हो बालों को साफ-सुथरा और सूखा रखें। ऑयल कम लगाएं। अगर जरूरत हो तो सिर धोने से पहले ऑयल लगा लें। माइल्ड एंटी डेंड्रफ शैंपू यूज करें। सिर धोने के बाद एक नीबू का रस एक मग पानी में घोलें और इससे फिर बालों को धो लें। यह बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर का काम करेगा और बरसात के मौसम में बालों का मॉयश्चर कम करेगा।

गैस्ट्रोइंटराइटिस इंफेक्शन से कैसे बचें?

बारिश के मौसम में खाने-पीने की चीजों में आसानी से बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। दूषित खाना या गंदा पानी पीने से, या आइसक्रीम, चुस्की, जूस पीने से पेट में गैस्ट्रोइंटराइटिस इंफेक्शन यानी डायरिया हो जाता है। इसमें रोटाबायरस और नोरोवायरस नाम के बायरस इंफेक्शन फैलाते हैं। सबसे ज्यादा बच्चों का डाइजेस्टिव सिस्टम प्रभावित होता है।

इस मौसम में खाने में थोड़ी-सी भी लापरवाही या ठीक से न बनाया गया खाना खाने की वजह से बच्चे डायरिया की चपेट में आ सकते हैं। डायरिया में मरीज को दिन में 4-5 बार पतले दस्त आते हैं। डिहाइड्रेशन हो जाता है, उल्टियां भी हो सकती हैं। पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द, मरोड़ के साथ दस्त, तेज बुखार, टॉयलेट में खून आना, बहुत कमजोरी होना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

पीड़ित ओआरएस का घोल या नमक-चीनी की शिकंजी लगातार देते रहें। प्रोबॉयोटिक्स दही लें। उल्टी रोकने और दस्त रोकने के लिए डॉक्टर से कंसल्ट करके दवा लें। पेट में मरोड़ के लिए भी दवाई दी जाती है। इसके साथ मरीज को आधा-एक घंटे के गैप में नारियल पानी, नीबू पानी, छाछ, दाल का पानी के साथ-साथ खिचड़ी, दलिया जैसा हल्का-फुल्का खाना भी दें। बहुत ठंडा पानी पीने, बाहर की आइसक्रीम खाने या बाहर का

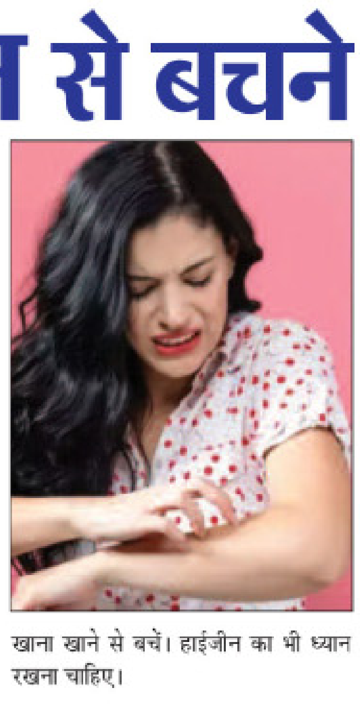

खाना खाने से बचें। हाईजीन का भी ध्यान रखना चाहिए।

कमाल की इम्यूनिटी बूस्टर है काली मिर्च

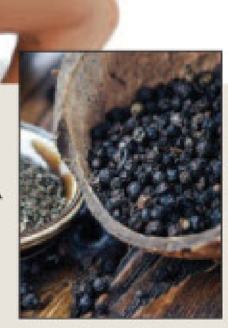

टमाटर काली मिर्च सूप रहेगा सही : आप काली मिर्च को टमाटर सूप में मिलाकर सेवन कर सकती है। टमाटर का सूप एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन आदि पोषक गुणों से भरपूर होता है। इसके सेवन से शरीर को अंदर से मजबूती मिलने के साथ तनाव कम होने में मदद मिलेगी। वहीं काली मिर्च को टमाटर सूप में मिलाने से शरीर को गर्मी मिलेगी। साथ ही इम्यूनिटी तेजी से बूस्ट होगी।

ऐसे बनाएं सूप : 2-3 टमाटर, काली मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच पिसी, अदरक- 1 इंच टुकड़ा, लहसुन की कलियां- 3-4, दालचीनी की छड़ी- 1 इंच, प्याज- 25 ग्राम, नमक- स्वाद अनुसार, तेल- 1 बड़ा चम्मच, पानी- जरूरत अनुसार।

विधिः इसे बनाने के लिए पैन में पानी, अदरक, टमाटर, दालचीनी और काली मिर्च पाउडर डालकर उबालें। मिश्रण के ठंडा होने पर इसे पीस लें। अब अलग पैन में तेल गर्म करके लहसुन और प्याज भूनें। फिर टमाटर का मिश्रण और नमक डालकर कुछ देर उबालें। तैयार सूप को सर्विंग बाउल में निकाल कर थोड़ी सी काली मिर्च डालकर सर्व करें।

काली मिर्च की चाय भी रहेगी सही : आप चाहे तो काली मिर्च की चाय भी बना कर पी सकती है। इससे इम्यूनिटी बढ़ेगी। वहीं काली मिर्च मेटाबॉलिज्म तेज करने में मदद करती है। इससे शरीर में जमा एक्सट्रा चर्बी कम होने में मदद मिलेगी। वहीं सर्दी, खांसी, जुकाम आदि मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। ऐसे में आप एकदम फिट एंड फाइन महसूस करेंगे।

ऐसे बनाएं चाय : पानी 2 कप, काली मिर्च- 4-5 (पीसी हुई), नींबू का रस 1 छोटा चम्मच, अदरक- 1 छोटा टुकड़ा।

विधिः काली मिर्च की चाय बनाने के लिए पैन में सभी चीजों मिलाकर 5 मिनट तक उबालें। फिर इसे कुछ देर पानी में भीगे रहने दें। बाद में चाय को छानकर गर्मागर्म पीने का मजा लें।

दूध-दही-बादाम बनाएगा आपको जवान

आप जवान तभी रह सकते हैं जब आपके अंदर ताकत हो और ताकत और कसी और दमकती त्वचा दोनों का मेल होने के बाद ही इंसान जवान बना रह सकता है। ज्यादा ऑइली और तली हुई चीजें फास्ट फूड और तो और कोला जैसे पेय पदार्थ आपकी स्किन के लिए सबसे हानिकार होते हैं। यह आपको फैटी बनाती हैं और स्किन को ऑइली व झूलझूल बना देती है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि कोई भी व्यक्ति हमेशा जवान नहीं रह सकता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है चेहरे की रौनक और चमक चली जाती है और झुर्रियां आदि पड़ने लगती हैं। कई महिलाएं और पुरु ष हमेशा यंग दिखने की फिराक में रहते हैं और इसके लिए वह कोई न कोई क्रीम आदि लगाते ही रहते हैं। जिससे की उनकी त्वचा पर और अधिक बुरा प्रभाव पड़ता है। कॉस्मेटिक आदि का इस्तेमाल त्वचा को बाहर से अच्छा बना देता है लेकिन उनमें अंदरूनी क्षमता नहीं रह जाती है। अगर आप अपनी त्वचा को अंदर से चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी फूडिंग हैबिट और लाइफ स्टाइल पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही खुराक में कुछ विशेष सब्जियों, फल व फूड मैटर को शामिल करना होगा। आपको अपनी त्वचा को बेहतर फूड देने होंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा।

ज्यादा ऑइली और फास्ट फूड आपकी स्किन को खराब करते हैं

अपनी त्वचा को अंदर से चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी फूडिंग हैबिट और लाइफ स्टाइल पर विशेष ध्यान देना होगा

आपको अपनी त्वचा के लिए बेहतर फूड खाने होंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा

दूध-दही में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। जो आपको जवान रखने में मदद करते हैं

जवान बने रहने व चेहरा निखारने का नुस्खा

पालक : पालक में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है साथ ही पौटेशियम और विटामिन की भरमार होती है। इसमें काफी ज्यादा मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो शरीर की रक्षा करता है। इसके सेवन से ऊतकों और कोशिकाओं को ताकत मिलती है और वह स्वस्थ रहती हैं। खून को भी साफ रखने और मात्रा बढ़ाने में पालक कारगर होती है।

बींस: बींस में प्रोटीन और फाइबर होता है जिसमें कम कार्बोहाईड्रेट होने के कारण वसा नहीं होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। यह एंटी-एजिंग सब्जी होती है।

हल्दी : हल्दी सबसे अच्छा एंटी-एजिंग एजेंट होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेंट्री गुण होते हैं जो पाचन क्रिया को अच्छा रखते हैं और उम्र को थाम देते हैं।

बादाम: बादाम में विटामिन ''ई' होता है जो त्वचा और बालों के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें मैग्नीशियम भी होता है जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को धीमा कर देता है।

अखरोट : अखरोट में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है जो आपकी स्किन के लिए जरूरी है।

दूध-दही : दूध-दही में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। जो आपको जवान रखने में मदद करते हैं।

अब 6 महीनों में हेपेटाइटिस 'सी' का इलाज

यकृत से जुड़ी जानलेवा बीमारी हेपेटाइटिस ''सी' से ग्रसित मरीजों को एंटी वायरल इलाज के जरिए छह सप्ताह की अल्प अवधि में ही ठीक किया जा सकता है। यूरोपीय देश स्पेन के बार्सिलोना शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय यकृत सम्मेलन के दौरान शोधकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत अध्ययन में बताया गया कि सोफोसबुवीर और लेडिपासवीर के जरिए केवल छह महीनों में हेपेटाइटिस ''सी' से पीड़ित लोगों का इलाज किया जा सकता है। लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर का कारण बनने वाले हेपेटाइटिस ''सी' का इलाज इसके जरिए किया जा सकता है। 95 फीसदी मामलों में समय रहते इसके इस्तेमाल से हेपेटाइटिस ''सी' के इलाज में काफी फायदा मिला है। इन गोलियों के इस्तेमाल से हेपेटाइटिस ''सी' के शरीर पर दुष्प्रभाव तो कम होंगे ही इलाज की अवधि भी काफी कम हो जाएगी।यह हेपेटाइटिस ''सी' से प्रभावित लोगों का इसके अचानक शिकार हुए लोगों की तुलना में आम तौर पर दस से पन्द्रह फीसदी जल्दी ठीक करता है। विश्व भर में हेपेटाइटिस ''सी' के रोगियों की संख्या तेरह से पन्द्रह करोड़ के बीच है। प्रतिरोध से जुड़े विसंगति के अचानक उभरने के कारण हेपेटाइटिस ''सी' के मरीजों का इलाज अभी भी चुनौती बनी हुई है।इस शोध के अनुसार सोफोसबुवीर और लेडिपासवीर का संयोजन न केवल सुरक्षित है बल्कि हेपेटाइटिस के मरीजों के लिए यह सहनीय और प्रभावकारी भी है लेकिन अल्प अवधि के इलाज के दौरान इसके प्रभाव में यह नहीं दिखता है।

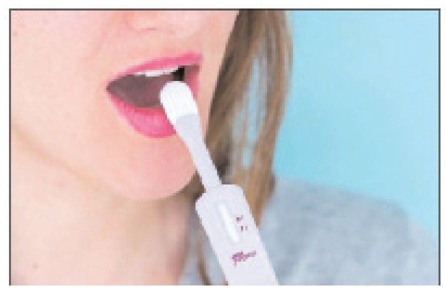

95 फीसदी मामलों में समय रहते इसके इस्तेमाल से हेपेटाइटिस 'सी' के इलाज में काफी फायदा मिला है

अत्यधिक नमक लिवर खराब करता है

पेइचिंग। भोजन में अत्यधिक नमक प्रयोग करने से केवल रक्तचाप बढ़ने की ही समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि इससे वयस्कों और विकसित भ्रूण का यकृत भी खराब हो सकता है। एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि हमारे शरीर को बहुत कम मात्रा में नमक की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सरकार सलाह देती है कि यदि आप एक स्वस्थ व्यस्क हैं तो आपको प्रति दिन एक छोटा चम्मच नमक लेने की आवश्यकता है। कुछ अनुसंधानकर्ताओं ने संकेत दिया है कि सोडियम के आवश्यकता से अधिक प्रयोग से उच्च रक्तचाप की समस्या के अलावा यकृत भी खराब हो सकता है। चीन की ''जिनान यूनीवर्सिटी' के शुएसोंग यांग और उनके सहकर्मी सोडियम के कोशकीय स्तर पर संभावित प्रभाव के बारे में पता करना चाहते थे।अनुसंधानकर्ताओं ने एक वयस्क चूहे को अत्यधिक नमकयुक्त आहार दिया और चूहों के भ्रूणों को एक खारे पर्यावरण में रखा। अत्यधिक सोडियम से अजीब आकार की कोशिकाएं विकसित होने, कोशिका समाप्ति में वृद्धि और कोशिका प्रसार में कमी समेत जीवों के यकृत में कई तरह के बदलाव हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि खराब कोशिकाओं का विटामिन ''सी' के माध्यम से उपचार करके अत्यधिक नमक के कारण हुए दुष्प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया जा सकता है। यह अध्ययन ''जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' में प्रकाशित किया गया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

लॉफिंग ज़ोन

संपादक (प्रबंधक से) - अखबार में थोड़ी सी जगह बची है क्या लिखूं?

प्रबंधक - लिख दो, कल चांदनी चौक में डाका पडा, खून हो गया.

संपादक - थोड़ी सी जगह और है.

प्रबंधक - वहां लिख दो - बाद में पता चला यह सब अफवाह थी.

☺ ☺ ☺

वकील (मुजरिम से) - तुमने एक ही दुकान में दोबारा चोरी क्यों की?

मुजरिम - साहब जी, उस दुकान के बाहर लिखा था दोबारा जरूर आएं.

☺ ☺ ☺

मुकेश (ड्राइवर से) - यह टायर पंचर कैसे हुआ?

ड्राइवर - एक कांच की बोतल पर चढ़ गया था.

मुकेश - क्या तुम्हें बोतल दिखाई नहीं दी?

ड्राइवर - जी नहीं, बोतल उस आदमी की जेब में रखी थी जो गाड़ी के नीचे आ गया था!

☺ ☺ ☺

रमेश (नौकर से) - जरा देखाना तो कितने बजे हैं?

नौकर - मुझे समय देखाना नहीं आता.

रमेश - अच्छा कोई बात नहीं, यह देखाकर बताओ कि बडी सुई कहां है और छोटी सुई कहां है?

नौकर - दोनों सुइयां घड़ी में हैं.

काकुरो पहेली - 725

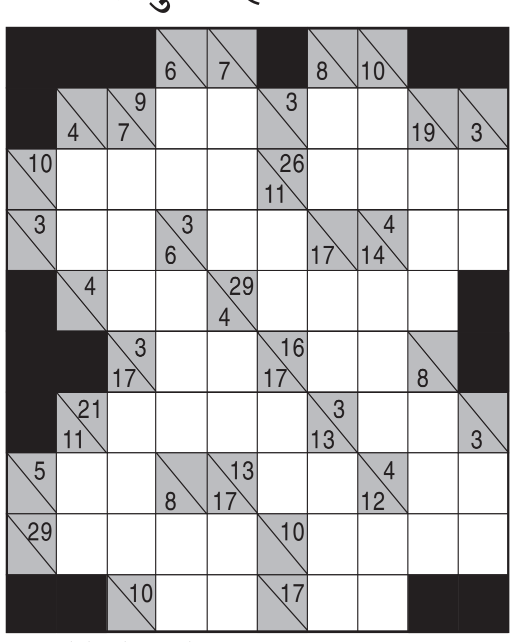

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो -724 का हल

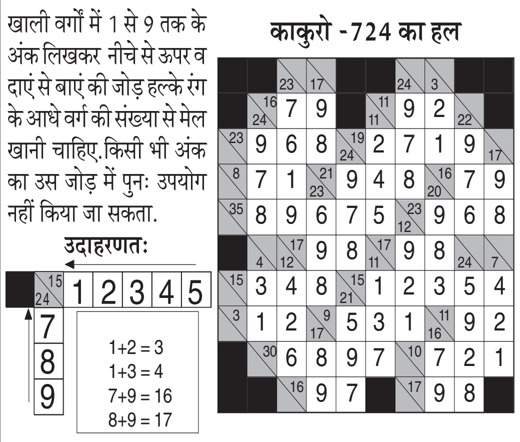

फिल्म वर्ग पहेली- 725

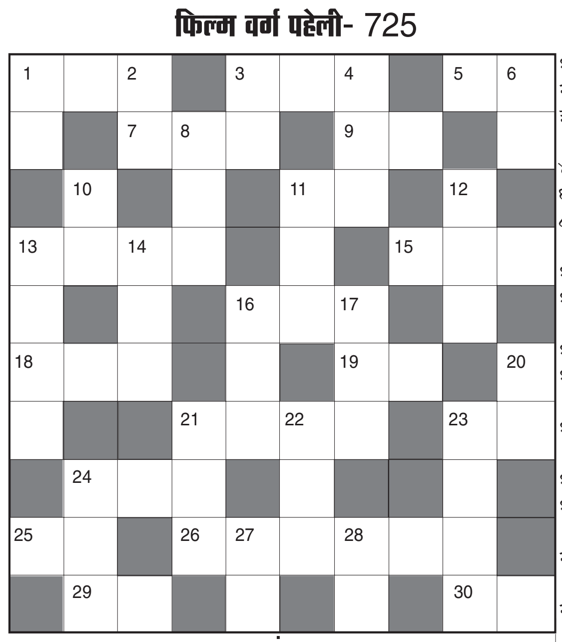

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 724

खा	मो	शी	■	आ	प	की	क	स	म
की	■	शा	दी	■	ड़ो	■	भी	■	स्त
■	आ	■	वा	प	स	■	ना	■	■
प	ह	चा	न	■	न	या	क	द	म
रा	■	■	गी	ता	■	■	भी	■	ड
या	रा	ना	■	ज	मा	ना	■	स	र
ध	■	य	ति	म	■	■	रा	नी	■
न	म	क	■	ह	म	रा	ज	■	फ
■	र्या	■	■	ल	■	जे	■	■	रा
अ	दा	ल	त	■	इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु -725

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -724 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 725

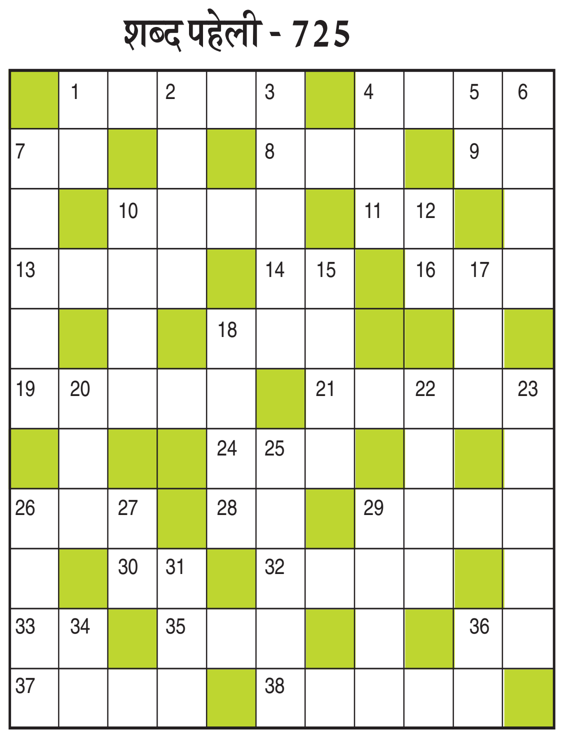

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -724 का हल

अ	स	ह	नी	य	■	■	क	लि	का	■
प	र	■	ला	■	सा	ग	र	■	बु	आ
ह	■	■	प	ह	रा	■	ण	■	■	खे
र	स	खा	न	■	■	म	■	क	प	ट
ण	■	लि	■	न	भ	च	र	■	रा	■
■	आ	स	■	सी	■	ल	■	ग	स्त	■
■	रा	■	प	ह	न	ना	■	रु	■	ड
शा	म	त	■	त	■	■	ता	र	ता	र
य	■	■	तै	■	जा	हि	र	■	■	ल
द	म	■	र	सी	ला	■	पी	■	ज	ग
■	न	गी	ना	■	■	म	न	भ	र	ना

दार्जिलिंग रेल दुर्घटना पर धनखड़ ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुई रेल दुर्घटना पर गहरा दुख प्रकट किया है। श्री धनखड़ ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दार्जिलिंग में रेल दुर्घटना में लोगों का मारा जाना दुखद है। उन्होंने कहा , 'मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिजनों के साथ है।' उन्होंने घायलों के शीघ्र समस्त होने की कामना भी की। दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस रेलगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें कई लोगों के हताहत होने की खबरें हैं।

यादव ने जटिया की धर्मपत्नी को अर्पित की श्रद्धांजलि

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज पूर्व केंद्रीय मंत्री व भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड सदस्य सत्यनारायण जटिया की धर्मपत्नी को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ यादव सुबह श्री जटिया के निवास पहुंचे और उन्होंने श्री जटिया की धर्मपत्नी के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने स्वर्गीय श्रीमती जटिया की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी ईद-उल-अजहा की बधाई

नई दिल्ली। देशभर में ईद-उल-अजहा का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। सुबह मस्जिदों में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह ईद-उल-अजहा के मौके पर लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक्स हैंडल पर लिखा है,'ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं!

यह विशेष अवसर सद्भाव के बंधन को और मजबूत करे।' प्रधानमंत्री के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ईद-उज-जुहा की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की जामा मस्जिद में सुबह छह बजे नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने दिल्ली के दरगाह पंजा शरीफ में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की। । ईद-उल-अजहा का त्योहार बुधवार शाम तक मनाया जाएगा। दिल्ली की फतेहपुरी मस्जिद में सवेरे सवा सात बजे नमाज अदा की गई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हालत बदलेंगे, एनडीए को बहुमत मिलेगा : प्रफुल्ल पटेल

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी एपी) के नेता प्रफुल्ल पटेल नेगोंदिया में कहा कि महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव में हालत बदलेंगे और एनडीए को बहुमत मिलेगा। पटेल ने कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र में 90 सीटों पर सहयोगी दलों के साथ चुनाव लड़ेगी। पटेल ने कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारी में जुटने की अपील की है। प्रफुल्ल पटेल ने गोंदिया में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में हम 57 सीटों पर जीते थे। इसी आधार पर हम विधानसभा चुनाव में 85 से 90 सीटें मांगने जा रहे हैं। पटेल ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमारे विरुद्ध झूठा प्रचार किया गया, लेकिन इसका जवाब देने में हम कमजोर पड़े। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव से पहले सीटों के बंटवारे को लेकर काफी खींचतान हुई थी। सातारा और नासिक की सीटों पर काफी विवाद था, इसलिए नासिक की सीट पर उम्मीदवार की घोषणा करने में एनडीए को देरी हुई थी। इसलिए आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारा जल्द करने का प्रयास किया जाएगा। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के अगले विस्तार में उन्हें कैबिनेट मंत्री पद मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द राज्य में भी मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और उनकी पार्टी को कुछ और मंत्री पद मिलेंगे।

मणिपुर में 3.5 तीव्रता का भूकंप

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी इलाके में रविवार की दोपहर बाद 3.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और लोगों में दहशत फैल गई।

मणिपुर के कांगपोकपी में 13 बजकर 21 मिनट 30 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन में 25 किलोमीटर नीचे और भूकंप का एपीक सेंटर 24.99 उत्तरी अक्षांश तथा 93.96 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 और 19 जून को उत्तर प्रदेश और बिहार का करेंगे दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार उत्तर प्रदेश और बिहार के दो दिवसीय दौरे पर होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा आज सोमवार (17 जून) को जारी जारी विज्ञप्ति के अनुसार 18 जून को शाम 5 बजे प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के वाराणसी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान सम्मेलन में भाग लेंगे। यहां वे किसान सम्मान निधि की अगली किस्त जारी करेंगे। इसके बाद शाम 7 बजे प्रधानमंत्री दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भाग लेंगे। रात 8 बजे वह काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजन-अर्चन और दर्शन भी करेंगे।

प्रधानमंत्री 19 जून को बिहार के दौरे पर होंगे। यह वे सुबह 9.45 पर प्रधानमंत्री नालंदा की प्राचीन धरोहर का दौरा करेंगे। सुबह 10.30 बजे प्रधानमंत्री बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के परिसर का उद्घाटन के पश्चात आयोजित जनसभा को संबोधित भी करेंगे। लगभग 1600 वर्ष पूर्व स्थापित किए गए मूल नालंदा विश्वविद्यालय को विश्व के प्रथम आवासीय

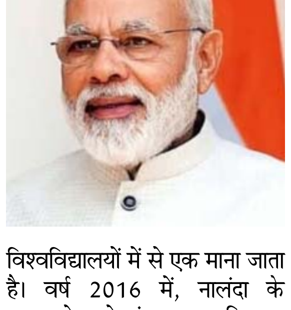

विश्वविद्यालयों में से एक माना जाता है। वर्ष 2016 में, नालंदा के भग्नावशेष को संयुक्त राष्ट्र विरासत स्थल घोषित किया गया था।

उल्लेखनीय है कि तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले निर्णय में पीएम किसान निधि की 17वीं किस्त जारी करने की फाइल पर हस्ताक्षर किए। वाराणसी से 18 जून को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के अंतर्गत लगभग 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की 17वीं किस्त जारी करेंगे। अब तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवारों को पीएम-किसान योजना के अंतर्गत 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला है।

प्रधानमंत्री इस अवसर पर आयोजित स्वयं सहायता समूहों की 30,000 से अधिक कृषि सखी महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे। कृषि सखी कन्वर्जेंस कार्यक्रम (केएससीपी) का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं का कृषि सखी के रूप में सशक्तिकरण करते हुए कृषि सखी महिलाओं को पैरा-एक्सटेंशन वर्कर के रूप में प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करके, ग्रामीण भारत की तस्वीर को बदलना है। यह प्रमाणन पाठ्यक्रम ''लखपति दीदी'' कार्यक्रम के उद्देश्यों के भी अनुरूप है। वहीं बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नवीन परिसर की परिकल्पना भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) देशों के बीच एक संयुक्त सहयोग के रूप में की गई है। इसके उद्घाटन समारोह में 17 देशों के मिशन प्रमुखों सहित कई प्रतिष्ठित गण शामिल होंगे। नालंदा के नवीन विश्वविद्यालय परिसर में 40 कक्षाओं वाले दो शैक्षणिक ब्लॉक हैं, जिनकी कुल बैठने की क्षमता लगभग 1900 है। इसमें 300 सीटों की क्षमता वाले दो सभागार हैं। इसमें लगभग 550 छात्रों की क्षमता वाला एक छात्र छात्रावास है। इसमें अंतरर्राष्ट्रीय केंद्र 2000 व्यक्तियों तक की क्षमता वाला एम्फीथिएटर, फैकल्टी क्लब और खेल परिसर सहित कई अन्य सुविधाएं भी हैं।

आम आदमी पार्टी ने मोहिंदर भगत को बनाया उम्मीदवार, 10 जुलाई को होगी वोटिंग

एजेंसी

जालंधर। आम आदमी पार्टी ने जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए मोहिंदर भगत को बतौर उम्मीदवार मैदान में उतारा है। भगत ने 2022 में जालंधर वेस्ट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ा था। जालंधर वेस्ट विधानसभा सीट पर 10 जुलाई को उपचुनाव होगा। यह सीट शीतल अंगुराल के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। अंगुराल ने आप की टिकट पर इस सीट से चुनाव जीता था लेकिन लोकसभा चुनाव से कुछ समय पहले वे भाजपा में शामिल हो गए थे और उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

मतदान के बाद अंगुराल ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था लेकिन उससे पहले ही विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने इस्तीफा मंजूर कर लिया। विधानसभा सचिव की ओर से पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी को भी इस संदर्भ में नोटिफिकेशन की कॉपी भेजी गई थी जिसमें जालंधर पश्चिमी-34 नंबर सीट को 30 मई, 2024 से खाली दिखाया गया था।

इस्तीफा वापस लेने से पहले अंगुराल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से मोदी का परिवार का टैग

हटा लिया था, जिसके चलते उनके आप में वापसी के कयास लगाए जाने लगे थे। अंगुराल का कहना था कि इस्तीफा मंजूर किए जाने के इस फैसले को वह चैलेंज करेंगे। इसके लिए वह जल्द ही पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। लेकिन अब चुनाव आयोग ने विधानसभा सीट पर उपचुनाव का एलान कर दिया है।

हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी गिरफ्तार, निर्दोष नागरिकों को बनाने वाला था निशाना

एजेंसी

कुपवाड़ा। उत्तरी कश्मीर के जिला कुपवाड़ा में पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम को बड़ी सफलता मिली है। जिले के उप जिला हंदवाड़ा में एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है। आतंकी प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन संगठन से जुड़ा हुआ है और वह क्षेत्र में सॉफ्ट टारगेट करने की फिराक में था। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को हंदवाड़ा के काचरी गांव से हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के आतंकवादी को गिरफ्तार किया। उसे लक्षित हत्याओं को अंजाम देने का काम सौंपा गया था। हंदवाड़ा में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसएसपी हंदवाड़ा दाऊद अयूब ने कहा कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सेना की 30आरआर और हंदवाड़ा पुलिस सहित सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान जाकिर हामिद मीर के रूप में की गई है।

अधिकारी ने आगे कहा कि आतंकवादी को इलाके में आसानी से किए जा सकने वाली आतंकी वारदात करने के लिए कहा गया था, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बना सकता था।

वह पाकिस्तान स्थित हैंडलर जहूर अहमद मीर के संपर्क में था, जो उसे ऐसे काम करने के लिए बरगला रहा था। अधिकारी ने बताय कि उसके कब्जे से एक चीनी पिस्तौल और एक हथगोला बरामद किया गया है। उसके खिलाफ एफआईआर संख्या 124/2024 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, तीन नक्सली और दस लाख का इनामी जोनल कमांडर ढेर

एजेंसी

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित गुवा थाना क्षेत्र स्थित कोल्हान जंगल में सुरक्षाबलों ने सोमवार सुबह मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया। इनमें एक महिला नक्सली भी है। मौके से हथियार और अन्य सामग्री बरामद हई है। मारे गए नक्सलियों में 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमांडर भी है। जिले के एसपी आशुतोष शेखर ने इसकी पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि दो नक्सलियों को जीवित पकड़ने में भी कामयाबी मिली है। इनमें एक एरिया कमांडर और एक महिला नक्सली है। मारे गए नक्सलियों में एक जोनल कमांडर, एक एरिया कमांडर और एक सब-जोनल कमांडर के अलावा एक महिला नक्सली शामिल है। अभी तलाशी अभियान जारी है। एसपी ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की

पहचान जोनल कमांडर सिंगराई उर्फ मनोज, सबजोनल कमांडर कांडे होनहागा उर्फ दिरशुम, एरिया कमांडर सूर्या उर्फ मुंडा देवगम और महिला नक्सली कैडर जुनगा पुर्ति उर्फ मारला के रूप में हुई है। मारला को छोड़कर सभी मारे गए नक्सलियों के जिंदा या मुर्दा पकड़ने पर इनाम घोषित था। सिंगराई उर्फ मनोज पर 10 लाख रुपये, कांडे और सूर्या पर क्रमशः पांच लाख और दो लाख रुपये का इनाम पुलिस ने घोषित किया था।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान टाइगर उर्फ पांडू हांसदा और बातरी देवी देवगम के रूप में हुई है। पांडू हांसदा पर दो लाख रुपये का इनामी एरिया कमांडर है। बातरी देवी महिला नक्सली है। गुवा थाना क्षेत्र में भाकपा माओवादी नक्सलियों के एकत्र होने की सूचना पर सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस और झारखंड जगुआर की संयुक्त टीम को इस अभियान में यह कामयाबी मिली। कुछ नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल भी रहे। उल्लेखनीय है कि चाईबासा जिले में नक्सलियों का सबसे बड़ा दस्ता मौजूद है। जिले के जराइकेला और टोंटो थाना क्षेत्र में मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, सिंगरई, अजय महतो का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 65 नक्सली कैडर हैं। चाईबासा जिले के ही गोइलकेरा और सोनूवा थाना क्षेत्र में मेहनत और अमित मुंडा का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 30 नक्सली कैडर हैं।

11 सौ किलो के धनुष और 16 सौ किलो की गदा भगवान श्रीराम को समर्पित

एजेंसी

अयोध्या। रामभक्तों की 108 बसों के साथ शिवगंज, सुमेरपुर राजस्थान से निकली यात्रा अयोध्या पहुंची। इस यात्रा में श्री राम रथ पर पंचधातु से निर्मित 11 सौ किलो के विशाल राम धनुष एवं 16 सौ किलो हनुमान गदा के साथ अयोध्या पहुंचा। जिसकी श्रीराम मंदिर की ओर से पूजा अर्चना एवं स्वागत किया गया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय ने बताया कि पांच पड़ाव पार कर यह यात्रा अयोध्या पहुंची है। ऐसा धनुष व हनुमान गदा होंगे जो राम मंदिर परिसर में स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि रामरथ अयोध्या यात्रा शिवगंज सिरोही राजस्थान से शुरू हुई, जिसमें मैं स्वयं तथा विश्व हिन्दू परिषद राजस्थान के संगठन मंत्री, पंचायती राज ग्रामीण विकास विभाग के राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद जालोर सिरोही लुम्बराम ने विशेष हवन पूजाकर इस यात्रा का शुभारंभ कराया। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का दूसरा पड़ाव श्रीश्री माधव धाम कानोता जयपुर और तीसरा पड़ाव आगरा दक्षिणी हनुमान का मंदिर गुरद्वारे के पास वाई पास व चौथा पड़ाव रामस्वरूप इंजीनियर कॉलेज लखनऊ रहा है और पांचवा और अंतिम पड़ाव अयोध्या रहा है। इस यात्रा में

16 सौ किलोग्राम का गदा व 11 सौ किलोग्राम का राम धनुष ज़ो भगवान श्रीराम के मंदिर अयोध्या में समर्पित किया गया। पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास के आवास पर डा.सरस्वती गौर ने गदा और धनुष उनके हवाले किया।

उत्तराखंड में ईद-उल-अजहा की धूम, मांगी अमन-चैन की दुआ

एजेंसी

कुमाऊं। उत्तराखंड में कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक ईद-उल-अजहा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर जहां नमाजियों में नमाज अदा कर अमन-चैन की दुआ मांगी, वहीं एक दूसरे को गले लगकर बधाइयां भी दीं। कुमाऊं के पिथौरागढ़, काशीपुर, हल्द्वानी, नैनीताल समेत कई क्षेत्रों में ईद-उल-अजहा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। वहीं, गढ़वाल के हरिद्वार और रुड़की समेत इसकी धूम देखने को मिली।

अल्मोड़ा में अल्मोड़ा में ईद-उल-अजहा का पर्व धूम देखने को मिला। यहां मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी। रुड़की शहर और देहात क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का त्योहार उत्साह और परंपरा के साथ मनाया

गया। ईदगाह और मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद-उल-अजहा की बधाई दी। वहीं, लोहाघट में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाह मैदान में नमाज अदा की। इस दौरान उन्होंने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी।

हैदराबाद के निकट मेडक में सांप्रदायिक तनाव, भाजपा विधायक अरेस्ट, जिले में बंद का आह्वान

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मेडक जिले में गायों के कथित अवैध परिवहन को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प के बाद इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है। हिंसक झड़प के बीच दो निजी अस्पतालों पर पथराव किया गया। ऐसे में उग्र लोगों को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। हिंसा में कई लोग घायल हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भारतीय युवा मोर्चा और गो संरक्षण समिति के सदस्यों ने शनिवार को देखा कि स्थानीय लोगों का एक समूह बकरीद के अवसर पर शहर के बांग्ला तालाब इलाके में गायों को छिपा रहा था और स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गायों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके अलावा नरसिखेड इलाके में 150 से ज्यादा गायें हैं और उन्हें भी मुक्त कराने के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा और गोरक्षा समिति के सदस्य वहां गए थे। इसी स्थान की पृष्ठभूमि में वहां मौजूद दूसरे गुट ने उन पर हमला कर दिया। दोनों गुटों ने एक

दूसरे पर हमला किया, जिसमें गोरक्षा समिति के सदस्य अरुण को तीन बार चाकू मारा गया। उन्हें तुरंत इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया। परिणामस्वरूप, उनमें से एक समूह ने स्थानीय पुलिस स्टेशन के सामने धरना दिया। बाद में उग्र लोगों ने दो निजी अस्पतालों और एक मेडिकल स्टोर पर पथराव किया। मेडक के रामदास चौराहे और पुराने बस स्टैंड के पास दुकानों में तोड़फोड़ की गई। ऐसे में पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। लाठीचार्ज में युवा मोर्चा के नरसिंगा राव और दो अन्य लोग घायल हो गये। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। इसके बावजूद दोनों गुट के लोग शहर में लाठी-डंडे लेकर घूमते रहे। शहर के कोलीगड्डा में एक समूह ने एक घर पर पत्थरों से हमला किया। फिलहार हिंसाग्रस्त इलाकों में बड़े पैमाने पर पुलिस की तैनाती की गई है। वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीनिवास ने मेडक शहर बंद रखने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भाजयुमो, गोसंरक्षण समिति और भाजपा के तत्वावधान में बंद जारी रहेगा। ताजा समाचार मिलने तक बंद संपूर्ण रहा और व्यापारिक प्रतिष्ठान सारे बंद रहे। गोशामहल विधायक राजसिंह ने मेडक शहर में झड़प में घायल हुए अरुण राजू से मुलाकात की, जिनका मियापुर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मौके पर राजा सिंह ने कहा कि अगर मेडक घटना में पुलिस ने सही समय पर कार्रवाई की होती तो यह स्थिति नहीं होती। राजसिंह ने कहा कि उन्होंने पुलिस को पहले ही पूर्व सूचना दिया था कि उनके हत्यारों के पास मवेशी हैं लेकिन पुलिस उनकी सुरक्षा में घोर लापरवाही बरत रही है। उन्होंने कहा कि गौ रक्षकों ने सीधे जाकर उन्हें बचाने की कोशिश की परंतु उन्हें अरेस्ट कर लिया गया। हालांकि विधायक राजसिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस ने गौरक्षकों के साथ दुर्व्यवहार किया।

चलती मालगाड़ी में आग लगने से हड़कंप, कोयला-खिलौने जलकर राख, दिल्ली से पश्चिम बंगाल जा रही थी ट्रेन

एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर जिले के परसेंडी रेलवे स्टेशन पर रात एक चलती मालगाड़ी में आग लग गई। आग मालगाड़ी की एक बोगी में लगी थी। आग की चपेट में आकर बोगी में रखा लाखों रुपये का सामान जल गया। यह मालगाड़ी दिल्ली से पश्चिम बंगाल जा रही थी। बोगी में कोयले के गत्तों के साथ खिलौने व अन्य सामान रखा हुआ था।

आग की सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। रातभर बोगी में लगी आग बुझाने का काम चलता रहा। सोमवार सुबह भी दमकल कर्मी आग बुझाते रहे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। वहीं, आग लगने के बाद बोगी को अलग करके मालगाड़ी को अपने गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया।

मालगाड़ी सीतापुर से बुढ़वल रेल लाइन पर टप्पा खजुरिया स्टेशन से बीती रविवार रात गुजर रही थी। परसेंडी रेलवे स्टेशन के पास इसमें धुआं निकलता दिखा। जिस पर स्टेशन मास्टर की सूचना पर परसेंडी स्टेशन मास्टर ने मालगाड़ी रुकवाकर

जांच की। धुआं निकलने की जानकारी उच्चाधिकारियों दी गई।

मौके पर पहुंचे उच्चाधिकारियों व 4 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। लगभग 8 घंटा बीत जाने के बाद आग पर काबू पाया गया। मौके पर आरके बांगर डीसीआई लखनऊ, नीतू सिंह सीनियर डीसीएम लखनऊ, सरवन कुमार ट्रैफिक इंस्पेक्टर, अरविन्द अग्निहोत्री स्टेशन मास्टर सहित आरपीएफ इंस्पेक्टर सीतापुर, टप्पा खजूरिया, परसेंडी, रमईपर स्टेशन के गैंगमैन सहित भारी संख्या में कर्मचारी व पुलिस बल मौजूद रहे। जिस डिब्बे में आग लगी उसमें कोयला, मोबिल, जूते, टायर व बच्चों के खिलौने आदि रखे हुए थे।

बेस अस्पताल में मरीज भी पेयजल संकट से परेशान

हल्द्वानी। भीषण गर्मी में मरीज भी पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। यहां पानी की कमी के कारण बेस अस्पताल प्रशासन को जल

संस्थान से पानी के दो टैंकर मंगवाने पड़ गए। पिछले 15-20 दिन से अस्पताल में पानी का संकट बना हुआ है। इससे खासकर डायलिसिस के लिए आने वाले मरीजों के लिए भी समस्या खड़ी हो गइ है। बेस अस्पताल में रोजाना एक हजार से ज्यादा ओपीडी होती है। पेयजल संकट से सबसे ज्यादा दिक्कत डायलिसिस केंद्र में हो रही है। यहां हर रोज 60 से 70 मरीजों का प्रतिदिन चार घंटे डायलिसिस होता है। एक मरीज के डायलिसिस के लिए आरओ फिल्टर युक्त 20 लीटर पानी की जरूरत होती है। मरीज सुबह आठ बजे से पहुंचने लगते हैं।

जम्मू कश्मीर में धूमधाम से मनाया ईद उल अजहा, नमाज के बाद गले मिलकर दी मुबारकबाद

एजेंसी

जम्मू कश्मीर। ईद उल-अजहा का त्योहार जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों में धूमधाम से मनाया जा रहा है। प्रदेश के 20 जिलों में के ईदगाहों में नमाजियों ने ईद की नमाज अदा की और परिवार सहित प्रदेश और देश के लिए अमन व सुख-समृद्धि की दुआ की। जम्मू शहर की बात करें तो यहां 22 जगहों पर नमाज अदा की गई। इसमें ईदगाह डिग्याना में सात बजे, रेजीडेंसी ईदगाह में साढ़े सात, सिद्ड़ा में सुबह साढ़े सात बजे, मलिक मार्केट ईदगाह में साढ़े छह बजे, तालाब खटीका में साढ़े आठ बजे, जामिया मस्जिद करयानी

तालाब बठिंडी में साढ़े सात बजे, रेलवे स्टेशन मस्जिद में आठ बजे, सुजवां ईदगाह में साढ़े सात, पुलिस लाइन छन्नी मस्जिद में साढ़े सात, जामिया मस्जिद उस्ताद मोहल्ला में साढ़े छह, कुंजवानी मस्जिद में सात, गोल मार्केट गांधी नगर में साढ़े छह, बठिंडी मस्जिद में सुबह सात बजे, पुल तवी मस्जिद में नौ बजे, नरवाल मस्जिद में सात, ईदगाह जानीपुर में साढ़े सात, गोल मस्जिद जलालाबाद सुजवां में सवा छह, न्यू प्लांट में नौ बजे, अंजुमन इमामिया परिसर में साढ़े आठ बजे, बठिंडी में सुबह नौ बजे नमाज अदा की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। साथी खूब मिठाईयां भी बंटी। ईद के पर्व पर प्रदेशभर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सुबह से ही पुलिस अधिकारी विभिन्न ईदगाहों के नजदीक मौजूद रहे। एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए ईदगाह क्षेत्र को विभिन्न सेक्टरों में बांटा था।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?
सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं.ल्ल
राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?
सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।
राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?
सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।
राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।
इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।
राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।
सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।
देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।
इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।
इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।
हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।
सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?
राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।
लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।
75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिम्ब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।
अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।
नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।
इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं। हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

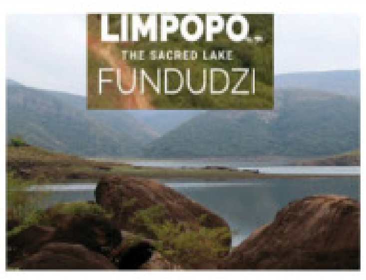

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नही दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.
कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है.
जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.
आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

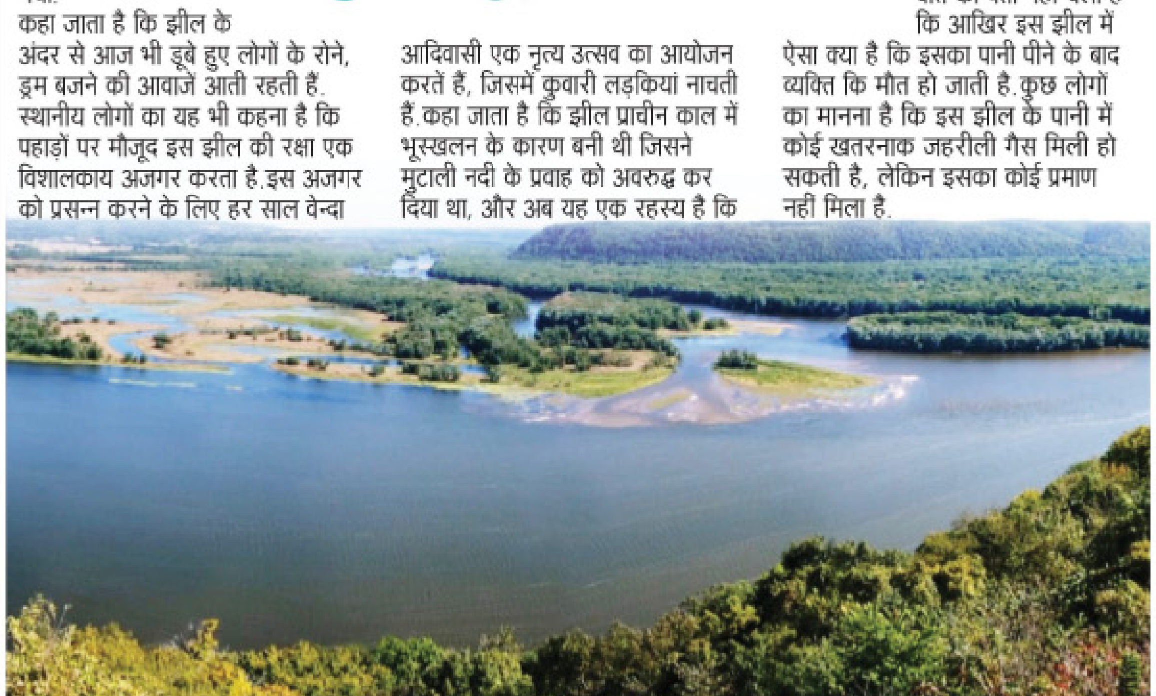

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहा पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातिया भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ट इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

बाबर आज़म ने पाकिस्तान के टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद कप्तानी की आलोचना का बचाव किया

एजेंसी

फ्लोरिडा। लगातार दूसरी बार, बाबर आज़म पाकिस्तान को ICC इवेंट ICC Events के ग्रुप चरण से आगे ले जाने में विफल रहे। पिछले नवंबर में 2023 के वनडे विश्व कप में लीग चरण से बाहर होने के बाद, पाकिस्तान पिछले हफ़्ते की शुरुआत में T20 विश्व कप में सुपर आठ में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गया, जब उसे ग्रुप चरण में USA और भारत से हार का सामना करना पड़ा। 2009 के चैंपियन के जल्दी बाहर होने से बाबर की व्हाइट-बॉल कप्तानी का भविष्य अधर में लटक गया। रविवार को फ्लोरिडा में आयरलैंड के खिलाफ़ एक नर्वस मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए, बाबर ने न केवल विश्व कप में अपनी कप्तानी के खिलाफ़ आलोचना का बचाव किया, बल्कि उन्होंने व्हाइट-बॉल टीम में अपनी नेतृत्व भूमिका के भविष्य को भी संबोधित किया। बाबर ने कहा, 'जब मैंने [2023 में] कप्तानी छोड़ी, तो मैंने सोचा कि मुझे अब यह नहीं करना चाहिए, इसलिए मैंने इसे छोड़ दिया और मैंने खुद इसकी घोषणा की।' फिर जब उन्होंने इसे मुझे वापस दिया, तो यह PCB का निर्णय था। जब मैं वापस जाऊंगा, तो हम यहाँ जो कुछ भी हुआ है, उस पर चर्चा करेंगे। और अगर मुझे कप्तानी छोड़नी पड़ी तो मैं खुलेआम इसकी घोषणा करूंगा। मैं किसी भी चीज के पीछे नहीं छिपूंगा।

आजमगढ़ के उत्कर्ष सिंह ने जीती पंजा कुश्ती चैंपियनशिप

आजमगढ़ । उत्तर प्रदेश पंजा कुश्ती चैम्पियनशिप के 15वें संस्करण में आज़मगढ़ के उत्करेश सिंह ने दमदार प्रदर्शन किया और चैंपियन ऑफ चैंपियंस ट्रॉफी जीती।75 किलोग्राम युवा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले उत्करेश सिंह ने सभी वर्गों में पदक विजेताओं के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और चैंपियन ऑफ चैंपियंस प्रतियोगिता में अच्छी जीत हासिल की।युवा पुरुष 75 किग्रा के स्वर्ण पदक विजेता उत्करेश सिंह ने चैंपियन ऑफ चैंपियंस मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

एरिक जांजा के डिफ्लेक्टेड लेट स्ट्राइक ने स्लोवेनिया को डेनमार्क के खिलाफ 1-1 से बराबरी दिलाई

स्टटगार्ट। एरिक जांजा के Deflected late strike ने स्लोवेनिया को डेनमार्क के खिलाफ 1-1 से बराबरी दिलाई, जिससे Euro cupके ग्रुप सी के रोमांचक ओपनर में क्रिश्चियन एरिक्सन का शुरुआती गोल रद्द हो गया।स्लोवेनिया के डिफेंस में एक क्षणिक चूक का फायदा उठाते हुए डेन्स ने 17वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। एक त्वरित थ्रो-इन ने स्लोवेनिया को चौंका दिया, जिससे जोनास विंड ने एक चतुर फ्लिक को अंजाम दिया, जिसने क्रिश्चियन एरिक्सन को जगह दी।डेनमार्क के लिए अपना 132वां मैच खेल रहे मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्लेमेकर ने जान ओब्लाक को पीछे छोड़ते हुए एक शानदार लो फिनिश को कोने में डाला। यह एरिक्सन का शानदार प्रदर्शन था, जो पिछले यूरो के अपने देश के शुरुआती गेम में कार्डियक अरेस्ट से पीड़ित होने के ठीक 1,100 दिन बाद पहले हाफ में शानदार खेल दिखा रहे थे। डेनमार्क ने शुरुआती मुकाबलों में दबदबा बनाया, जिसमें एरिक्सन ने Midfield को संभाला और कई मौके बनाए। हालांकि, अपने नियंत्रण के बावजूद, वे अपनी बढ़त को आगे नहीं बढ़ा सके। दूसरे हाफ में स्लोवेनिया ने नए जोश के साथ वापसी की और डेनमार्क की रक्षा को अधिक बार चुनौती देना शुरू कर दिया।

श्रीलंका ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंत में बचाकर रखा, नीदरलैंड को 83 रनों से हराया

ग्रोस आइलेट। श्रीलंका ने आखिरकार अपना Finally your own जादू दिखाया, क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप के ग्रुप डी लीग के एक मामूली से अंतिम मैच में नीदरलैंड को 83 रनों से हरा दिया।बांग्लादेश ने नेपाल को दूसरे ग्रुप लीग मैच में 21 रनों से हरा दिया, नीदरलैंड के पास जो एक छोटा सा मौका था, वह भी खत्म हो गया, क्योंकि वे वानिन्दु हसरंगा की टीम द्वारा दिए गए 202 रनों के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए 118 रनों पर आउट हो गए।श्रीलंकाई ने अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते हुए बहुत देर कर दी, क्योंकि तीनों इकाइयों ने एक साथ मिलकर गोल दागे, लेकिन वे पहले ही भाग चुके थे, क्योंकि वे सुपर आठ के लिए बाहर हो चुके थे। श्रीलंका Sri Lanka के मध्यक्रम ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज और कप्तान हसरंगा ने स्कोरिंग रेट को बढ़ाया, लेकिन बाएं हाथ के बल्लेबाज चरिथ असलांका की 21 गेंदों में 46 रन की पारी ने उनकी पारी में असली अंतर पैदा किया। असलांका ने पांच छक्के जड़े और श्रीलंका ने 200 रन का आंकड़ा पार किया। असलांका ने नीदरलैंड के गेंदबाजों को कम से कम फुटवर्क और अधिकतम शक्ति के साथ परेशान किया, एक स्थिर आधार बनाए रखा जिससे उन्हें जोरदार बल्लेबाजी करने का मौका मिला। असलांका ने कहा, ÷यह यूएसए की तुलना में कहीं बेहतर परिस्थितियां हैं और हमने उन परिस्थितियों का आनंद लिया। नंबर 5 पर आना मुश्किल हो सकता है। हमने बस परिस्थितियों का सामना किया मुझे पता है कि मुझे थोड़ा और निरंतर होना होगा।

भारतीय तीरंदाज भजन कौर ने महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता स्वर्ण, पेरिस कोटा हासिल किया

एजेंसी

अंताल्या। भारतीय तीरंदाज भजन कौर ने अंताल्या में महिलाओं की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया। फाइनल वर्ल्ड कोटा टूर्नामेंट में कौर ने फाइनल में इस्लामी गणराज्य ईरान की शीर्ष वरीयता प्राप्त मोबिना फल्लाह को 6-2 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त कौर ने अपने अभियान की शुरुआत पहले दो राउंड में बाई के साथ की।

उन्होंने तीसरे राउंड में मंगोलिया की उरनटुंगलाग बिशिन्डी को 6-1 से हराया। कौर ने चौथे राउंड में स्लोवेनिया की उर्सका कैविक को 7-3 से हराकर सुनिश्चित किया कि वह टूर्नामेंट में आगे बढ़ती रहें। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर को 6-0 से हराया और सेमीफाइनल में उन्होंने मोल्दोवा की दसवीं वरीयता प्राप्त एलेक्जेंड्रा मिर्का को 6-2 से हराया। उनकी हमवतन अंकिता भक्त भी इस दौड़

में शामिल थीं और क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। नौवीं वरीयता प्राप्त भक्त को पहले दौर में बाई मिली। दूसरे और तीसरे दौर में, उसने क्रमशः इज़राइल की शेली हिल्टन और मिकेला मोशे पर 6-4 और 7-3 से जीत हासिल की। लेकिन क्वार्टर फाइनल में, वह ईरान की मोबिना फल्लाह से 6-4 से हार गई।

इस बीच, पूर्व विश्व नंबर 1 दीपिका कुमारी को तीसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। दूसरे स्थान पर, वह पहले दो राउंड में बाई प्राप्त करने के बाद अजरबैजान की 31वीं वरीयता प्राप्त यायलागुल रामजानोवा से 6-4 से हार गई। भारत के व्यक्तिगत कोटे को टीम कोटा में अपग्रेड किया जा सकता है यदि पुरुष और महिला टीमें 24 जून को अपनी विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट बना सकती हैं। पुरुष और महिला रिकर्व तीरंदाजी टीमें अंताल्या से अपने-अपने इवेंट में सीधे टीम कोटा हासिल करने में विफल रहीं। तरुणदीप राय, धीरज बोम्मादेवरा और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम को क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको से 5-4 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं अंकिता, भजन और दीपिका की महिला टीम को राउंड ऑफ 16 में यूक्रेन से 5-3 से हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान ने जीत के साथ टी20 विश्व कप से ली विदाई

एजेंसी

फ्लोरिडा। कप्तान बाबर आजम की सधी हुई बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान ने ग्रुप-ए के अपने अंतिम मुकाबले में आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपने अभियान का समापन जीत के साथ किया।

आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गेरेथ डेलानी के 31 रन और जोशुआ लिटिल के नाबाद 22 रनों की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 106 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन बाबर ने जिम्मेदारी से खेलते हुए 34 गेंदों पर दो चौकों की मदद से नाबाद 32 रन बनाए जिसके दम पर पाकिस्तान ने सात गेंद शेष रहते सात विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दर्ज की।

पाकिस्तान के लिए शाहीन अफरीदी पांच गेंदों पर दो छक्कों के सहारे 13 रन बनाकर नाबाद रहे। आयरलैंड की ओर से बैरी मैकार्थी ने तीन विकेट झटके। इससे पहले पाकिस्तान के गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया था और आयरलैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोकने में सफल रहे थे। तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और स्पिनर इमाद वसीम ने तीन-तीन विकेट लिए थे और आयरलैंड की पारी को लड़खड़ा दिया था।

एक भी मैच नहीं जीत सका आयरलैंड

आयरलैंड की टीम का सफर भी ग्रुप-ए में समाप्त हुआ, लेकिन टीम एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी। आयरलैंड ने चार में से तीन मैच गंवाए, जबकि उसका अमेरिका के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ा जिसकी मदद से वह एक अंक हासिल करने में सफल रहा। ग्रुप ए में आयरलैंड की टीम सबसे नीचे पांचवें स्थान पर रही, जबकि पाकिस्तान चार मैचों में दो जीत और दो हार के साथ चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही।

नामीबिया के स्टार आलराउंडर डेविड विसे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। नामीबियाई क्रिकेट टीम के स्टार क्रिकेटर डेविड विसे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे टी20 विश्व कप में नामीबिया की तीसरी हार के बाद, ऑलराउंडर ने संन्यास का फैसला लिया।

विसे ने कहा, मेरा मतलब है, अगला टी20 विश्व कप अभी दो साल दूर है, मैं अभी 39 साल का हूं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मामले में मुझे नहीं पता कि मुझमें और कुछ बचा है या नहीं। मुझे लगता है कि नामीबिया के साथ व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए एक विशेष करियर को समाप्त करने के लिए इससे बेहतर जगह और क्या हो सकती है। मैंने उनके साथ बहुत अच्छे समय बिताए हैं और उनके लिए अपना आखिरी मैच संभवतः इंग्लैंड जैसी विश्व

स्तरीय टीम के खिलाफ विश्व कप में खेलना सही समय लग रहा था।

संयोग से, विसे ने 2013 और 2015 में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना टी20ई और वनडे डेब्यू किया और 2016 के टी20 विश्व कप में प्रोटियाज का प्रतिनिधित्व किया। 2016 में, ऑलराउंडर ने कोलपैक डील का विकल्प चुना और ससेक्स के साथ तीन साल का अनुबंध किया और दक्षिण अफ्रीका के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त कर दिया। उन्होंने 2021 टी20 विश्व कप में नामीबिया के लिए पदार्पण किया और टीम को सुपर 12 के लिए क्वालीफाई करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लगभग अकेले ही उन्हें 2022 संस्करण में सुपर 12 में पहुँचाया। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भी पोस्ट मैच इंटरव्यू में पुष्टि की कि यह नामीबिया के लिए विसे का आखिरी मैच था। विसे ने 15 एकदिनी मैचों में 330 रन बनाए और 15 विकेट लिए, वहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 54 मैचों की 40 पारियों 624 रन बनाए, साथ ही 59 विकेट लियेष

जो बर्न्स दमदार शतक जड़कर कर दिया बड़ा कारनामा

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 क्वालीफायर के लिए इटली की टीम एक कदम आगे बढ़ चुकी है। इटली की टीम का रविवार को रोमानिया के साथ एक तगड़ा मुकाबला खेला गया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर जो बर्न्स ने नाबाद शतकीय पारी खेलकर खूब सुर्खियां बटोरी। 34 साल की उम्र में जो बर्न्स को इटली के लिए प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला और उन्होंने 108 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। वह इटली के लिए टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर भी बने। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर जो बर्न्स ने ऑस्ट्रेलिया से नाता तोड़कर इटली टीम की तरफ से खेलने का फैसला किया। उन्होंने दिवंगत ऊाई डोमिनिक बर्न्स को श्रद्धांजलि देने के लिए यह बड़ा कदम उठाया है। डोमिनिक का इस साल फरवरी में निधन हो गया था। इस वजह से अपने भाई के लिए उन्होंने देश छोड़ने का फैसला किया और इटली की तरफ से खेलने का फैसला किया। अपने भाई डोमिनिक की जर्सी नंबर 85 पहनकर उन्होंने आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप सब रिजनल यरोप क्वालीफायर ग्रुप-ए के मैच में रोमानिया के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली। जो बर्न्स ने शतक जड़ने के बाद एक खास क्लब में एंट्री की। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो अलग-अलग देशों के लिए शतक बनाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं, इटली के लिए टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन (108) बनाने के साथ ही जो बर्न्स ने मार्कस कैंपोपियानो को पछाड़ा दिया, जिन्होंने साल 2022 में स्पेन के खिलाफ नाबाद 87 रन की पारी खेली थी।

बाबर आजम ने हासिल की खास उपलब्धि, महेन्द्र सिंह धोनी को छोड़ा पीछे

एजेंसी

फ्लोरिडा। बाबर आजम पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ते हुए टी 20 विश्व कप के इतिहास में बतौर कप्तान सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। फ्लोरिडा में आयरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के अंतिम ग्रुप-स्टेज मुकाबले में बाबर ने अहम भूमिका निभाई और 34 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए।

107 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने एक छोर संभाले रखा और पाकिस्तान को 3 विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। टी20 विश्व कप में कप्तान के रूप में बाबर के नाम अब 17 पारियों में 549 रन हैं। इससे पहले, धोनी ने 29 पारियों में 529 रन बनाकर रिकॉर्ड बनाया था। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन भी पूर्व भारतीय कप्तान से आगे निकल सकते हैं। वह धोनी के 529 रनों से सिर्फ दो रन पीछे हैं और सोमवार को पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ कीवी

टीम के अगले मैच में उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं। बाबर ने जहां अपने बल्ले से रिकॉर्ड तोड़ा, वहीं उनके स्टार तेज गेंदबाज शाहिन शाह अफरीदी, जिन्हें मैच जिताने वाले ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, ने भी इतिहास रच दिया।

शाहीन ने अपने चार ओवर के स्पेल में 5.50 की इकॉनमी से 22 रन देते हुए तीन विकेट चटकाए। रोमांचक मैच के अंतिम क्षणों में उन्होंने दो छक्के जड़कर पाकिस्तान को जीत दिलाई। यह तीसरा मौका था जब शाहीन को टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। अब वह इस प्रतिष्ठित आयोजन में पाकिस्तान के लिए सबसे अधिक प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने वाले पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल की बराबरी कर ली है। शाहीन के ससुर और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के नाम टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के लिए सबसे अधिक चार प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड है।

शतक लगाने के बाद मंधाना ने दिया ये बयान, शेष मैचों में प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद जताई

एजेंसी

बेंगलुरु। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शानदार शतक लगाने वाली भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि वह ये पारी खेलकर काफी राहत महसूस कर रही हैं। उन्होंने साथ ही उम्मीद जताई कि वह सीरीज के शेष मुकाबलों में भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगी। भारतीय टीम ने मंधाना के 117 रन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को 143 रनों से हराया था।

मैच में क्या हुआ

मंधाना की पारी की बदौलत भारत ने 50 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 265 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 37.4 ओवर में 122 रन पर सिमट गई। भारत ने पहला वनडे 143 रन से अपने नाम किया और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 116 गेंद पर वनडे करियर का छठा और ओवरऑल अंतरराष्ट्रीय करियर का सातवां

शतक लगाया। मंधाना ने दीप्ति शर्मा के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद मंधाना ने पूजा वस्त्राकर के साथ सातवें विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी निभाई।

'घरेलू मैदान पर शतक जड़कर खुश हूं'

मंधाना ने छठे और सातवें विकेट के लिए अपनी जोड़ीदार दीप्ति शर्मा और पूजा वस्त्रकार को अच्छा सहयोग देने का श्रेय दिया। मंधाना ने कहा, मैं पिछले चार पांच वर्षों से खुद पर काफी नाराज थी। मैं घरेलू मैदान पर जब भी वनडे में खेली, बस 70-80 रन ही बना पाती थी। आज यह आसान विकेट नहीं था। इसलिए घरेलू मैदान पर शतक जड़कर खुश हूं। उम्मीद करती हूं कि ऐसा होता रहे। मुझे लगता है कि दीप्ति और पूजा के साथ साझेदारी अहम थी। हम जानते हैं कि दीप्ति बल्ले से क्या कर सकती हैं। पूजा को भी बल्लेबाजी के आना था। वह भी गेंद को स्ट्राइक कर सकती है। इसलिए मैं चिंतित नहीं थी कि क्या होगा। हमने बस कुछ समय क्रीज पर बिताने के बारे में बात की।

पेरिस ओलंपिक से पहले लवलीना ने किया शानदार प्रदर्शन, जीता रजत पदक

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने पेरिस ओलंपिक से पहले दमदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के उस्ती नाद लाबेम में आयोजित ग्रां प्री में रजत पदक जीता। हालांकि लवलीना को महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में चीन की ली कियान से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह स्वर्ण पदक हासिल करने से चूक गईं। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और पेरिस ओलंपिक में भी उनसे पदक की आशा रहेगी।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकीं लवलीना को मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन के खिलाफ अपने अंतिम मुकाबले में 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण के साथ दो बार की ओलंपिक पदक विजेता कियान ने पिछले साल एशियाई खेलों के फाइनल में भी लवलीना को शिकस्त दी थी।

'ओलंपिक में मिलेगी मदद'

लवलीना ने कहा कि उन्हें इस प्रतियोगिता में भाग लेने से पेरिस ओलंपिक में मदद मिलेगी। लवलीना ने कहा, इस प्रतियोगिता में भाग लेना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा है। जहां तक मेरी तैयारी का सवाल है, ओलंपिक से पहले यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। इससे मुझे फायदा होगा। मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) और भारत सरकार का शुक्रिया करना चाहूंगी।

खेल मंत्री ने की सराहना

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लवलीना के प्रदर्शन की

सराहना करते हुए लिखा, ग्रां प्री 2024 में रजत पदक जीतने के लिए लवलीना को बधाई। उन्होंने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी रिंग में उनकी सफलता आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी

विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में लवलीना और कियान के अलावा रिफ्यूजी मुक्केबाजी टीम की सिंडी नगांबा और इंग्लैंड की चैंटल रीड ने हिस्सा लिया था। इन चार मुक्केबाजों के बीच राउंड रॉबिन प्रारूप में मुकाबला आयोजित किया गया। लवलीना इस दौरान तीन मुकाबलों में से केवल एक जीत हासिल कर पाईं। असम की मुक्केबाज ने नगांबा और कियान से हारने से पहले रीड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। वह इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली भारत की इकलौती खिलाड़ी हैं।

वेगहोर्स्ट के गोल से नीदरलैंड ने पोलैंड को 2-1 से हराया, डेनमार्क ने स्लोवेनिया से ड्रॉ खेला

एजेंसी

नई दिल्ली।

नीदरलैंड के फॉरवर्ड वाउट वेगहोर्स्ट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरकर प्रभावित करते रहे हैं और यूरोपीय चैम्पियनशिप के मुकाबले में भी उन्होंने ऐसा करते हुए अंत में गोल कर अपनी टीम को पोलैंड पर 2-1 से जीत दिलायी। इस स्ट्राइकर ने 83वें मिनट में मेम्फिस डिपे की जगह मैदान पर आने के बाद पहले ही प्रयास में बायें पैर से नीचा शॉट लगाकर गोल दाग दिया। डिपे ने कई मौके गंवा दिये थे।

चोटिल स्टार रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना खेल रही पोलैंड ने उनकी जगह पर उतरे छह फुट तीन इंच की लंबी कद काठी के एडम बुक्सा के 16वें मिनट में हेडर से किये गोल की मदद से 1-0 से बढ़त बना ली थी जो ज्यादा देर तक नहीं रह सकी। नीदरलैंड के लिए कोडी गाकपो ने 29वें मिनट में पोलैंड के गोलकीपर वोजसिएच

स्जेस्नी को चकमा देते हुए 'डिफ्लेक्टिड' शॉट से बराबरी गोल दागा। नीदरलैंड की इस जीत से ग्रुप डी की प्रबल दावेदार फ्रांस की टीम पर कुछ दबाव बढ़ जायेगा जो सोमवार को आस्ट्रिया से भिड़ेगी।

डेनमार्क और स्लोवेनिया ने 1-1 से ड्रॉ खेला

डेनमार्क ने स्लोवेनिया के साथ आज के दूसरे मुकाबले में 1-1 से ड्रॉ खेला। ग्रुप-सी के इस मैच में डेनमार्क के क्रिश्चियन एरिक्सन ने 17वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। हालांकि, दूसरे हाफ में 77वें मिनट में एरिक जानजा ने गोल दाग स्लोवेनिया की वापसी कराई। इसके बाद दोनों टीमें फुल टाइम तक कोई गोल नहीं कर सकी।

गत विजेता इटली ने अल्बानिया को 2-1 से पराजित किया

गत विजेता इटली मैदान पर उतरते ही कुछ समझ पाता कि 23वें सेकंड में उसके खिलाफ गोल हो गया। अल्बानिया के नेदिम बजरामी की ओर से किए गए इस गोल ने नए कोच लूसियानो स्पैलेटी की टीम को हिला दिया। यह यूरोपियन चैंपियनशिप के 64 वर्षों के इतिहास का सबसे तेज गोल था। हालांकि इटली जल्द ही संभल गया और 16वें मिनट तक उसने दो गोल दागते हुए 2-1 की बढ़त बना ली और इसी अंतर से बाद में उसने अल्बानिया पर जीत हासिल कर ली।

बारेला, बास्तोनी ने इटली के लिए दागे गोल

फेडरिको डिमार्को की थ्रो अलसांद्रो बास्तोनी के पास नहीं पहुंची। बजरामी ने इसे कब्जे में लेते हुए गोल भेद कर वेस्टफालेनस्टेडिऑन में मौजूद अल्बानियाई समर्थकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद इटली ने आक्रमणों की झड़ी लगा दी। 11वें मिनट में निकोलो बारेला ने बराबरी का गोल भेदा। 16वें मिनट में लोरेंजो पेलेग्रिनी के क्रास को बास्तोनी ने हेडर के जरिए गोल कर इटली को बढ़त दिला दी। ग्रुप बी को ग्रुप ऑफ डेथ कहा जा रहा है। इस ग्रुप में इन दोनों टीमों के अलावा स्पेन और क्रोएशिया भी हैं। पूर्व विश्व चैंपियन स्पेन 2018 के फीफा विश्वकप उपविजेता क्रोएशिया को 3-0 से हरा चुका है।

बांग्लादेश ने सुपर-8 में शान से की एंट्री, गेंदबाजों ने लूटी महफिल

एजेंसी

न्यूयार्क। बांग्लादेश ने सोमवार को अपने गेंदबाजों के दम पर टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 37वें मैच में नेपाल को लो स्कोरिंग मैच में 21 रन से हराकर सुपर-8 राउंड में धमाकेदार एंट्री की। बांग्लादेश की टीम सुपर-8 राउंड में पहुंचने वाली आखिरी टीम बनी। ग्रुप डी से पहले दक्षिण अफ्रीका ने अगले दौर में प्रवेश किया था। किंग्सटन में खेले गए ग्रुप-डी के मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 19.3 ओवर में 106 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में नेपाल की टीम 19.2 ओवर में 85 रन पर ढेर हो गई। इस मैच में कुल 191 रन बने। नेपाल के पांच बल्लेबाज खाता तक नहीं खोल सके। बांग्लादेश द्वारा मिले 107 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की शुरुआत खराब रही। तनजिम हसन साकिब ने कुशल भुर्तेल (4) को क्लीन बोल्ड किया। दो गेंद बाद ही साकिब ने अनिल शाह को शांतो के हाथों कैच आउट करा दिया। साकिब ने नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल (1) को हुसैन के हाथों कैच आउट कराकर अपना तीसरा शिकार किया। जल्द ही मुस्ताफिजुर रहमान ने दूसरे ओपनर आसिफ शेख (17) को शाकिब के हाथों कैच आउट कराकर नेपाल को चौथा झटका दिया। नेपाल के बल्लेबाज तू चल मैं आया वाली कहावत साबित करते हुए दिखे और उसके आखिरी के तीन बल्लेबाज खाता भी नहीं कर सके। बांग्लादेश की तरफ से तनजिम हसन साकिब ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके। मुस्ताफिजुर रहमान ने तीन विकेट चटकाए। शाकिब अल हसन के खाते में दो विकेट आए। तास्किन अहमद एक विकेट लेने में सफल रहे। पहले बैटिंग करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत भी खराब रही। सोमपाल कामी ने पारी की पहली ही गेंद पर तानजिद हसन को पवेलियन लौटा दिया। कामी ने अपनी ही गेंद पर हसन का कैच लपका। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (4) को ऐरी ने क्लीन बोड किया। इसके बाद लिटन दास (10) भी कुछ खास नहीं कर सके और कामी के दूसरे शिकार बनकर पवेलियन लौट गए।

वो बहुत गुस्सैल हैं...कंगना रनौत की हेयरस्टाइलिस्ट ने

रानी मुखर्जी

पर ऐसा क्यों कहा

कंगना रनौत की हेयरस्टाइलिस्ट मारिया कई सेलिब्रिटीज के साथ काम कर चुकी हैं. अब उन्होंने सभी के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर किया. उन्होंने बताया कि कौन कैसी एक्ट्रेस हैं. उन्होंने सभी एक्ट्रेसेस के बिहेवियर पर बात की, कि कौन कितनी रूड हैं और कौन कितनी स्वीट हैं. मरिया ने पहले कंगना रनौत को मुंहफट, लेकिन प्यारी बताया था. वहीं अब उन्होंने रानी मुखर्जी को लेकर बात की और उन्हें बहुत गुस्सैल बताया.मारिया ने हाल ही में एक इंटरव्यू में नए जमाने की एक्ट्रेसेस और इंडस्ट्री के दिग्गजों के बीच अंतर पर बात की. उन्होंने बताया कि पहले के सेलिब्रिटिज अपनी पूरी टीम की इज्जत करते थे और खयाल रखते थे. लेकिन ये चीज अब की एक्ट्रेस में बहुत कम देखने को मिलती है. उन्होंने रानी मुखर्जी के बारे में बताया कि एक्ट्रेस अक्सर अपने हेयरस्टाइल को लेकर हंगामा करती थीं और स्टाइलिस्ट से बार-बार चेंज करने के लिए कहती थीं. वो बहुत गुस्सैल थीं.उन्होंने याद करते हुए कहा कि रानी अक्सर उन्हें होटल में बुलाती थीं और बाद में मना कर देती थीं कि नहीं आना है. वहीं कई बार शूट लोकेशन पर हेयरस्टाइल करने के लिए कहती थीं. मारिया ने देखा कि रानी अक्सर अपने हेयरस्टाइल को बदलने के लिए कहती थीं. उन्हें मारिया का काम पसंद नहीं आता था. उन्होंने बताया कि वो कई बड़े सेलिब्रिटिज के साथ काम कर चुकी थीं और रानी उनसे इस तरह से बात करती थीं.

इसके साथ ही मारिया ने ये भी बताया कि उन्होंने रानी को श्राप भी दिया था, जिसके बाद रानी की फिल्म फ्लॉप हो गई थी. मारिया ने रानी की तुलना सुष्मिता सेन के साथ की. उन्होंने बताया कि सुष्मिता उनके काम को काफी पसंद करती हैं. वो कई बार उन्हें अपना हेयरस्टाइल करने के लिए बुलाती हैं. ये भी बताया कि रानी को उनका हेयर स्ट्रेट करने का तरीका भी पसंद नहीं था. इस सब से परेशान होकर ही उन्होंने रानी को श्राप दिया था.

55 साल पहले रेलवे स्टेशन पर मिथुन से कुली ने जो कहा, वो सच साबित हो गया

एक वक्त था, जब मिथुन चक्रवर्ती हिंदी सिनेमा पर राज किया करते थे. उन्होंने कई भाषाओं में फिल्में की. डांस में उनका जवाब नहीं था. इसलिए उन्हें डॉसिंग सेंसेशन भी कहा जाता था. आज भी उनके फैंस की कमी नहीं. इस मुकाम को हासिल करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की. एक वक्त ऐसा था जब उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि वो इतने बड़े स्टार बन जाएंगे. एक बार उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया था कि उन्हें एक कुली ने 'हीरो' कहा था.मिथुन ने एक इंटरव्यू में साल 1969 में उनके साथ हुई घटना को याद करते हुए बताया था कि एक बार वो दादर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतर रहे थे. उसी वक्त जब वो अपना सामान ले जा रहे थे तब एक कुली ने उन्हें 'हीरो' कहा था. उस वक्त कुली का हीरो कहना उनके दिल को छू गया था. उन्होंने कहा था, मैं सामान लेकर जा रहा था तो पीछे से एक कुली ने 'ऐ हीरो' कहकर आवाज दी. तो मैं रुक गया. मैंने सोचा मैं हीरो जैसा लग रहा हूं क्या? क्योंकि मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि कोई मुझे हीरो बोलेगा.

दुआ बन कर निकले लफ्ज

उन्होंने आगे बताया कि उन्हें महसूस हुआ कि कुली आने-जाने वाले सभी लोगों को 'हीरो' कहकर ही बुलाते थे. ताकि वो उनका सामान उठा सकें. उन्होंने कहा कि कुली ने जो उन्हें हीरो कहा वो उस शब्द का मतलब गलत समझे थे. हालांकि कुली का बोला हुआ हीरो एक दम सही साबित हुआ. क्योंकि बाद में वो सुपरस्टार बन गए. उन्होंने आगे कहा, शायद उस कुली के मुंह से वही लफ्ज दुआ बन कर निकले होंगे कि मैं हीरो बन गया.

मिथुन दा की फिल्मों

मिथुन दा ने 'अग्निपथ', 'ओह माय गॉड', 'गोलमाल 3', 'हाउसफुल 2', 'खिलाड़ी 786' जैसी नई फिल्मों और 'डिस्को डांसर', 'डांस डांस', 'चंडाल', 'प्यार झुकता नहीं' जैसी कई फिल्मों में कमाल की एक्टिंग से लोगों का दिल जीता है. पिछली बार वो साल 2022 में 'द कश्मीर फाइल्स' में नजर आए थे. इसमें उनके साथ अनुपम खेर लीड रोल में थे.

'बाबुल की दुआएं लेती जा. . . ', बेटी आइरा की शादी में जब आमिर खान ने गाने के जरिए बयां किए जज्बात

इस साल की शुरुआत में आमिर खान की बेटी आइरा खान ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे संग शादी की थी. दोनों की शादी खूब लाइमलाइट में छाई थी. इस शादी की कई सारी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर आ चुकी हैं. आमिर ने अपनी बेटी की शादी को खूब इंजॉय किया था. सुपरस्टार की कई इमोशनल वीडियोज भी सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं. इसी बीच आमिर का एक अनदेखा वीडियो सामने आया है, जिसने सभी को काफी इंप्रेस और इमोशनल कर दिया है.फादर्स डे के मौके पर आइरा ने अपने पिता आमिर का एक अनदेखा वीडियो शेयर किया है. ये वीडियो उनकी शादी के फंक्शन के दौरान का है. जहां

सुपरस्टार अपनी बेटी के लिए गाना गाते हुए और उनकी आने वाली नई जिंदगी के लिए दुआ करते हुए नजर आ रहे हैं. सामने आए इस वीडियो में आमिर खान मंच पर अपनी एक्स वाइफ किरण राव और अपने छोटे बेटे के साथ गाना गाते हुए नजर आ रहे हैं.

पहले तीनों 'एक हजारों में मेरी बहना है' गाना गाते हैं. बाद में सिर्फ आमिर अपनी बेटी के लिए 'बाबुल की दुआएं लेती जा, जा तुझको सुखी संसार मिले' गाते हैं. अपने पिता को ये गाना गाता हुए देखकर आइरा इमोशनल होती हुई नजर आ रही हैं. ये उनके वीडियो संगीत का है. आमिर वीडियो में अपनी बेटी के जल्दी बड़े होने की बात कहते हुए भी नजर आ रहे हैं. उनका ये वीडियो फैन्स को काफी पसंद आ रहा है.आमिर खान ने हाल ही में अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर की शूटिंग भी पूरी कर ली है. इस फिल्म से आमिर लंबे वक्त बाद कमबैक करने वाले हैं. फैन्स उनकी इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. वहीं सनी देओल की 'बॉर्डर 2' को आमिर प्रोड्यूसर कर रहे हैं. इस फिल्म की भी हर छोटी चीज़ पर आमिर खान अपनी नजर बनाए हुए है.

सलमान खान

को 25 साल के शख्स ने दी जान से मारने की धमकी, राजस्थान से किया गया गिरफ्तार

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान पिछले कुछ समय से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर हैं. जबसे उनके घर के बाहर फायरिंग हुई है उसके बाद से ही लगातार इसपर फॉलोअप आ रहे हैं. इस वजह से सुपरस्टार के फैन्स भी एक्टर की सिक्योरिटी को लेकर काफी चिंतित हैं. अभी हाल ही में सलमान खान ने इसपर बयान भी दिया और कहा कि वे इन सबसे काफी फ्रस्टेट हो गए हैं और उन्हें बार-बार टारगेट किया जा रहा है. इस बात को बीते अभी ज्यादा दिन हुए नहीं कि एक्टर को एक बार फिर से सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है.

अभिनेता सलमान खान को एक बार फिर से सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है. इस बार भी इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया गया है. बिश्नोई गैंग ने यूट्यूब पर वीडियो अपलोड कर धमकी दी है. धमकी देने वाले आरोपी बनवारीलाल लटूरलाल गुर्जर को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया गया है. शख्स की उम्र 25 साल बताई जा रही है. क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी को मुंबई लेकर गई है.सलमान की हत्या की साजिश रचने के आरोप में मुंबई के साउथ साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था. बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों द्वारा कुछ दिन पहले यूट्यूब पर वीडियो पोस्ट किया गया था और आरोप है कि उन्होंने सुपरस्टार की हत्या को लेकर बयान दिया था. मुंबई की साइबर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ IPC की धारा 506(2),504, 34 के साथ द्रुअ अधिनियम की धारा 66 (डी) के तहत मामला दर्ज किया है.

सोहेल-अरबाज से हुई पूछताछ

इस मामले में क्राइम ब्रांच पुलिस ने जांच के लिए एक टीम राजस्थान भेजी थी. क्राइम ब्रांच पुलिस ने इस मामले में राजस्थान से एक शख्स को गिरफ्तार किया. पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी गुज्जर को आज दोपहर मुंबई लाया जाएगा. सलमान खान की बात करें तो हाल ही में उनसे 3 घंटे पूछताछ की गई. इसके अलावा सोहेल और अरबाज खान से 2-2 घंटे पूछताछ हुई. इसमें सलमान ने कहा कि इसके लिए वे पहले से ही सजा काट चुके हैं और लगातार हो रही धमकियों से ऊब चुके हैं. इसके अलावा उनके दोनों भाइयों से करीब 150 सवाल किए गए. हेल्थ इश्यू से उनके पिता सलीम खान को इस पूछताछ में शामिल नहीं किया गया.